पारा आपडेट
मैक्सिमम 27.00 | मिनीमम 15.00
सूर्यास्त (आज) ▸ 17.10
सूर्योदय (कल) ▸ 06.28
बोकारो से प्रकाशित

सेंसेक्स 78,472.48 ● निफ्टी 23,750.20 ● डॉलर 85.27 ₹ ● सोना 76,130 ₹ ● चांदी 99,000 ₹

पेज 06 क्या कांग्रेस का 'वामपंथीकरण' ही...
पेज 08 मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी में रीगा...

हिन्दी दैनिक

झारखंड दर्शन

हर खबर पर नजर

पौष कृष्ण पक्ष द्वादशी संवत 2082

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, शुक्रवार 27 दिसंबर 2024 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 2/- रुपया ● वर्ष : 07 अंक : 174 | Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का निधन, दिल्ली एम्स में ली अंतिम सांस

नयी दिल्ली। देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया है। आपको बता दें कि तबीयत बिगड़ने के बाद गुरुवार की शाम ही उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह 92 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। जानकारी के अनुसार साल 2006 में मनमोहन सिंह की दूसरी बार बाईपास सर्जरी हुई थी, जिसके बाद से वह काफी बीमार चल रहे थे। गुरुवार को उन्हें सांस लेने में तकलीफ और बेचैनी के बाद एम्स में भर्ती कराया गया था। उनका जन्म 26 सितम्बर 1932 को पश्चिमी पंजाब के गाह (अब पाकिस्तान) में हुआ था। साल 2004 से 2014 तक वह देश के प्रधानमंत्री थे और भारत के बड़े अर्थशास्त्रियों में उनकी गिनती होती थी। उन्होंने चंडीगढ़ में पंजाब विश्वविद्यालय और ग्रेट ब्रिटेन में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी।

रक्षा मंत्री सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सीएसआर सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 27 दिसंबर को नई दिल्ली में सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सम्मेलन के छठे संस्करण की अध्यक्षता करेंगे। पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के अंतर्गत केंद्रीय सैनिक बोर्ड की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व सैनिकों, विधवाओं और उनके आश्रितों के पुनर्वास, पुनर्स्थापन और कल्याण के लिए उठाए गए प्रयासों पर प्रकाश डालना और इन प्रयासों के लिए सहयोग जुटाना है। राजनाथ सिंह सशस्त्र सेना झंडा निधि में प्रमुख सीएसआर योगदानकताओं को सम्मानित भी करेंगे। सम्मेलन में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के सचिव डॉ. नितेन चंद्रा, सीएसआर समुदाय के सदस्य, पूर्व सैनिक, रक्षा सेवा कर्मी और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री 50 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड करेंगे वितरित

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 10 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 200 जिलों के 46,000 से अधिक गांवों में संपत्ति मालिकों को स्वामित्व योजना के तहत 50 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरूवार को यहां बताया कि सर्वेक्षण की नवनीतम ड्रोन तकनीक के माध्यम से गांवों में घरों के मालिकों को 'अधिकारों का रिकॉर्ड' प्रदान करके ग्रामीण भारत की आर्थिक प्रगति के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने स्वामित्व योजना शुरू की थी। यह योजना संपत्तियों के मुद्रीकरण और बैंक ऋण के माध्यम से संस्थागत ऋण को सक्षम करने, संपत्ति से संबंधित विवादों को कम करने, ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्तियों और संपत्ति कर के बेहतर मूल्यांकन की सुविधा प्रदान करने और व्यापक ग्राम-स्तरीय योजना को सक्षम करने में भी मदद करती है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों संग की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक, दिये निर्देश

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल एवं जिला अस्पतालों का हेल्थ सर्किट बनाया जाए ताकि जरूरत के हिसाब से मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया जा सके। इससे किसी एक अस्पताल पर मरीजों का ज्यादा दबाव नहीं पड़ेगा। इसके लिए जरूरी है कि सभी अस्पतालों में इलाज की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री गुरुवार को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि लोगों को राज्य में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने राजधानी रांची के री-डेवलपमेंट प्लान तथा यातायात व्यवस्था को लेकर भी संबंधित अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के सभी सरकारी अस्पताल 24 घंटे सातों दिन फंक्शनल होनी चाहिए। इस दिशा में चिकित्सक और पैरामेडिकल कर्मी अस्पतालों में हमेशा उपलब्ध होने चाहिए ताकि मरीज कभी भी आएं तो उनका इलाज सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पतालों को और बेहतर तथा अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने सभी जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी ऐसी व्यवस्था हो, इस दिशा में भी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सक होने से मरीज को बेवजह मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में रेफर करने से भी काफी हद तक निजात मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पतालों में अक्सर अव्यवस्था की शिकायतें विभिन्न माध्यमों से मिलती रहती है। अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों में किसी मरीज को बेड नहीं मिल पाता है तो किसी को जांच करने में असुविधा होती है। ओपीडी में मरीजों की भीड़ लगी रहती है। अस्पताल में ऐसी अव्यवस्था नहीं दिखे, इसके लिए हॉस्पिटल मैनेजमेंट को मजबूत और दुरुस्त करें, ताकि मरीजों को इलाज से संबंधित सारी जानकारियां सहूलियत से मिल सके। अस्पतालों के बेहतर प्रबंधन के लिए प्रोफेशनल्स की सेवा लें।

पांच नये मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के निर्माण कार्य के प्रगति की ली जानकारी

मुख्यमंत्री ने राज्य में पांच नये मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के निर्माण कार्य के प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने कहा कि इन सभी अस्पतालों को जल्द से जल्द पूरी तरह फंक्शनल बनाएं ताकि मरीजों को रिम्स अथवा अन्य बड़े अस्पतालों में रेफर करने करने की व्यवस्था नियंत्रण में रहे। उन्होंने सुदूर और दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में अवस्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के बेहतर संचालन के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया, ताकि ग्रामीण मरीजों को सामान्य बीमारियों के इलाजों के लिए इधर-उधर नहीं जाना पड़े।

'वीर बाल दिवस' कार्यक्रम : प्रधानमंत्री ने 'सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान' का किया शुभारंभ

युवा ऊर्जा ने देश की प्रगति में बड़ी भूमिका निभाई है : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरूवार को यहां वीर बाल दिवस कार्यक्रम में भाग लिया और कहा कि इतिहास से लेकर वर्तमान तक युवा ऊर्जा ने हमेशा भारत की प्रगति में बड़ी भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में वीर बाल दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने इस दौरान 'सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान' का शुभारंभ भी किया। इसका उद्देश्य पोषण संबंधी सेवाओं के कार्यान्वयन को मजबूत कर-के और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करके पोषण संबंधी परिणामों और कल्याण में सुधार करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम के दौरान ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) के विजेता बच्चों से भी बातचीत की।

श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने साहिबजादों की अद्वितीय वीरता और बलिदान की याद में वीर बाल दिवस की

शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि यह दिन अब करोड़ों भारतीयों के लिए राष्ट्रीय प्रेरणा का पर्व बन गया है। इस दिन ने कई बच्चों और युवाओं को अदम्य साहस के लिए प्रेरित किया है।

श्री मोदी ने वीरता, नवाचार, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, खेल और कला के क्षेत्र में आज वीर बाल पुरस्कार से सम्मानित किए गए 17 बच्चों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के पुरस्कार विजेता भारत के बच्चों और युवाओं की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने की क्षमता के प्रतीक हैं।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर गुरुओं और वीर साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित की और पुरस्कार विजेताओं और उनके परिवारों को बधाई भी दी। वीर साहिबजादों के बलिदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि आज के युवाओं के लिए उनकी वीरता की गाथा को जानना जरूरी है और इसलिए उन घटनाओं को याद करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि तीन शताब्दी पहले आज ही के दिन वीर साहिबजादों ने कम उम्र में अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने कहा कि साहिब जोरावर सिंह और साहिब फतेह सिंह की कम उम्र के बावजूद उनके साहस की कोई सीमा नहीं थी। उन्होंने कहा कि साहिबजादों ने मुगल सल्तनत के सभी प्रलोभनों को ठुकरा दिया, सभी अत्याचारों को सहन किया और वजीर खान द्वारा दिए गए मौत के दंड को पूरी बहादुरी के साथ स्वीकार किया।

राष्ट्र और राष्ट्रहित से बड़ा कुछ नहीं

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि वीर बाल दिवस हमें सिखाता है कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, राष्ट्र और राष्ट्रहित से बड़ा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा, 'देश के लिए किया गया हर कार्य वीरता का कार्य है और देश के लिए जीने वाला हर बच्चा और युवा वीर बालक है।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'इस वर्ष का वीर बाल दिवस और भी विशेष है, क्योंकि यह भारतीय गणतंत्र और हमारे संविधान की स्थापना का 75वां वर्ष है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संविधान के इस 75वें वर्ष में देश का प्रत्येक नागरिक राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए काम करने के लिए वीर साहिबजादों से प्रेरणा ले रहा है। उन्होंने कहा कि देश के मजबूत लोकतंत्र को इस बात पर गर्व है कि यह दिन साहिबजादों की बहादुरी और बलिदान पर बना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारा लोकतंत्र हमें समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान की ओर प्रेरित करता है। मोदी ने कहा, 'संविधान हमें सिखाता है कि देश में कोई छोटा या बड़ा नहीं है।'

रांची में दिनदहाड़े 13.66 लाख रुपये की लूट, अपराधी फरार

वरीय संवाददाता

रांची। रातू थाना क्षेत्र में फिर से झपट्टामार गिरोह ने छिनतई की एक घटना को अंजाम दिया है। बाइक सवार अपराधियों ने काठीटांड़ एसबीआई में रुपये जमा करने गये पेट्रोल पंप के मैनेजर विमल मिश्रा के हाथ से रुपये भरे थैले को छीन कर फरार हो गये। इस संबंध में भुक्तभोगी ने रातू थाने में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ छितनई का मामला दर्ज कराया है।

जानकारी के मुताबिक लूटे गये रुपये रांची के उदय प्रताप के कमड़े स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के थे। दो दिन बैंक बंद रहने के कारण दो दिन का सेल बैंक में जमा नहीं किया गया था। गुरुवार को मैनेजर विमल मिश्रा, पंप के मालिक उदय प्रताप के रिश्तेदार ऑल्टो चालक अनिष कुमार सिंह के साथ 13 लाख 66 हजार 6 सौ रुपये लेकर एसबीआई काठीटांड़ ब्रांच पहुंचे थे। वह कार से उतर कर बैंक के अंदर जाने ही वाले ही थे कि उन्हें पहले से रेकी कर रहे पल्सर सवार दो लुटेरों में से एक युवक उनके पास पहुंचा और रुपये भरे थैले छीन कर दौड़ते हुए पहले से बाइक स्टार्ट कर खड़े अपने साथी के पीछे बैठ कर वहां से फरार हो गया।

- पल्सर सवार दो झपट्टामारों ने दिया घटना को अंजाम

बाहर के हो सकते हैं अपराधी : डीएसपी

घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी अरविंद कुमार सिन्हा भी मौके पर पहुंचे और भुक्तभोगी के बयान के आधार पर बारीकी से तफ्तीश की। उन्होंने बताया कि पुलिस कमड़े स्थित पंप से काठीटांड़ एसबीआई बैंक तक के सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। उन्होंने कहा कि घटना को अंजाम देने वाले अपराधी संभवतः पंप से ही पीछा कर रहे थे, पुलिस इस बात का भी पता लगा रही है कि अपराधियों को पैसे लेकर जाने की जानकारी कैसे मिली और घटना को किसने अंजाम दिया है इसकी जानकारी जुटा रही है। डीएसपी श्री सिन्हा ने कहा कि संभवतः अपराधी बाहर के थे।

विवाद : अजय माकन की टिप्पणी पर आप ने कांग्रेस को घेरा

भाजपा के साथ मिलीभगत का लगाया आरोप

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली में कांग्रेस नेताओं के कुछ बयानों से भड़की आम आदमी पार्टी (आप) कांग्रेस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के साथ साठगांठ करने पर आरोप लगाते हुये कांग्रेस नेता अजय माकन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। आप के नेताओं ने गुरुवार को कहा कि वे कांग्रेस को अखिल भारतीय विपक्षी गठबंधन इंडिया से बाहर करने की मांग उठाने पर भी विचार कर रहे हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन कहा है कि कांग्रेस ने दिल्ली में आप के प्रमुख अरविंद केजरीवाल का पूर्व में साथ देकर गलती की, जिसका खामयाजा पार्टी को अब तक भुगतना पड़ रहा है।

माकन भाजपा द्वारा भेजी गयी स्क्रिप्ट पढ़ते हैं

आप नेता संजय सिंह ने यहां मुख्यमंत्री आतिशी के साथ एक संवाददाता सम्मलेन में कहा, 'कांग्रेस नेता अजय माकन भाजपा द्वारा भेजी गयी स्क्रिप्ट पढ़ते हैं और आप के नेताओं पर निशाना साधते हैं।' श्री सिंह ने कहा, 'अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्लीवालों के लिए बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा का इंतजाम किया, लेकिन कांग्रेस ने केजरीवाल जी को देशद्रोही कहा।' आप नेता सिंह ने कांग्रेस से श्री माकन पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने सारी हदें पार कर दी हैं। कांग्रेस आलाकमान 24 घंटे में अजय माकन पर एक्शन ले, वरना हम कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से अलग करने की मांग करेंगे।'

कांग्रेस ने भाजपा के साथ की साठगांठ : आतिशी

सुश्री आतिशी ने भी कांग्रेस पर भाजपा के साथ की साठगांठ करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची कांग्रेस के कार्यालय में नहीं, बल्कि भाजपा के कार्यालय में बनी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग केजरीवाल पर तो देशद्रोह का आरोप मढ़ रहे है पर, 'कांग्रेस ने आज तक भाजपा के किसी भी नेता पर देशद्रोह का आरोप नहीं लगाया। कांग्रेस नेताओं ने मेरे और केजरीवाल जी के खिलाफ प्राथमिकी कराई, लेकिन भाजपा के खिलाफ आज तक कोई शिकायत नहीं की।' उन्होंने कहा, 'दिल्ली चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों की फंडिंग भाजपा द्वारा की जा रही है।'

17 बच्चे को मिला प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक समारोह में 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए सात श्रेणियों में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किये।

सम्मानित होने वालों में सात लड़के और 10 लड़कियां हैं। राष्ट्रपति ने इन्हें एक पदक, प्रमाण पत्र और एक प्रशस्ति पत्र पुस्तिका देकर सम्मानित किया। आज के समारोह में सबसे कम आयु के पुरस्कार विजेता कोलकाता में रहने वाले मास्टर अनीश सरकार उस आयु वर्ग में हैं, जब बच्चे प्ले स्कूल और नर्सरी कक्षा में होते हैं। मास्टर अनीश विश्व में सबसे कम

उम्र में विश्व रैंकिंग पाने वाले शतरंज खिलाड़ी बन गए हैं।

पंद्रह साल की बेटी हेमबती नाग के माता-पिता का स्वर्गवास हो चुका है। वह छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र से आती हैं। तमाम चुनौतियों के बीच अपने धीरज, साहस और कौशल के बल पर हेमबती ने जूडो में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और कहा कि पूरे देश और समाज को उन पर गर्व है। उन्होंने बच्चों से कहा कि उन्होंने असाधारण काम किया है, अद्भुत उपलब्धियां हासिल की हैं, उनमें असीम क्षमताएं हैं और अतुलनीय गुण हैं। उन्होंने देश के बच्चों के लिए एक मिसाल कायम की है।

लोकसभा चुनाव 2024 > भारत निर्वाचन आयोग ने जारी की रिपोर्ट

64.64 करोड़ मतदाताओं ने वोट डालकर बनाया विश्व रिकार्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। इस साल सम्पन्न हुए लोकसभा चुनाव में 64.64 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग करके विश्व रिकॉर्ड बनाया। 2024 में दाखिल नामांकनों की संख्या 12,459 थी जबकि 2019 में यह संख्या 11,692 थी। इसी तरह 2019 में जहां 8,054 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा वहीं 2024 में कुल 8,360 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। यह जानकारी भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 पर जारी रिपोर्ट में दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस चुनाव में महिला मतदाताओं ने अपनी उपस्थिति और भागीदारी से लोकतंत्र को नई ऊंचाई दी, जो महिलाओं के मताधिकार के नए मानक का संकेत है। महिला मतदाताओं का मतदान औसत 65.78 प्रतिशत रहा जबकि पुरुष मतदाताओं का यह औसत 65.55 प्रतिशत था। महिला उम्मीदवारों की संख्या 800 थी जबकि 2019 में यह संख्या 726 थी। 2019 की तुलना में थर्ड-जेंडर मतदाताओं में 46.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2024 में जहां 90,28,696 पंजीकृत दिव्यांग मतदाता रहे वहीं 2019 में यह संख्या 61,67,482 थी। वर्ष 2019 में 540 मतदान केंद्रों की तुलना में वर्ष 2024 में केवल 40 मतदान केंद्रों पर

- महिलाओं और दिव्यांग ने भी बनाया नया रिकॉर्ड
- थर्ड-जेंडर मतदाताओं में 46.4 फीसदी का इजाफा

पुनर्मतदान हुआ।

दरअसल, भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 पर 42 सांख्यिकीय रिपोर्ट और एक साथ कराए गए चार राज्य विधानसभा चुनावों पर 14-14 रिपोर्टें जारी की हैं। आयोग का कहना है कि ये लगभग 100 सांख्यिकीय रिपोर्ट गहन विश्लेषण और नीतिगत अंतर्दृष्टि के लिए दुनिया भर के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और चुनाव पर्यवेक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण खजाने की तरह होंगी।

आयोग के अनुसार इस रिपोर्ट में उपलब्ध डेटा सेट संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों और राज्यवार मतदाताओं, मतदान केंद्रों की संख्या, राज्य तथा संसदीय निर्वाचन क्षेत्रवार मतदाता मतदान, पार्टी के आधार पर वोट शेयर, लिंग आधारित मतदान व्यवहार, महिला मतदाताओं की राज्यवार भागीदारी, क्षेत्रीय विविधताएं, निर्वाचन क्षेत्र डेटा सारांश रिपोर्ट, राष्ट्रीय पार्टियों, राज्य स्तरीय पार्टियों, पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (आरयूपीपी) का प्रदर्शन, जीतने वाले उम्मीदवारों का विश्लेषण, निर्वाचन क्षेत्रवार विस्तृत परिणाम और बहुत कुछ का विवरण प्रदान करते हैं।

यह विस्तृत डेटा सेट हितधारकों को भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर पहले से उपलब्ध पिछले चुनावों के डेटा सेट से तुलना के साथ बारीक स्तर के विश्लेषण के लिए डेटा को काटने-छांटने का अधिकार देता है। आयोग का कहना है कि ये रिपोर्ट चुनावी और राजनीतिक परिदृश्य में दीर्घकालिक दृष्टिकोण और बदलावों को ट्रैक करने के लिए समय-श्रृंखला विश्लेषण की सुविधा प्रदान करेगी।

नेतरहाट स्कूल का प्रशासी पदाधिकारी 50 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

संवाददाता

लातेहार। नेतरहाट आवासीय विद्यालय के प्रशासी पदाधिकारी रौशन कुमार बक्सी को पलामू एसीबी की टीम ने 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित के जरिये विद्यालय में दूध आपूर्ति करने वाले विक्रेता से बिल भुगतान के बदले रिश्वत ली जा रही थी। पलामू एसीबी के एसपी अंजनी अंजन ने इसकी पुष्टि की है।

मिली जानकारी के अनुसार सूचक ने पलामू एसीबी की टीम को सूचना दिया था कि नेतरहाट आवासीय विद्यालय में प्रशासी पदाधिकारी के जरिये दूध के पैसे भुगतान के लिए रिश्वत मांगी जा रही है। सूचना मिलने के बाद एसीबी की टीम ने एसपी अंजनी

अंजन के निर्देश पर मामले की अपने स्तर से जांच पड़ताल की। जांच में जब यह स्पष्ट हो गया कि आरोपित के जरिये रिश्वत मांगी जा रही है तो एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार करने की योजना बनाई। गुरुवार को पुलिस ने सूचक को पैसे देकर प्रशासी पदाधिकारी के पास भेजा। आरोपित ने सूचक को अपने घर बुला लिया और उससे रिश्वत के पैसे लेने लगा। इसी दौरान एसीबी की टीम वहां पहुंची और रिश्वत लेते आरोपित को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 27 दिसंबर 2024

राजधानी

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

मरांडी ने शहीद उधम सिंह की जयंती पर किया नमन

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले महान क्रांतिकारी और अमर शहीद सरदार उधम सिंह की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन किया है। मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर अमर शहीद सरदार उधम सिंह की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया है।

भाकपा ने राज्य कार्यालय में मनाया स्थापना दिवस

रांची। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (भाकपा) के 100 वर्ष पूरे होने पर गुरुवार को राज्य कार्यालय में उल्लास और नए संकल्प के साथ स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सचिव अजय कुमार सिंह ने की। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रदेश सचिव महेंद्र पाठक ने कहा कि भाकपा ने 100 साल के लंबे सफर में देश को बनाने-संवारने, किसान, मजदूर, छात्र, नौजवान के हक और अधिकार के लिए लगातार संघर्ष किया है। संघर्ष के दौरान बड़ी संख्या में पार्टी के सदस्यों ने शहादत देकर लाल झंडे के रंग को और लाल एवं गहरा कर दिया है। वर्ष 2025 संगठन और संघर्ष का वर्ष रहेगा। आने वाले दिन के लिए पार्टी पूरी तैयारी कर रही है। आरपी चौधरी ने कहा कि देश के निर्माण में पार्टी की अहम भूमिका रही है। उन्होंने 100 साल की संघर्ष गाथा को विस्तृत रूप से लोगों बताया। एटक के महासचिव अशोक यादव ने कहा कि हमारे संघर्ष का लंबा इतिहास रहा है। देश में सबसे ज्यादा शहादत देने वाली पार्टी भाकपा है। देश के मजदूर की लड़ाई लड़ते हुए अंग्रेजों से भी कई अधिकार प्राप्त किए। कार्यक्रम में किसान सभा के महासचिव पुष्कर महतो, वरीय उपाध्यक्ष भंते जैनेंद्र, अब्दुल कलाम रसीदी, आरपी चौधरी, इप्टा के श्यामल मल्लिक, पुरंदर महतो, लक्ष्मी देवी, अमित कुमार और मनोज ठाकुर शहीद के अलावा कई लोग मौजूद थे।

इलाज के लिए जवानों को मिले 38.46 लाख

रांची। पुलिस जवानों की तरह होमगार्ड जवानों को भी कल्याण कोष से इलाज के लिए राशि मिली है। झारखंड होमगार्ड के 21 जवानों को इलाज के लिए कल्याण कोष से 38.86 लाख रुपये मिले हैं। जिन जवानों को राशि मिली है, उनमें रामकुमार राय, विद्याभूषण राय, मुद्रिका साह, मनोज कुमार यादव, कन्हैया प्रसाद के पुत्र रोहित कुमार, विपिन बिहारी तिवारी, घनश्याम सिंह, दिवाकर कुमार मिश्रा, संजय कुमार बैठा, बैजनाथ महतो, बृजलेश कुमार, शाहनवाज आलम की पुत्री नफीसा रानी, राजेश्वर उपाध्याय, असीम अंसारी, इंद्रनाथ साहू,अनिल किस्कू, मो. रशीद, वीरेंद्र पांडे, सुधीर प्रजापति,विकास मुंडा और बबीता कुमारी शामिल है।

आदिवासी, ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही विकास योजनाओं में तेजी लाएं: संजय सेठ

रांची। भारत सरकार के आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला का चयन किया गया है। गुरुवार को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने नंदुरबार जिला के जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों के साथ इस कार्यक्रम की समीक्षा की। साथ ही इस दिशा में सभी अधिकारियों से काम करने को कहा। कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास सहित अन्य सरकारी परियोजनाओं की गति प्रगति की जानकारी भी ली। आदिवासी व ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही विकास योजनाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया। सरकार की सभी विकास व जनकल्याणकारी योजनाएं ससमय पूर्ण हों, अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा।

राज्यपाल ने डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी को बधाई दी

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को राज भवन में डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी, राज्यपाल के प्रधान सचिव को राज्य के अपर मुख्य सचिव के पद पर पदोन्नति होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने कहा कि डॉ. कुलकर्णी के प्रशासनिक अनुभव और कार्यकुशलता का लाभ राज्यवासियों को अवश्य मिलेगा।

सीएम से लेफ्टिनेंट जनरल वाईएस ने की मुलाकात

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में लेफ्टिनेंट जनरल वाईएस अहलावत, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम, जीओसी-17 कोर एवं मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर, वीएसएम, जीओसी-23 इन्फैंट्री डिवीजन ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री के साथ उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

सफला एकादशी पर बाबा श्याम का हुआ भव्य श्रृंगार

रांची। श्रीश्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड स्थित श्रीश्याम मंदिर में सफला एकादशी के मौके पर प्रातः प्रातः 5 बजे मंदिर के पट खोलकर मंगला आरती करके बाल भोग लगाया गया। एकादशी प्रातः कालीन श्रृंगार करके श्रृंगार आरती, भोग अर्पित किया गया। सायंकालीन विशेष बाबा श्याम व अन्य मंदिर में विराजमान देवी-देवताओ का श्रृंगार किया गया। इसके बाद सायं 4.30 बजे गर्भगृहो के कपाट खुलते ही भक्तजनो का सैलाब दर्शन हेतु उमड़ पड़ा। रात्रि 9.30 बजे से मीना- गौरीशंकर सरावगी परीवार की ओर से खाटूनरेश की दिव्य पावन अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित करके केशरिया पेड़ा, केशरिया रबड़ी, फल पंचमेवा, नारियल, मगही पान का भोग अर्पित कर खाटूनरेश के दरबार में मत्था टेका खुशहाली की प्रार्थना की। अनिल नारनोली ने पूजन -अनुष्ठान करवाया। यह जानकारी मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने दी।

खादी मेला में कविताओं की गूंज

रांची। मोराबादी मैदान में लगे राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25 में कवि सम्मेलन में कविताओं की गूंज सुन झूम उठे श्रोतागण । लोकगीत गायक सदानंद यादव के गीत 'जन्म दे दो विधाता झारखंड पुष्पा सहाय की कविता साइकिल से जाना है गांव रे और मनीषा सहाय 'सुमन'की इन आंखों में बचपन की कुछ याद पुरानी रहने दो ने सभी के मन को छू लिया। सूरज श्रीवास्तव डफली वाले कवि ने अभी उम्मीद कायम है और 'ये माटी झारखंड की' पर श्रोता झूम उठे । करूणा सिंह कल्पना ने पग पग साथ, चली थी और खुशबू बरनवाल 'सीपी' ने कुहासा अब नहीं है तो, खिला है धूप अंदाजन, सुन सभी भाव विभोर हो उठे। सभी को मेला अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। दर्शकों का उत्साह देखते बन रहा था।

राजधानी रांची में आयोजित होनेवाली मंईयां सम्मान कार्यक्रम स्थल का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

तैयारियां समय से पूरा कराने का संबंधित अधिकारियों को दिये निर्देश

- मंईयां सम्मान की चौथी किस्त जारी करेंगे मुख्यमंत्री हेमंत
- लगभग चार लाख महिलाओं के शामिल होने की उम्मीद

वरीय संवाददाता

रांची। राजधानी के नामकुम के कुटियाती चौक स्थित आर्मी मैदान में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। इसे लेकर गुरुवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने जिला प्रशासन के पदाधिकारियों के साथ राज्यस्तरीय कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। इस दौरान आवश्यक तैयारी का निरीक्षण करते हुए संबंधित सभी अधिकारियों को सभी तैयारी समय से पूरा कराने का निर्देश दिया। डीसी ने कार्यक्रम वाले दिन आवागमन के बेहतर इंतजाम कराने का निर्देश दिया, ताकि किसी प्रकार आवागमन कि समस्या ना हो।

इस कार्यक्रम में लगभग चार लाख महिलाओं के शामिल होने की उम्मीद है। मौके पर एसडीओ उत्कर्ष कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर राजेश्वर नाथ आलोक, सिटी एसपी राजकुमार मेहता समेत जिला प्रशासन के पदाधिकारी मौजूद थे। शनिवार 28 दिसंबर को आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री राज्य की महिलाओं को मंईयां सम्मान की चौथी किस्त और 2500 की पहली किस्त देंगे। जानकारी के अनुसार, लगभग 3.5 लाख महिलाओं के खाते में 28 दिसंबर को 2500 रुपए मंईयां सम्मान की राशि भेजी जाएगी। उपायुक्त ने लाभुकों के आवागमन, उनके बैठने, खाने-पीने, शौचालय, पार्किंग आदि व्यवस्था की जानकारी लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए तैयारी सुनिश्चित करें ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो।

फोर्स और मजिस्ट्रेट की तैनाती, वाहनों के लिए रुट चार्ट निर्धारित

कार्यक्रम संचालन में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न ना हो और विधि व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रहे इसके लिए व्यापक पैमाने पर फोर्स और मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। कार्यक्रम में लाखों लाभुक शामिल होंगे। विभिन्न जिलों से लाभुकों को लेकर आनेवाले वाहनों के रुट चार्ट निर्धारित किया गया है। जो रिंग रोड से वाया खरसीदाग कुटीयातू मोड़ से होते हुए कार्यक्रम स्थल पर रहेगा एवं वी.वी.आई.पी. एवं वी.वी.आई.पी. सदाबहार चौक नामकुम से होते हुए कार्यक्रम स्थल में पहुंचेंगे। डीसी ने लाभुकों को आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो इसका ध्यान रखते हुए चयनित पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया गया और तमाम तरह की व्यवस्थाओं को देखा गया। इस दौरान उन्होंने कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

2024 की विदाई और नये वर्ष का जश्न मनाने की तैयारियों पर जोर

संवाददाता

रांची। राजधानी में वर्ष 2024 की बिदाई और नव वर्ष 2025 के आगमन को यादागार बनाने के लिए राजधानी रांची के रिसॉर्ट्स व होटलों में खास तैयारी चल रही है। जहां ग्राहक एकदम धमाकेदार तरीके से न्यू ईयर का वेलकम व पार्टी कर सकते हैं। इसमें पुणे से विशेष डीजे, सूफी, क्लासिक व मॉडर्न सॉन्ग का जबरदस्त कोंबो देखने को मिलेगा।

इसके अलावा कई अन्य कार्यक्रम के आयोजन के साथ खाने पीने के व्यंजन, कोकटल पार्टी की व्यवस्था की गई है। जहां

नये वर्ष के जश्न के लिए राजधानी के पार्क हो रहे तैयार

रांची। नये वर्ष के जश्न के लिए राजधानी के विभीन्न पार्कों में भी विशेष तैयारियां की जा रही है। इसमें मारहावादी स्थित नगर निगम पार्क, एक्रा वर्ल्ड के अलावा नगर निगम द्वारा संचालित होने वाले कई पार्क के संचालको द्वारा भी पार्कों को रंग-बिरंगी रोशनी और कई तरह की आकर्षक साज-सज्जा कर तैयार किया जा रहा है।

अलग-अलग दर की टिकट की व्यवस्था की है।

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को लेकर तीसरे दिन निकली प्रभातफेरी

संवाददाता

रांची। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 358 वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा की ओर से निकाली जा रही प्रभातफेरी के तीसरे दिन सुबह 5.45 बजे गुरुद्वारा साहब से प्रभातफेरी निकाली गई। जो कालोनी के विभीन्न गलियों से होकर वापस गुरुद्वारा साहब पहुंचकर समाप्त हुई। प्रभात फेरी में स्त्री सत्संग सभा की बबली दुआ, गीता कटारिया, शीतल मुंजाल, मंजीत कौर,नीता मिढ़ा, रेशमा गिरधर,इंदु पपनेजा,गूंज काठपाल,बबीता पपनेजा ने जो मांगे ठाकुर अपुने ते सोइ सोइ देवै... मेरे राम राइ, तूं संता का संत तेरे,तेरे सेवक कउ भउ किछु नाही, जमु नही आवै नेरे... जैसे कई शबद गायन करते हुए कॉलोनी की गलियों को भक्तिमय कर दिया था। जगह-जगह पर पुष्प वर्षा, चाय नास्ता के साथ प्रभातफेरी का स्वागत किया गया। जहां सरदार छोटू सिंह ने निशान साहब उठाकर प्रभातफेरी की अगुवाई की। मनीष मिढ़ा ने श्रद्धालुओं के घरों के सामने कुशल क्षेम की अरदास की।

ये भक्त रहे शामिल

द्वारका दास मुंजाल,अशोक गेरा, हरगोबिंद सिंह, मोहन काठपाल, सुरेश मिढ़ा, अनूप गिरधर, विनोद सुखीजा,जीवन मिढ़ा,महेंद्र अरोड़ा, बसंत काठपाल,मोहित झंडई, राकेश गिरधर ,आशु मिढ़ा,नवीन मिढ़ा, राजेन्द्र मक्कड़, इन्दर मिढ़ा, गुलशन मिढ़ा,रौनक ग्रोवर,सूरज झंडई, ज्ञान मादन

पोत्रा, प्रवीण मुंजाल,चंदन गिरधर, बंसी मल्होत्रा,अमर मुंजाल, बिमला मिढ़ा,मीना गिरधर, मंजीत कौर, किरण अरोड़ा,ममता थरेजा, ममता सरदाना,नीतू किंगर,खुशबू मिढ़ा, अंजू काठपाल, सुषमा गिरधर, मनोहरी काठपाल समेत अन्य भक्त शामिल थे।

रक्तदान सेवा के लिए सूरज झंडई हुए सम्मानित

रांची। मां शारदे मंच द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई जी की 100वीं जयंती पर सेवा भारती केंद्र, बिरसा चौक में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया,जिसमें गुरु नानक सेवक जत्था के करण अरोड़ा को रक्तदान के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए और नियमित रक्तदान करने और प्लेटलेट्स डोनेट करने के लिए सम्मानित किया गया। मां शारदे मंच के अध्यक्ष गुरुशरण प्रताप और नीतू सिंहा ने संयुक्त रूप से करण अरोड़ा को संस्था की ओर से सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईएएस के. एल.पाण्डेय थे। इसके अलावा डॉ के. पी सिन्हा,समाजसेवी अरूण शर्मा, इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष बी एन पाण्डेय तथा गुरुनानक सेवक जत्था के सूरज झंडई मौजूद थे। करण अरोड़ा को यह सम्मान मिलने पर गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा के प्रधान द्वारका दास मुंजाल,सचिव अर्जुन देव मिढ़ा,उप प्रधान सुरेश मिढ़ा, हरविंदर सिंह बेदी,नरेश पपनेजा,प्रेम मिढ़ा, डॉ अजय छाबड़ा,नीरज गखड़,अश्विनी सुखीजा,रमेश गिरधर,गुरुनानक सेवक जत्था के सूरज झंडई,पीयूष मिढ़ा,रौनक ग्रोवर,कशिश नागपाल,सागर गिरधर,जीत सिंह,विन्नी खत्री ने हर्ष व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय खादी एवं सरस मेला में ऑर्गेनिक बास्केट के स्टॉल पर उमड़ रही भीड़

नंदिनी गिर फॉर्म्स के प्रोडक्ट्स बने आकर्षण का केंद्र

वरीय संवाददाता

रांची। राजधानी के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में आयोजित राष्ट्रीय खादी व सरस महोत्सव 2024-25 में काफी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं। मेले में लगे जैविक खेती से उत्पादित खाद्य पदार्थों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान ऑर्गेनिक बास्केट के स्टॉल पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

मेले के सातवें दिन गुरुवार को भी ऑर्गेनिक बास्केट के स्टॉल पर विजिटर्स की अच्छी खासी भीड़ देखी गई। यहां नंदिनी गिर फॉर्म्स में उत्पादित खाद्य सामग्री की विशाल रेंज उपलब्ध कराई गई है। गिर गाय के दूध और इससे बने अन्य उत्पादों (दही, पनीर,घी, पेड़ा आदि) को लोग पसंद कर रहे हैं।

इसके अलावा मोटे अनाज (मिलेट्स) के प्रति भी लोगों का आकर्षण बढ़ा है। इस संबंध में नंदिनी गिर फार्म्स की संचालिका एवं ऑर्गेनिक बास्केट की व्यवस्थापिका प्रख्यात चिकित्सक व महिला उद्यमी डॉ.मीनाक्षी सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय खादी व सरस मेला में ऑर्गेनिक बास्केट द्वारा लगाए गए स्टॉल पर प्रदर्शित किए गए जैविक उत्पादों के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है। विशेषकर नंदिनी गिर फार्म्स का जैविक उत्पाद लोगों को खूब भा रहा है। जैविक उत्पादों के उपयोग के प्रति लोगों की अभिरुचि जगी है। डॉ.श्रीमती सिंह ने कहा कि रासायनिक खाद और कीटनाशक दवाओं के अधिक उपयोग से उत्पादित अनाज,फल, सब्जियां आदि शरीर को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने स्वस्थ रहने के लिए जैविक उत्पादों का अधिक से अधिक सेवन करने की अपील की।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण ने पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाने की संभावना से किया इंकार

केंद्र खुद विमान के इंधन पर टैक्स वसूलना चाहती है

वरीय संवाददाता

रांची। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाने की संभावना से साफ इंकार कर दिया है। इस मसले पर कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव ही नहीं है। केंद्र खुद विमान के इंधन (एविएशन टरबाइन ईंधन) पर टैक्स वसूलना चाहती है। राजस्थान में हुए जीएसटी काउंसिल की बैठक में झारखंड सरकार ने इसका विरोध भी किया। उन्होंने कहा कि झारखंड को जीएसटी से कंप्सेशन भी नहीं मिल पा रहा है। हवाई जहाज के इंधन से मिलने वाला वैट राज्य का राजस्व बढ़ाने का एक स्त्रोत भी है। इस नुकसान

राज्य में पेट्रोल-डीजल पर सेस लगाकर दाम बढ़ाने की तैयारी : मरांडी

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि राज्य में पेट्रोल-डीजल के दामों में सेस लगाकर दो से तीन रुपये प्रति लीटर बढ़ोतरी की तैयारी चल रही है। मरांडी ने कहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के राजस्व बढ़ाने के निर्देश के बाद अधिकारी जनता के पॉकेट पर बोझ लादकर सरकारी खजाना भरने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन यह जनविरोधी फैसला तत्काल वापस लें। क्योंकि, इससे रोजमर्रा की चीजों में काफी महंगाई आ सकती है और आम जनजीवन पर बुरा असर पड़ेगा। मरांडी ने कहा है कि बिजली दर में बढ़ोतरी का प्रस्ताव और अब पेट्रोल डीजल के दामों में बढ़ोतरी के संकेत को देखकर जनता समझ चुकी है कि हेमंत सोरेन ने अव्यवहारिक चुनावी वादे कर उनके साथ कितना बड़ा छल किया है। उन्होंने कहा है कि राजस्व बढ़ाने के लिए छटपटाहट में लिया जा रहा सरकार का निर्णय जनता में भारी असंतोष पैदा कर रहा है। साथ ही मरांडी ने उम्मीद जताई है कि सारे जनप्रतिनिधि भी राजनीति से ऊपर उठकर आम जनजीवन पर दुष्प्रभाव डालने वाले इस निर्णय को वापस कराने की पहल करेंगे।

बैठक 68वी राष्ट्रीय स्कूली खेलो की मेजबानी को लेकर हुई उच्चस्तरीय बैठक

खेल आयोजन से जुडी सभी 17 समितियों के पदाधिकारी हुए शामिल

राज्य शिक्षा परियोजना निदेशकी शशि रंजन ने पदाधिकारियों का किया मार्दर्शन

आयोजन में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

संवाददाता

रांची। जनवरी में होने वाले 68वी राष्ट्रीय स्कूली खेलो की मेजबानी के मद्देनजर आज राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। इसमें राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग के अलावा खेल आयोजन से जुडी सभी समितियों के पदाधिकारी, खेल कोषांग से जुड़े शिक्षकों ने भाग लिया। बैठक में राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन ने पदाधिकारियों को आगामी खेल आयोजन में उनकी भूमिका के बारे में मार्गदर्शन दिया। निदेशक शशि रंजन ने पदाधिकारियों को खेल आयोजन की तैयारियों में जुट जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अब आयोजन में कुछ ही समय शेष रह गया है, ऐसे में हर पदाधिकारी की जवाबदेही तय है। सभी पदाधिकारी खेल आयोजन को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए अपने अपने स्तर से जो भी कमियां दिखे, उसे समय रहते निष्पादित करे। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे आयोजन के दौरान अवांछित हलचल एवं गतिविधियों पर सतर्कता से नजर बनाये रखे। यह सुनिश्चित करे कि विभिन्न राज्यों से टीमें अपने टीम मैनेजर और संपर्क अधिकारी के साथ रहे।

दो जनवरी को होगी अगली बैठक : 68वी राष्ट्रीय स्कूली खेलो को दृष्टिपथ रखते हुए दिनांक 2 जनवरी, 2025 को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद में खेल आयोजन से पूर्व महत्वपूर्ण व निर्णायक बैठक होगी। इस बैठक में तैयारियों को मूर्त रूप देते हुए खेल आयोजन को सफल और ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी समितियों से पदाधिकारी रांची आएंगे। बैठक में खेल आयोजन से संबंधित सभी समितियों की तैयारियों को भी परखा जायेगा।

आयोजन को लेकर बनाया गया कंट्रोल रूम

68वी राष्ट्रीय स्कूली खेल के अंतर्गत होने वाली राष्टीयस्तर की प्रतियोगिताओ और हजारो प्रतिभागियों के आवागमन को ध्यान में रखकर रांची के खेलगांव में कंट्रोल रूम बनाया गया है। यहां आयोजन समिति से जुड़े पदाधिकारी खेल आयोजन के दौरान प्रतिभागियों के आवागमन, सुरक्षा, खान पान, पोषण और स्वास्थ्य की निगरानी करेंगे। कंट्रोल रूम में 8-8 घंटे के दो शिफ्ट में पदाधिकारी व कर्मी ड्यूटी करेंगे। कंट्रोल रूम का नंबर भी सार्वजानिक किया जाएगा, जिससे असुविधा होने पर प्रतिभागी शिकायत कर सकेंगे, जिसका त्वरित निपटारा किया जाएगा। सभी समितियों के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया भी बनाई जायेगी।

तीन से शुरू हो जायेगा प्रतिभागियों का आना

खेलो में देशभर से 40 टीमें विभिन्न खेल स्पधाओं में भाग लेने के लिए रांची आएंगी। टीमों का आना तीन जनवरी से ही शुरू हो जाएगा। टीमों को मार्गदर्शित करते के लिए 40 पदाधिकारियों के कंधो पर जिम्मेदारी होगी। ये पदाधिकारी संपर्क अधिकारी बनकर इन टीमों को गंतव्यों तक पहुंचाएंगे। टीमों के रहने के लिए रांची में कई होटलो को बुक किया गया है। बालिकाओ के लिए अलग से विशेष आवासन का प्रबंध किया गया है। जहां उन्हें पूरी सुरक्षा में रखा जाएगा। प्रतिभागियों को खेल आयोजनस्थल तक लाने और ले जाने के लिए बसों की व्यवस्था की गयी है।

संक्षिप्त खबरें

10दिवसीय 21वां इस्पातांचल स्वदेशी मेला 6 से

बोकारो। स्वदेशी जागरण मंच की बैठक जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित २१ वां इस्पातांचल स्वदेशी मेला 2025 का भूमि पूजन 27 दिसंबर को पूर्वाह्न 11:30 बजे से मजदूर मैदान,सेक्टर -4,बोकारो में अनुमंडलाधिकारी, चास के करकमलों द्वारा सुनिश्चित हुआ है क विदित हो कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले वासियों की बहू प्रतिष्ठित 10 दिवसीय इस्पातांचल स्वदेशी मेला 6 जनवरी से 15 जनवरी 2025 तक यहां के सेक्टर 4 के मजदूर मैदान में लगने जा रहा है । जिसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है । स्वदेशी जागरण मंच द्वारा किया जा रहा है क इस आश्य की जानकारी देते हुए स्वदेशी जागरण मंच के मीडिया प्रभारी सुजीत कुमार ने बताया कि मैदान में स्टाल निर्माण का कार्य 27 दिसंबर को भूमि पूजन के साथ प्रारंभ हो जाएगा। सुजीत ने बताया कि अब तक लगे मेलों में से 2224 सर्वोत्तम मेला बनाने का एक प्रयास है।

सहयोगिनी कार्यकर्ताओं के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन

बोकारो। सहयोगिनी संस्था द्वारा वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्था द्वारा संचालित सामाजिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। वर्ष 2025 के प्लानिंग को लेकर के कार्यकर्ताओं ने सहमति प्रदान की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी के अध्यक्ष सुचित्रा सिंह ने कहा कि संस्था बोकारो जिले के कसमार , पेटरवार, जरीडीह, बेरमो, चास प्रखंड में विगत 24 वर्षों से सक्रिय रूप से महिलाओं बच्चों के अधिकार को लेकर के कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि गत वित्तीय वर्ष 2023- 2024 में 275000 लाभुकों के साथ कार्य किया गया। आमलोगों का विश्वास सहयोगिनी के प्रति सकारात्मक रहा है। सहयोगिनी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि संस्था ग्रामीण विकास , बाल विवाह, बाल यौन हिंसा, बाल तस्करी, आजीविका संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण,बच्चों के कुपोषण को लेकर के सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

8 जनवरी 2025 को विस्थापित सम्मेलन व वनभोज में आंदोलन का होगा शंखनाद

बेरमो/ बोकारो। बेरमो कोयलांचल के ढोरी, बी एंड के एवं कथारा क्षेत्र के विस्थापितों की बैठक गुरुवार को ढोरी रीजनल हॉस्पिटल कॉलोनी स्थित कार्यालय में पिछरी के पूर्व मुखिया छात्रधारी मिश्रा की अध्यक्षता में हुई। संचालन हेमलाल महतो ने किया। बैठक में झारखंड आंदोलनकारी सह विस्थापित नेता बेनीलाल महतो मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में 19 दिसंबर को राजा बंगला ढोरी बस्ती में हुई बैठक में 29 दिसंबर को आहुत विस्थापितों की बैठक कर आंदोलन की रणनीति बनाने की तिथि को स्थगित कर आगामी 8 जनवरी 2025 को बालू बैंकर सिंगारबेडा के निकट दामोदर नदी में नए साल के उपलक्ष पर विस्थापित सम्मेलन सह वनभोज कर आंदोलन का शंखनाद करने का निर्णय लिया गया। विस्थापित नेता बेनीलाल महतो ने कहा कि सीसीएल प्रबंधन विस्थापितों की जमीन पर जबरन कोयला उत्खनन कर रहा है। लेकिन विस्थापितों को प्रबंधन नौकरी, मुआवजा और पुनर्वास देने में तरह-तरह का बहाना कर रहा है।

डीपीएस चास बोकारो के अमन और कृशांग आर्यभट्ट गणित चैलेंज की मेधा सूची-2024 में

बोकारो। डीपीएस चास, बोकारो के दो विद्यार्थियों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए सीबीएसई द्वारा जारी आर्यभट्ट गणित चैलेंज (एजीसी)-2024 की मेधा सूची में अपना नाम दर्ज कराकर न सिर्फ विद्यालय का, बल्कि पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पटना क्षेत्र के शीर्ष 100 विद्यार्थियों की मेधा सूची में विद्यालय की नौवीं कक्षा के कृशांग तरेनिया तथा दसवीं कक्षा के अमन कुमार शामिल हैं। विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन ने दोनों सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय की निदेशिका डॉ. ने विद्यार्थियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उन्हें कड़ी मेहनत जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

असहायों को कम्बल वितरण, ठंड से राहत

बोकारो। गोमिया प्रखंड के खम्हरा पंचायत में मुखिया बंटी उरांव ने ठंड से बचाव के लिए असहाय और बुजुर्गों के बीच 150 कम्बल वितरित किए। कम्बल वितरण के इस कार्यक्रम में पंचायत के विभिन्न वार्डों में कम्बल बांटे गए। मुखिया बंटी उरांव ने कहा कि ठंड और शीतलहर से बचाव के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए कम्बल जरूरतमंदों तक पहुंचाए गए हैं। उन्होंने बताया कि ठंड के मौसम में विशेष ध्यान रखा गया है कि सबसे ज्यादा जरूरतमंदों को मदद मिले। इस अवसर पर उपमुखिया किरण देवी, वार्ड सदस्य रोज खलको, शिवचरण मुर्मू, पंचायत सचिव राधा कुमारी समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

बेरमो में विधायक समर्थकों द्वारा जबरन आवास पर कब्जा, प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की

बोकारो। बेरमो अनुमंडल के सीसीएल ढोरी एरिया स्थित मकोली में सीसीएल के आवंटित डी-टाइप आवास पर डुमरी विधायक जयराम महतो के समर्थकों द्वारा जबरन कब्जा किए जाने का मामला सामने आया। विधायक के समर्थकों ने रात के समय इस आवास पर कब्जा किया और प्रशासन के प्रयासों का विरोध किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ ने पुलिस, सीआईएसएफ और अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और विधायक के समर्थकों को आवास से बाहर निकालकर ताला लगा दिया।

गोविंदपुर में डीवीसी पाइप लाइन से धान की फसल को हुआ नुकसान, मुआवजे की घोषणा

बोकारो। बोकारो थर्मल के निशन हाट पुलिया से नूरी नगर तक की फटी पाइप लाइन से गोविंदपुर के रैयतों के धान के खेतों में छाई का बहाव हुआ, जिससे फसल को भारी नुकसान हुआ। इस मामले में रैयतों ने डीवीसी प्रबंधन के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी और फसल के नुकसान के मुआवजे की मांग की थी। इस संबंध में गुरुवार को तेनुघाट स्थित बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ के कार्यालय में डीवीसी प्रबंधन और रैयतों के बीच वार्ता आयोजित की गई। वार्ता के दौरान बेरमो एसडीएम ने मुआवजे की राशि की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्रति डिसमिल 96 सौ रुपये मुआवजा देने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, एक किलो धान के लिए 24 रुपये के दर से मुआवजा देने का भी निर्देश दिया गया। साथ ही, खेतों से छाई निकालने का निर्देश भी दिया गया ।

सीसीएल क्वार्टर में कब्जा को लेकर डुमरी विधायक व उनके समर्थकों, प्रबंधन व पुलिस के साथ हुई तू-तू मैं-मैं

विधायक जयराम महतो और समर्थकों पर चोरी और रंगदारी का मामला दर्ज

चंद्रिका मार्तंड

बेरमो। सीसीएल ढोरी प्रबंधन द्वारा 26 दिसंबर को डुमरी विधायक जयराम महतो सहित उनके समर्थकों पर सीसीएल का क्वार्टर पर अवैध कब्जा करने चोरी, सरकारी काम में बाधा डालने एवं रंगदारी का मामला दर्ज कराया है। इस संबंध में सुरक्षा पदाधिकारी सुरेश कुमार सिंह द्वारा चंद्रपुरा थाना में कांड संख्या 137/ 2024 भादवि की धारा 191 (2)/190) 223/ 126 (2)/ 115 (2)/ 333/ 303 (2)/ 132/ 308/ 352/ 351 (2) दर्ज कराया है। उल्लेखनीय है कि बेरमो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सीसीएल ढोरी एरिया के सेंट्रल कॉलोनी मकोली में सीसीएल क्वार्टर संख्या डी-2 में बुधवार की शाम डुमरी विधायक जयराम महतो के समर्थक घुस गये। जिसे सीसीएल एरिया सुरक्षा पदाधिकारी सुरेश कुमार सिंह सुरक्षा जवानों के साथ पहुंचे। उन्होंने क्वार्टर पर अवैध कब्जा बताते हुए खाली करने को कहा। जब विधायक के समर्थक क्वार्टर को खाली करने के लिए रात में तैयार नहीं हुए तो इसकी सूचना एरिया सुरक्षा पदाधिकारी सुरेश कुमार सिंह ने चंद्रपुरा थाना को दी। इसके बाद चंद्रपुरा थाना और सीआईएसएफ के जवान पहुंचे। इसके बाद उनके समर्थकों के साथ मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया।

इसके बाद भी विधायक समर्थक क्वार्टर को खाली करने के लिए तैयार नहीं हुए। तब बेरमो थाना, मकोली ओपी, नावाडीह थाना के थाना प्रभारी दलबल के साथ पहुंचकर क्वार्टर को कब्जा मुक्त कराने का प्रयास किया। जयराम महतो समर्थक सीसीएल में कब्जा हुए क्वार्टर को कब्जा मुक्त करने की मांग करने लगे। इसके बाद समर्थकों ने इसकी सूचना डुमरी विधायक जयराम महतो को दी। तब देर रात लगभग 2 बजे विधायक जयराम महतो सेंट्रल कॉलोनी मकोली पहुंचे। जहां मौजूद प्रबंधन और विभिन्न थाना के थाना

प्रभारियों के साथ विधायक की काफी तू-तू मैं-मैं हुई। विधायक के डटे रहने पर प्रबंधन और पुलिस जवान वहां से चले गये। फिर अहले सुबह लगभग 3:30 बजे विधायक श्री महतो भी चले गये। इस दौरान विधायक के समर्थक क्वार्टर व उसके आसपास में ही ड्यूटी में रहे। गुरुवार की सुबह फिर से विधायक के समर्थकों का जुटना शुरू हुआ। शाम लगभग 4 बजे काफी संख्या में विधायक के समर्थक पहुंच गये। साथ ही बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ के नेतृत्व में विभिन्न प्रखंडों के बीडीओ, सीओ और विभिन्न थाना के थाना प्रभारी व पुलिस क्वार्टर को कब्जा मुक्त कराने के लिए पहुंच गये। जहां क्वार्टर में तैनात विधायक के पुरुष, महिला समर्थकों के बीच नोकझोंक हुई। पुनः महिला जवानों के साथ उनके समर्थक महिलाओं को हटवाया गया।

इसके बाद क्वार्टर में ताला लगाया गया। ताला लगाए जाने के बाद मुख्य दरवाजा को तोड़ दिया गया। इस दौरान विधायक के समर्थकों ने प्रशासन पर मुख्य गेट को तोड़ने और महिलाओं के साथ लाठी चार्ज करने का आरोप लगाया। इस बीच काफी हो हंगामा भी हुआ। फिर बेरमो एसडीएम वापस लौट गये। इस बीच कई थाना के थाना प्रभारी और जवान घटनास्थल पर ही डटे हुए थे। तब फिर विधायक श्री महतो सेंट्रल कॉलोनी क्वार्टर पहुंचे। यहां तैनात जवानों को प्रशासन ने वापस चपरी गेस्ट हाउस बुला लिया। इसके बाद एसडीएम मुकेश मछुआ, ढोरी जीएम रंजय कुमार सिन्हा, विभिन्न प्रखंड के बीडीओ, सीओ, विभिन्न थाना के इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी के साथ वार्ता के लिए सेंट्रल कॉलोनी क्वार्टर पहुंचे। जहां समाचार लिखे जाने तक विधायक के साथ प्रशासन प्रबंधन के बीच वार्ता जारी थी।

क्वार्टर को तीन खनन पदाधिकारी के नाम से किया गया था आवंटित

सीसीएल ढोरी एरिया प्रबंधक कार्मिक कुमारी माला द्वारा क्वार्टर संख्या डी-2 को 19 दिसंबर को ढोरी खास परियोजना में कार्यरत प्रशिक्षु खनन पदाधिकारी विनय शर्मा, राहुल राज, प्रदुमन कुमार के नाम से अलॉटमेंट कर दिया गया था। क्वार्टर को 17 दिसंबर 2024 को एएडीओसीएम परियोजना के अंतर्गत पिछरी कोलियरी परियोजना पदाधिकारी दिनेश चंद्र राय के नाम से आवंटित किया गया था। क्वार्टर में परियोजना पदाधिकारी श्री राय रहते थे और सितंबर 2024 में यह सीसीएल से सेवानिवृत्त हो गये। सेवानिवृत होने पर उन्होंने उक्त क्वार्टर को प्रबंधन के पास जमा कर दिया था। प्रबंधन ने इस क्वार्टर को तीन प्रशिक्षु खनन पदाधिकारी के नाम से आवंटित कर दिया। विधायक के समर्थकों का कहना था कि क्वार्टर आवंटन के लिए ढोरी जीएम को कई आवेदन दिया गया था। इसके बाद भी उक्त क्वार्टर का अलॉटमेंट नहीं किया गया।क्वार्टर खाली था इसलिए क्वार्टर में घुस गए। जबकि सीसीएल के हजारों क्वार्टर गैर सीसीएल कर्मी जबरन कब्जा जमाये हैं। जिसे प्रबंधन खाली नहीं करवा रही है और जब विधायक आवास के लिए क्वार्टर में घुसे तो उन पर प्रबंधन की ओर से जबरन कब्जा करने का आरोप लगाया जा रहा है। जबकि यहां के विस्थापितों ने अपनी जमीन को देखकर सीसीएल को बसाने का काम किया और बाहरी लोग क्वार्टर में सुख सुविधा का लाभ ले रहे हैं। प्रबंधन गैर सीसीएल कर्मी द्वारा अवैध कब्जा किए गए हजारों क्वार्टर को कब्जा मुक्त करने का काम करे।

पार्श्वगायक मो० रफी और संगीतकार नौशाद की जयंती पर बोकारो में सजी सुरों की महफिल

संवाददाता

बोकारो। फिल्म संगीत के प्रख्यात पार्श्वगायक मो. रफी व संगीतकार नौशाद की जयंती के अवसर पर सेक्टर 12 में स्वरागिनी म्यूजिकल ग्रुप के तत्वावधान में संगीत संध्या का आयोजन किया गया। गायक अरुण पाठक, गायक व केन्द्रीय विद्यालय, नई दिल्ली के संगीत शिक्षक शशिकांत, गायक व बैंक आफ इंडिया के वरीय प्रबंधक राजेश सिन्हा, गायक रमण चौधरी, रागिनी सिन्हा अंबष्ठ, संगीत-प्रेमी नीरज सिंह व अमरनाथ झा ने पार्श्वगायक मो. रफी व संगीतकार नौशाद की तस्वीर पर पुष्पार्चन कर उन्हें नमन किया। अरुण पाठक ने कहा कि यह वर्ष मो. रफी का शताब्दी वर्ष है। 24 दिसंबर को उनकी 100वीं जयंती थी और आज संगीतकार नौशाद की जयंती है। मो. रफी ने अपनी बेमिसाल गायकी से फिल्म

संगीत को जो मुकाम दिया, उसके लिए वह सदैव आदर के साथ याद किए जाएंगे। उनकी गायकी का कोई जोड़ नहीं है। फिल्म संगीत को प्रतिष्ठा दिलाने में संगीतकार नौशाद का योगदान भी अविस्मरणीय रहेगा।

रमण चौधरी ने कहा कि मो. रफी के गाए गीत सदैव लोगों की जुबान पर रहेंगे। शशिकांत ने कहा कि संगीतकार नौशाद ने शास्त्रीय रागों पर आधारित धुनें बनाकर फिल्म संगीत को एक अलग ही मुकाम दिया। रागिनी सिन्हा अंबष्ठ ने कहा कि रफी साहब की गायकी का मुरीद हर कोई है। राजेश सिन्हा ने कहा कि रफी साहब ने हर तरह के गीतों को अपनी गायकी से कर्णप्रिय बना दिया। नीरज सिंह ने कहा कि रफी साहब के नग्में संगीत प्रेमियों के दिलों में बसे हैं। अमरनाथ झा ने कहा कि रफी साहब की आवाज और उनकी गायकी ने फिल्म संगीत को जन जन में लोकप्रिय बना दिया। इस अवसर पर कलाकारों ने मो. रफी के गाये एक से बढ़कर एक सुरीले गीतों की प्रस्तुति कर खूब वाहवाही लूटी। कार्यक्रम का आयोजन रमण चौधरी व रागिनी अंबष्ठ के संयोजन में हुआ।

संस्कृत भारती ने बोकारो में आवासीय प्रबोधन वर्ग का किया शुभारंभ

संवाददाता

बोकारो। संस्कृत भारती, झारखंड प्रांत के द्वारा गुरुवार को नारायण मिश्रा मेमोरियल अकादमी, विस्थापित नगर, चास के प्रांगण में आवासीय प्रबोधन वर्ग का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी भगीरथ शर्मा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगन्नाथ शाही एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. सुरेश पाण्डेय (प्राचार्य, सिद्धेश्वरी संस्कृत महाविद्यालय, भोजपुर, आरा, बिहार) ने संस्कृत के महत्व पर प्रकाश डाला और संस्कृत अनुरागियों का उत्साहवर्धन किया। श्री शाही ने संस्कृत के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि हम सभी दिन-रात संस्कृत ही बोलते हैं, जिसे हम हिन्दी के नाम से जानते हैं। हिन्दी में 80% शब्द संस्कृत से आते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भारत को श्रेष्ठ बनाने के लिए संस्कृत को अपनाने की बात कही थी। भगीरथ शर्मा ने संस्कृत में बोलने के लिए समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया और कहा कि बिना किसी झिझक के हमें प्रेमपूर्वक संस्कृत में बात करनी चाहिए। डॉ. सुरेश पाण्डेय ने भी संस्कृत भाषा के महत्व को समझाया और सभी से इसे अपनी दैनिक भाषा में अपनाने का आग्रह किया।

हजारी में बचपन प्ले स्कूल में ग्रैंड पेरेंट्स समारोह आयोजित

बोकारो। हजारी स्थित बचपन प्ले स्कूल में गुरुवार को ग्रैंड पेरेंट्स समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह की शुरूआत बच्चों के दादा-दादी और नाना-नानी ने दीप प्रज्वलित कर की। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए बुजुर्गों का दिल जीत लिया, खासकर उनकी लघु नाटिका ₹हैप्पी फैमिलीज₹ ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही बुजुर्गों के लिए मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यालय के निदेशक ब्रज नंदन सिंह ने इस अवसर पर परिवार, संस्कार, संयुक्त परिवार और बुजुर्गों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने पारिवारिक मूल्यों की अहमियत और फैमिली ट्री की अवधारणा के बारे में भी चर्चा की। कार्यक्रम में उपस्थित बुजुर्गों और अभिभावकों ने विद्यालय के इस प्रयास की सराहना की और इसे एक यादगार अनुभव बताया।

बोकारो में वीर बाल दिवस मनाया गया

बोकारो। बोकारो के पूज्य तपस्वी जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, सेक्टर-3/सी में गुरुवार को वीर बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जसबीर सिंह सलूजा ने शिरकत की और इस अवसर पर सिख समुदाय के साहस और बलिदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वीर बाल दिवस सिखों द्वारा अपने धर्म की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने के संघर्ष की याद में मनाया जाता है। सलूजा ने बताया कि सिखों ने कभी मुगलों के सामने सिर नहीं झुकाया और धर्म की रक्षा में अपने छोटे-छोटे बच्चों तक को बलिदान दे दिया।कार्यक्रम में विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य विनय कुमार पांडेय ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बच्चों को वीरता और त्याग की भावना को आत्मसात करने की प्रेरणा दी।

बोकारो ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता में भर्रा एकादश की हुई जीत

संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट की मेजबानी में आयोजित सत्र 2024-25 की बोकारो ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब भर्रा बस्ती की भर्रा एकादश टीम ने जीत लिया है। 26 दिसंबर को आयोजित फाइनल मुकाबले में भर्रा एकादश ने झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस (जेजीओएम) की टीम को पेनल्टी शूटआउट में 03-02 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। समापन समारोह में बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह में अधिशासी निदेशक-प्रभारी (मानव संसाधन) राजन प्रसाद, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, बोकारो जनरल हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ. बी बी करुणामय, मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी) लक्ष्मी दास, महाप्रबंधक (जन स्वास्थ्य) ए के अविनाश, सहायक महाप्रबंधक (एस एंड सीए) सुभाष रजक, वरीय प्रबंधक (सीएसआर) नीरज कुमार त्रिपाठी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

सीबीएसई आर्यभट्ट गणित चैलेंज में डीपीएस बोकारो के तीन विद्यार्थियों ने मारी बाजी

संवाददाता

बोकारो। डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल), बोकारो के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपने विद्यालय और शहर का नाम गौरवान्वित किया है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) की ओर से आयोजित आर्यभट्ट गणित चैलेंज 2024 में विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने शानदार सफलता प्राप्त की है। इनमें कक्षा 10 के छात्र कुणाल आनंद, आयुष लच्छीरामका और शीर्ष क्रेजिया के नाम शामिल हैं। इन तीनों ही बच्चों ने सीबीएसई पटना क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ 100 विद्यार्थियों की मेधाविता सूची (मेरिट लिस्ट) में अपनी जगह पक्की करने में कामयाबी पाई है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने सोमवार को तीनों ही सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

उल्लेखनीय है कि सीबीएसई कक्षा आठवीं से 10वीं के छात्रों के लिए आर्यभट्ट गणित चैलेंज (एजीसी) आयोजित करता है। इसका उद्देश्य बच्चों की गणितीय सक्षमता का आकलन कर उन्हें गणित को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना है। दो चरणों में होनेवाली इस चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता के फर्स्ट लेवल में पंजीकृत प्रत्येक संबद्ध स्कूल से केवल अधिकतम शीर्ष तीन छात्र ही लेवल-2 प्रतियोगिता के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं। प्रथम चरण में सफल हुए प्रतिभागी ही दूसरे स्तर के लिए क्वालीफाई कर पाते हैं। कंप्यूटर-परीक्षण के सफल समापन के बाद प्रत्येक सीबीएसई क्षेत्र के शीर्ष 100 छात्रों को मेरिट प्रमाण पत्र दिए जाते हैं।

समारोह जारंगडीह बनासो में कांग्रेस का वनभोज सह मिलन समारोह सम्पन्न

गांव, टोला व मुहल्ला के विकास के लिए कार्यकर्ता करें काम : विधायक

संवाददाता

जारंगडीह/ बोकारो। विधानसभा चुनाव के बाद समीक्षा बैठक सहित अन्य समस्याओ को लेकर गुरुवार को जारंगडीह स्थित बनासो मंदिर प्रांगण मे कांग्रेस बेरमो कमेटी व फुसरो नगर परिषद का संयुक्त वनभोज सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रुप मे उपस्थित बेरमो विधायक सह राज्य के मुख्य सचेतक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने सर्वप्रथम भारत रत्न महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए

कहा कि राज्य के मुखिया हेमंत सोरेन के विकास योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना सभी महागठबंधन के साथियो का कर्तव्य है। लोगों ने विकास को देखते हुए बेरमो में विधायक चुनने का कार्य किया है आगे भी सभी कार्यकर्ताओं का कर्तव्य है कि जहां जहां विकास कार्य नहीं हो पाया है वहां विकास कराएं। कहा कि मेरे पिताजी का संस्कार है उसका हम पालन कर रहे हैं। मै तथा मेरे पिता ने कभी भी जात पात की राजनीति नहीं की और मैं भी नहीं करूंगा। इसी तरह चलता रहा तो एक दिन झारखंड से बेरोजगारी दूर होंगी। आगे उन्होंने क्रिसमस, नववर्ष व मकरसंक्रांति की शुभकामना देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से भाईचारा बढ़ती है।

समारोह के बाद उपस्थित लोगों ने वनभोज का आनंद लिया। मौके पर बेरमो प्रखंड अध्यक्ष, छेदी नोनिया पूर्व अध्यक्ष फुसरो नगर परिषद राकेश सिंह, महेंद्र विश्वकर्मा, विल्सन फ्रांसिस, ललन सिंह, शिवनंदन चौहान, गणेश मल्लाह, , मिथिलेश तिवारी, प्रमोद कुमार सिंह, प्रभु दयाल सिंह, हरेंद्र सिंह, मुरारी सिंह, रंजीत महतो, दीपक महतो, भोलू खान, मदन मोहन अग्रवाल, वीरेंद्र सिंह, श्यामल कुमार सरकार, कृष्ण कुमार चांडक, परवेज अख्तर, पम्मी सिंह, रेहाना खातून, सुनीता सिंह, अंजनी त्रिपाठी, गीता देवी आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित जबकि पुलिस प्रशासन की ओर से बोकारो थर्मल के थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार सिंह कथारा ओपी के राजेश कुमार प्रजापति गांधीनगर के पिंटू कुमार महथा सहित पुलिस बल उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 27 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

सदर अस्पताल में इलाज के लिए लंबी प्रक्रिया और इंतजार की समस्या

चतरा। सदर अस्पताल में इलाज कराना अब पहले से अधिक कठिन हो गया है। पहले मरीज सीधे पर्ची काउंटर पर जाकर अपना नाम और पता लिखवाकर पर्ची बना लेते थे, लेकिन अब इलाज के लिए मरीज को पहले ऑनलाइन पंजीकरण करना पड़ता है, इसके बाद पर्ची काउंटर पर जाकर पर्ची बनानी होती है। इसके बावजूद, पर्ची बनने के बाद भी लंबी कतारों का सामना करना पड़ता है। गुरुवार को नमन बुद्धा बोर्डिंग स्कूल के प्रचार्य सचिन्द्र पासवान अपने विद्यालय के दो छात्रों का इलाज कराने सदर अस्पताल पहुंचे थे, जहां उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा। उन्होंने अस्पताल की धीमी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि इलाज की प्रक्रिया को सुधारने की आवश्यकता है, लेकिन इसके साथ-साथ व्यवस्थाओं में सुधार की भी जरूरत है। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक मनीष लाल ने बताया कि सरकार के निदेर्शानुसार अब स्कैनिंग के माध्यम से नंबर लगाया जा रहा है, लेकिन लोगों को इस नई प्रक्रिया के बारे में जानकारी नहीं है, जिससे परेशानी हो रही है। उन्होंने आशा जताई कि जब लोगों को इसकी पूरी जानकारी हो जाएगी, तो मोबाइल के माध्यम से भी स्कैनिंग की प्रक्रिया की जा सकेगी और लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी।

मैट्रिक 2005 बैच के सहपाठियों ने मनाई मिलन समारोह, उठाया वनभोज का लुत्फ

चतरा। प्लस टू गंगा स्मारक उच्च विद्यालय के मैट्रिक 2005 बैच के पूर्व छात्रों ने प्रखंड मुख्यालय स्थित बड़की नदी के किनारे एक शानदार मिलन समारोह आयोजित किया। इस आयोजन में कई पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया और पुराने दिनों को याद करते हुए एक-दूसरे से मिलकर खुशियाँ मनाईं। कार्यक्रम के दौरान डीजे साउंड पर जमकर ठुमके लगाए गए और सभी ने नए साल 2025 की अग्रिम शुभकामनाएँ दी। मिलन समारोह के बाद सभी ने मिलकर वन भोज का आनंद लिया, जिसमें स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया गया। इस कार्यक्रम में संतोष कुमार निराला, मनोज कुमार वर्मा, प्रदीप कुमार मौर्या, उमेश कुमार, पवन कुमार, अजय कुमार, सुबोध कुमार, पंकज कुमार, जीतू कुमार, उपेंद्र कुमार, गोतम कुमार, कैलाश कुमार सहित दर्जनों अन्य पूर्व विद्यार्थी उपस्थित थे। इस आयोजन ने सभी को एकजुट किया और एक बार फिर से पुराने दिनों की याद दिलाई।

'बूढ़े बुजुर्ग सुरक्षित नहीं', चतरा पुलिस पर गंभीर आरोप

चतरा। श्री नगर तपेज में कल रात एक वृद्ध व्यक्ति के साथ घिनौनी मारपीट की घटना घटी, जिसने चतरा पुलिस और स्थानीय नेताओं के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप के अनुसार, बब्लू यादव उर्फ बब्लू अहीर और उनके अन्य साथी वीरेंद्र यादव, मुकेश यादव, श्याम सुंदर यादव, और सुदेश यादव ने वृद्ध को न केवल मारपीट की, बल्कि उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद इन आरोपियों ने वृद्ध के घर में जबरन घुसकर तोड़फोड़ की और उसे डराया धमकाया। बब्लू यादव ने दावा किया कि उसके पास इतना पैसा है कि वह सांसद, विधायक, और चतरा पुलिस को खरीद सकता है और जब चाहे उनका स्थान परिवर्तन करा सकता है। इसके बाद, आरोपियों ने पीड़ित को धमकी दी कि यदि वह किसी भी पुलिस अधिकारी या नेता के पास मदद के लिए जाता है, तो उसके बच्चों को किडनैप कर लिया जाएगा और पूरे परिवार को शाम होते ही गोली मार दी जाएगी। पीड़ित ने बताया कि उसके पास मोबाइल नहीं था, जिससे वह आरोपियों की धमकी का वीडियो रिकॉर्ड नहीं कर सका, लेकिन उसने इस घटना को संज्ञान में लेने की अपील की है ताकि श्री श्री नगर तपेज में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके। यह घटना स्थानीय पुलिस के प्रति गंभीर सवाल उठाती है, क्योंकि आरोपियों का दावा है कि वे पुलिस और नेताओं को पैसे से नियंत्रित कर सकते हैं। इस पर अधिकारियों से त्वरित कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है, ताकि आरोपी कानून के दायरे में आ सकें।

मंत्री की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक संपन्न

विभिन्न योजनाओं की लक्ष्य अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

संवाददाता

गिरिडीह। नया परिसदन भवन में मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग और पंचायती राज विभाग, दीपिका पांडे सिंह की अध्यक्षता में विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान मौके पर उप विकास आयुक्त, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, जिला परिषद, गिरिडीह, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, एनआरईपी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, डीपीएम, जेएसएलपीएस, सभी प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा, सभी प्रखण्ड समन्वयक,

आवास योजना, गिरिडीह जिला समेत अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

मंत्री ने ग्रामीण विकास विभाग व पंचायती राज विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली तथा उक्त योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने उप विकास आयुक्त से बारी-बारी से सभी बिंदुओं पर विचार विमर्श किया तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करने की बात कहीं। इस दौरान उन्होंने मनरेगा, अबुआ आवास योजना तथा झारखंड मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना समेत कई योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही उन्होंने कहा कि प्राथमिकता के साथ ग्रामीण विकास विभाग व पंचायती राज विभाग के तहत संचालित योजनाओं का लाभ स-समय लाभुकों मिलें, यह करें सुनिश्चित।

इसके अलावा दिनांक 28 तारीख को माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार द्वारा आयोजित झारखंड मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना कार्यक्रम में लाभुकों की संख्या को लेकर सभी संबंधित प्रखंड को जरूरी निर्देश दिए गये। साथ ही मनरेगा और अबुआ आवास योजनाओं के लक्ष्य को पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए।

लावालौंग पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

संवाददाता

लावालौंग/ चतरा। लावालौंग पुलिस ने गुरुवार को थाना रोड पर एंटी क्राइम और सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान की अगुवाई एएसआई शैलेश कुमार ने की। चेकिंग के दौरान पुलिस ने थाना रोड से आने-जाने वाले वाहनों को रोककर उनकी सुरक्षा जांच की। इस दौरान वाहन चालकों से उनके आवश्यक कागजात की जांच की गई, साथ ही उनकी डिकी (बूट) भी खोली गई और उसमें अवैध सामग्री के लिए जांच की गई। पुलिस ने बाइक चालकों को हेलमेट पहनने के लिए चेतावनी दी और बिना हेलमेट के सड़क पर वाहन चलाने पर कड़ी कार्रवाई की बात कही। थाना प्रभारी ने वाहन चालकों से अपील की कि वे अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें और सड़क पर सुरक्षा नियमों का पालन करें। पुलिस ने बताया कि यह चेकिंग अभियान नियमित रूप से चलाया जाएगा और बिना हेलमेट के बाइक चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी मामले पर पारदर्शिता की मांग : छात्र नेता कुमार शानू

संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड राज्य के 24 साल पूरे होने के अवसर पर छात्र नेता कुमार शानू ने प्रेस वार्ता में राज्य में व्याप्त राजनीतिक, शैक्षणिक और रोजगार से जुड़ी अस्थिरता पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि झारखंड की स्थापना के समय जिन उद्देश्यों को लेकर आंदोलन किए गए थे, उनमें से अधिकांश आज भी अधूरे हैं। राज्य के युवा वर्षों से रोजगार पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार द्वारा बार-बार परीक्षाएं रद्द करने से उनकी उम्मीदों को करारा झटका लगता है।

कुमार शानू ने हाल ही में हुई सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी के मुद्दे पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि छात्रों ने शांति पूर्वक तरीके से अपनी शिकायतों को उठाया था, लेकिन प्रशासन ने जिस तरह से विरोध कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया, वह अत्यंत निंदनीय है।

शानू ने इसे झारखंड की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और छात्रों के अधिकारों का उल्लंघन बताया। शानू ने सरकार से यह अपील की कि वह सीजीएल परीक्षा परिणाम पर हुई गड़बड़ी की निष्पक्ष जांच

के लिए एक एसआईटी टीम का गठन करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि झारखंड की स्थापना के लिए संघर्ष करने वाले वीर शहीदों के वंशज, जो आज झारखंडी छात्र कहलाते हैं, अपनी आवाज उठाने पर मजबूर हैं, उन्हें पुलिस द्वारा लाठीचार्ज का सामना करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों का विरोध शांतिपूर्ण था और प्रशासन को इस प्रकार की कार्रवाई से बचना चाहिए था।

शानू ने राज्य सरकार से यह मांग की कि वह इस विवाद को सुलझाने के लिए तत्परता से कदम उठाए और छात्रों को अपनी आवाज उठाने से रोके नहीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार छात्रों के अधिकारों का सम्मान करेगी और झारखंड के भविष्य को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाएगी।

90 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम सह आउटरीच कैंपेन जारी

संवाददाता

गिरिडीह। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह द्वारा माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली और झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष श्री अरविंद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में 90 दिवसीय जागरूकता सह आउटरीच कैंपेन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को विधिक सहायता और उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना है। 26 दिसंबर 2024 को जिला विधिक सेवा प्राधिकार की टीम द्वारा सदर अस्पताल गिरिडीह और गिरिडीह प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में डोर टू डोर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों को निशुल्क विधिक सहायता, मुफ्त अधिवक्ता उपलब्ध कराने और पीड़ित अनुदान योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही, श्रम विभाग द्वारा मजदूरों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी बताया गया। इस दौरान, एक भवन में काम कर रहे मजदूरों को विशेष रूप से श्रम विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया और उनके निबंध के लिए एक कैंप आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस कैंप का उद्देश्य उन मजदूरों का निबंध करना है ताकि वे श्रम विभाग की योजनाओं का लाभ उठा सकें।

वीर बाल दिवस के अवसर पर बौद्धिक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

चतरा। भाजपा चतरा जिला कार्यालय में वीर बाल दिवस के अवसर पर एक भव्य बौद्धिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दिन का आयोजन सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों, जोरावर सिंह और फतेह सिंह की शहादत के सम्मान में किया जाता है। दोनों साहिबजादों ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के जिलाध्यक्ष रामदेव सिंह भोगता ने की। इस अवसर पर चतरा सांसद कालीचरण सिंह, चतरा विधायक जनार्दन पासवान, ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव, और अन्य प्रमुख नेताओं ने संबोधित किया और गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान और त्याग पर विस्तार से अपने विचार रखे।

संगोष्ठी में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक शर्मा, प्रदीप सिंह, सरदार सतपाल सिंह, सरदार ज्ञान सिंह, और अन्य कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित

थे।

कार्यक्रम में नेताओं ने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत का संदेश हमें हमेशा सत्य, धर्म और मानवता के पक्ष में खड़ा रहने की प्रेरणा देता है। यह कार्यक्रम न केवल सिख धर्म के अनुयायियों के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। संगोष्ठी में सैकड़ों कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

गिरिडीह में बरनवाल सेवा समिति गिरिडीह द्वारा अहिबरन जयंती सह मिलन समारोह

संवाददाता

गिरिडीह। बरनवाल सेवा समिति गिरिडीह द्वारा गुरुवार को बरनवाल सेवा सदन में अहिबरन जयंती सह परिवार मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम बरनवाल समाज के प्रमुख त्यौहारों में से एक था, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने एकजुट होकर भाग लिया। समारोह का उद्घाटन झारखंड प्रदेश अध्यक्ष लखन लाल बरनवाल, महामंत्री इंद्रजीत लाल, लौह व्यवसायी जयप्रकाश लाल, डॉ. विकास लाल और डॉ. विशाल लाल ने महाराजा अहिबरन की आदमकद प्रतिमा पर दीप जलाकर और माल्यार्पण करके किया।

इसके बाद एक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बंगाल

सेवा सदन में संपन्न हुई।

इस शोभा यात्रा में बच्चे, बड़े और बुजुर्ग सभी ने उत्साह के साथ भाग लिया और नगर के प्रमुख मार्गों पर जयकारों के साथ परेड की, जिससे पूरा नगर गूंज उठा। समारोह के दौरान, चित्रांकन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए लखन लाल बरनवाल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में एकता और भाईचारे का संदेश जाता है। उन्होंने समाज को शिक्षित, संगठित और संघर्षशील बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इंद्रजीत लाल ने अपने भाषण में समाज की कुरीतियों को छोड़कर अच्छे और सशक्त नीतियों को अपनाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि तभी हम एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकते हैं। जयप्रकाश लाल ने कहा कि संगठन में ही हमारी शक्ति है और हमें मिलकर समाज के उत्थान के लिए काम करना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुबोध कुमार बरनवाल, संजय कुमार बरनवाल, राकेश रंजन, विनोद कुमार बरनवाल, प्रदीप बरनवाल, अभिलाष आनंद, आयुष राज, शंकर बरनवाल, ललिता बरनवाल, सरिता बरनवाल और सीमा बरनवाल का सराहनीय योगदान रहा।

इस अवसर पर बरनवाल समाज की एकता और सहयोग की भावना को और मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

बलबल पशु मेले का डाक 80500 रुपए की बोली लगाकर दीपेंद्र पांडेय ने किया अपने नाम

संवाददाता

गिद्धौर/ चतरा। प्रखंड के बलबल में मकरसंक्रांति के अवसर पर लगने वाले 10 दिवसीय पशु मेला का डाक गुरुवार को आयोजित किया गया। यह डाक प्रखंड कार्यालय के सभागार में हुआ, जहां प्रमुख अनीता यादव की अध्यक्षता में डाक प्रक्रिया की गई।

इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल देव ने बताया कि मेला के सरकारी डाक की निर्धारित राशि 77769 रुपए थी, लेकिन दीपेंद्र पांडेय ने 80500 रुपए की बोली लगाकर मेला का डाक अपने नाम किया। इस डाक में सिकंदर रवानी और अर्जुन यादव ने भी उत्साह के साथ भाग लिया और बोली की प्रक्रिया में हिस्सा लिया।

डाक प्रक्रिया के मौके पर अंचल अधिकारी अनंत शयनम विश्वकर्मा, सिमरिया के पूर्व विधायक जयप्रकाश सिंह भोक्ता, जिप सदस्य अनीता देवी, समाजसेवी बालेशर यादव, नागेश्वर शर्मा, सुरेश प्रसाद यादव, शशि कुमार साव, तथा कई अन्य गणमान्य ग्रामीण उपस्थित थे। इस पशु मेले का आयोजन मकरसंक्रांति के दौरान क्षेत्रीय पशुपालकों और व्यापारियों के लिए खासा महत्वपूर्ण होता है और इस साल का मेला भी विशेष रूप से चर्चित रहा।

वीर बाल दिवस पर याद किए गए साहबजादे, कार्यक्रम

संवाददाता

गिरिडीह। वीर बाल दिवस के शुभ अवसर पर जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोगी संगठन बनवासी विकास आश्रम गिरिडीह द्वारा प्रखंड गिरिडीह सदर के पंचायत भवन कार्यालय अगदोनी कला में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत के मुखिया मनोज पासी ने की। कार्यक्रम में वार्ड सदस्य पवन कुमार यादव, सेविका रिंकी देवी, बसंती देवी, स्थानीय ग्रामीण और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उरह गिरिडीह के मुकेश कुमार ने गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान

और उनके शौर्य पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार साहिबजादों ने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह चर्चा विशेष रूप से बच्चों को प्रेरित करने के लिए की गई, ताकि वे अपनी धरोहर के महत्व को समझ सकें। मुखिया मनोज पासी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज में बदलाव लाने का सबसे प्रभावी और अहम साधन है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बेटियों को शिक्षित करना और उन्हें सशक्त बनाना समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि समाज में बदलाव लाने के लिए हमें अपनी सोच और दृष्टिकोण को बदलना होगा और बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलानी होगी।कार्यक्रम में बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान बच्चों ने विभिन्न प्रस्तुतीकरण जैसे निबंध लेखन, वचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों ने वीर बाल दिवस की महत्वता को अच्छे से समझा और उसे अन्य बच्चों के साथ साझा किया। इसके बाद बच्चों को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए पुरस्कृत भी किया गया। प्रथम पुरस्कार नोमिका कुमारी को, द्वितीय पुरस्कार निशु कुमारी को और तृतीय पुरस्कार विष्णु कुमार रजक को दिया गया। कार्यक्रम में सामुदायिक कार्यकर्ता उत्तम कुमार सिंह, वार्ड सदस्य पवन कुमार, सेविका सरिता दास, बसंती देवी, और कई अन्य बच्चों जैसे शीतल कुमारी, नंदनी कुमारी, विद्या कुमारी, सोनू कुमार, आर्यन कुमार की भूमिका भी सराहनीय रही।

वहीं, अकदोणीखुर्द पंचायत भवन में भी बच्चों के साथ वीर बाल दिवस मनाया गया। इस आयोजन में पंचायत के उपमुखिया महेश कुमार, वार्ड सदस्य महादेव दास, कोपा के सहायिका शकुनी देवी और अन्य स्थानीय नेताओं ने बच्चों के साथ वीर बाल दिवस पर चर्चा की। बच्चों ने कहा कि जैसे गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों ने अपने प्राणों की आहुति दी, ठीक वैसे ही हमें भी अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए हमेशा अपने पथ पर अडिग रहना चाहिए, चाहे इसके लिए कोई भी कुबार्नी देनी पड़े।

विधिक सेवा द्वारा जागरूकता कार्यक्रम में ग्रामीणों को मिली कानून की जानकारी

संवाददाता

हंटरगंज/ चतरा। विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के द्वारा 90 दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम के तहत गुरुवार को हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के जोरीकला पंचायत अंतर्गत बीच बाजार मोहल्ला जोरी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डालसा सचिव के मार्गदर्शन में पीएलवी संदीप कुमार गुप्ता ने घर-घर जाकर ग्रामीणों को कानून की बुनियादी जानकारी दी।

उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरण से मिलने वाले लाभों का लाभ कैसे उठाया जा सकता है। साथ ही नशा उन्मूलन, साइबर क्राइम, वरिष्ठ

नागरिकों को मिलने वाली विधिक सेवाएं, मोटर दुर्घटना, साइबर फ्रॉड से बचने के उपाय, बालकों के अधिकार, बाल श्रम के खिलाफ कानूनी प्रावधान, और श्रम विभाग में बाहर काम करने के लिए निबंधन कराने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके अलावा, उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का भी विवरण दिया। इस अवसर पर हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में भी बताया गया, जिसे किसी भी कानूनी मदद के लिए संपर्क किया जा सकता है। इस जागरूकता कार्यक्रम में दर्जनों ग्रामीणों ने भाग लिया और कार्यक्रम के महत्व को समझा।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 27 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

कुख्यात प्रिंस खान के पांच गुर्गों पर एसआईटी ने शिकंजा कसा

धनबाद। वासेपुर के कुख्यात प्रिंस खान के पांच गुर्गों पर एसआईटी ने शिकंजा कसा है। पांचों को दबोचने के बाद एसआईटी झारखंड के साथ-साथ कई राज्यों में ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। पांचों को पलामू, हजारीबाग और बेरमो बोकारो थर्मल इलाके से पकड़ा गया है। राजगंज थाना में रखकर आरोपियों से बुधवार को रातभर पूछताछ की गई। धनबाद पुलिस के लिए यह बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। एसआईटी को पकड़े गए लड़कों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस की कई टीमें छापेमारी करने के लिए दूसरे राज्यों में भी गई हैं। प्रिंस के गुर्गों से कई थानेदार व वरीय पुलिस अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं।
गिरफ्तार आरोपी के पास से मिला एक लाख रुपए एसआईटी ने बोकारो थर्मल के बरवाबेड़ा रेलवे लाइन के किनारे स्थित मल्लाह टोला से बिट्टू निषाद को दबोचा। उसके पास से एक लाख रुपए जब्त करने की चर्चा है। पुलिस रोहित की तलाश कर रहा है। बिट्टू ने ही दो दिसंबर को तेतुलमारी गया पुल के पास चल रहे रेलवे के निर्माण कार्य स्थल पर फायरिंग कर ठेकेदार को प्रिंस के नाम पर धमकाया था। उसी की निशानेदही पर एसआईटी ने पलामू में छापेमारी की।इन मामलों का होगा उद्भेदन बताया जा रहा है कि एक अक्तूबर को असर्फी अस्पताल के पास पांडरपाला के न्यू इस्लामपुर में रहनेवाले जमीन कारोबारी शहाबुद्दीन सिद्दीकी की हत्या में इन्हीं लड़कों की भूमिका थी। बरवाअड्डा के कुमीर्डीह मोड़ के पास जमीन कारोबारी चेतन साव उर्फ चेतन महतो पर हुई फायरिंग, सिंदरी माशर्लिंग के अंडरपास के निकट रेल लाइन किनारे नाला निर्माण कर रही कंपनी के मुंशी प्रमोद सिन्हा पर हुई फायरिंग के अलावा धनबाद के लोगों को रंगदारी के लिए धमकी देने के मामलों का खुलासा संभव है।

होल्डिंग टैक्स बकायेदारों के खिलाफ डोर टू डोर सर्वे

कुमारधुबी। चिरकुंडा नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा ने होल्डिंग टैक्स बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। उन्होंने सभी बकायेदारों को अपनी पूर्व से लंबित बकाया राशि को शीघ्र ही पूर्णतः जमा कर देने हेतु जांच टीम का गठन किया है। जांच टीम शहर के विभिन्न वार्डों में होल्डिंग बकायेदारों के यहां नगर परिषद की टीम जिसमें नगर प्रबंधक मुकेश निरंजन, नगर प्रबंधक नजरुल इस्लाम, कनीय अभियंता व सुपरवाइजर सहित अन्य कर्मी के द्वारा डोर टू डोर दौरा किया जा रहा है। सभी बकायेदारों से अपील किया गया है कि सात दिनों के भीतर अपने बकाए होल्डिंग टैक्स नगर परिषद कार्यालय में आकर जमा करें अन्यथा उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

अब तक नहीं हुआ कम्बल वितरण

सिंदरी। अपने आप को समाजसेवी कहने वाले नेता इन दिनों कहाँ छिपे हैं, जो अपनी स्वार्थता के लिए चुनाव के नजदीक आते ही बेकार के ढोंग करने लगते हैं। कम्बल की जरूरत किसे ? यह एक बड़ा सवाल है कि आखिर कम्बल की जरूरत किसे है ? क्या असहाय, गरीब, वृद्ध और लाचार को या फिर समाजसेवी और नेता कहने वाले लोगों को। इस बढ़ती ठंड से बचने के लिए नेता जी खुद रजाई ओढ़कर आराम से सो रहे हैं, उन्हें गरीब जनता की कोई परवाह नहीं ! क्या नेता जी केवल अपना काम निकालने के लिए चुनाव के समय जनता के सामने आते हैं ? क्या यह बात जनता नहीं जानती ? चुनाव के समय अपनी स्वार्थता को साधने के लिए, ये लोग समाजसेवी बनकर हर गांव और शहर में एक-एक घर तक पहुंचकर वोट मांगते हैं। बिना मंच के झूठी भाषणों के जरिए जनता को भ्रमित करने की कोशिश करते हैं। मगर अब जनता जाग चुकी है और उन्हें समझ आ गया है कि इन नेताओं को उनके ही वोटों से सत्ता मिलती है। ठंड दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। सिदरी एक छोटा औद्योगिक शहर है, जहां एचयूआरएल, एसीसी सीमेंट कारखाना, टासरा प्रोजेक्ट, थाना और सिदरी नगर निगम बीआईटी सिंदरी कार्यालय स्थित हैं, जहां लोग रोजाना काम के सिलसिले में पहुंचते रहते हैं। साथ ही यहां से अन्य स्थानों पर जाने के लिए कई गाड़िया भी उपलब्ध रहती हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि यात्रियों, राहगीरों, और नगर निगम कार्यालय आने वाली जनता के लिए भी अलाव की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। केवल सोचनीय तथ्य यह सोचने की बात है कि गरीब और वृद्ध इस भयानक ठंड में बिना कम्बल के कैसे ठिठुर रहे हैं, जबकि समाजसेवी कहने वाले लोग खुद रजाई ओढ़कर ठंड से बचने के लिए आराम कर रहे हैं।

भाजपा कतरास मंडल ने स्वतंत्रता सेनानी उधम सिंह का शहादत दिवस मनाया

कतरास। भारतीय जनता पार्टी के कतरास कार्यालय में वीर बाल दिवस एवं स्वतंत्रता सेनानी सरदार उधम सिंह का शहादत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सूर्यदेव मिश्रा ने की। संचालन जिला उपाध्यक्ष महेश पासवान ने किया। सर्वप्रथम जोरावर सिंह एवं उनके छोटे भाई फतेह सिंह की तस्वीर पर मालार्पण एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। सरदार इंदर सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रिंस शर्मा, पार्षद विनायक गुप्ता ने विस्तार से उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रघुनाथ हजारी, विनय पासवान, एससी मोर्चा के प्रदेश कार्य समिति के सदस्य संतोष दास,वाई के पाठक, रामकुमार साहू, चुन्नू शर्मा, टुनटुन गुप्ता, रविंद्र विजन, सपन त्रिगुणाइक, डॉ मदन पासवान, सुरेंद्र छोटू साव, पिंटू रजक, बबलू मिश्रा, भागीरथ महतो, आदि दर्जनों कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे।

निर्बाध वैध उत्खनन सुनिश्चित करें टास्क फोर्स : डीडीसी

- खनन बाधित करने वालों के विरुद्ध होगी कड़ी कार्रवाई : एसएसपी
- हर महीने 2 बार स्थानीय स्तर पर बैठक करने का निर्देश

संवाददाता

धनबाद। उप विकास आयुक्त सादात अनवर की अध्यक्षता में न्यू टाउन हॉल में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि वैध उत्खनन निर्बाध रूप से चले, यह सुनिश्चित करना खनन टास्क फोर्स का काम है। उन्होंने कहा कि कोयला के अवैध खनन पर लगाम लगाना भी खनन टास्क फोर्स का दायित्व है। जिला प्रशासन, भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड एवं सीआईएसएफ के संयुक्त प्रयास से तथा ठोस रणनीति बनाकर इसके लिए काम करना है। वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने कहा कि कोयले का खनन बाधित करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि विधि व्यवस्था बिगाड़ने के लिए कई असामाजिक तत्व सक्रिय है। जिसे पुलिस ने चिह्नित कर लिया है। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों तथा स्थानीय थाना को हर महीने दो बार स्थानीय स्तर पर बीसीसीएल के साथ बैठक कर समस्या से रुबरु होने और उसका समाधान करने का निर्देश दिया। एसएसपी ने कहा कि स्थानीय स्तर पर बैठक करने से कई समस्याएं उजागर होगी। जिसका समाधान निकला जा सकेगा। बैठक में सिटी एसपी अजीत कुमार ने कहा कि अवैध खनन के विरुद्ध लगातार छापामारी अभियान जारी रखें। इसमें संलिप्त लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराएं। वहीं ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने कहा कि खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण और परिवहन के विरुद्ध छापामारी करने से पूर्व टास्क फोर्स स्थानीय थाना को जरुर सूचना दे। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा ने बताया कि अप्रैल 2024 से नवंबर 2024 तक कोयले के अवैध कारोबार के विरुद्ध जिला खनन कार्यालय ने 131 लोगों की गिरफ्तारी की है। वहीं 1550 टन कोयला तथा अवैध कारोबार में संलिप्त 27 हाइवा सहित 95 वाहनों को जब्त किया है। जबकि लघु खनिज के अवैध खनन में संलिप्त 112 वाहनों को जब्त किया है और 34 प्राथमिकी दर्ज की है। इसमें 35 लोगों के विरुद्ध जे.एम.एम.सी. रूल 2004 के नियम 54(5) के तहत कार्रवाई कर 17.35 लाख रुपए का जुमार्ना वसूला है। जबकि 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। बैठक में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड ने बताया कि कोयले के अवैध खनन के विरुद्ध अबतक 640 छापामारी की गई है। साथ ही अवैध खनन के हॉटस्पॉट को चिह्नित किया गया है। इसके अलावा अवैध खनन स्थल की डोजरिंग की गई है। सभी काटा घरों पर सीसीटीवी से निगरानी रखी जा रही है। बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, एसएसपी हृदीप पी जनार्दनन, बीसीसीएल के निदेशक तकनीकी एस.के. सिंह, सीआईएसएफ के डी.आई.जी. आनंद सक्सेना, वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा, डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी, डीएसपी मुख्यालय 2 डी.एन. बंका, ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार, एसडीपीओ बाघमारा पुरुषोत्तम कुमार सिंह के अलावा सभी अंचल के अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड के विभिन्न एरिया के महाप्रबंधक उपस्थित थे।

जेपीएस स्पोर्ट्स फेस्टा 2024 : वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन

संवाददाता

बलियापुर। जेपीएस स्पोर्ट्स फेस्टा 2024 के तहत आयोजित वार्षिक दो दिवसीय खेल-कूद प्रतियोगिता का पहला दिन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह बलियापुर में हुआ, जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक आनंद महतो और मुख्य अतिथि के रूप में वर्तमान विधायक चंद्रदेव महतो ने भाग लिया और दोनों के करकमलों से इस आयोजन का विधिवत शुभारंभ हुआ। पहले दिन विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया। जिनमें छात्र-छात्राओं ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 200 मीटर रिले रेस में गोलू और अंश ने स्टोरीस हॉउस से विजय प्राप्त की। इसके बाद 100 मीटर फ्लैट रेस में कैपेल्ला हॉउस के उदय कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर रिले रेस में वेगा हॉउस की चित्रा ने अपनी तेज दौड़ से पहला स्थान प्राप्त किया और सभी को प्रभावित किया। इसके अलावा, वॉलीबॉल के सेमीफाइनल में वेगा हॉउस और कैपेल्ला हॉउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और फाइनल में प्रवेश किया। प्रबंधन और शैक्षिक स्टाफ की सक्रिय उपस्थिति रही, जिनमें प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभास चंद दास, चेयरमैन अब्दुल रहमान अंसारी, डायरेक्टर अताउर रहमान, प्रिंसिपल सुराजित सेन और विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं प्रमुख रूप से मौजूद थे। इस खेलकूद प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में खेल भावना और समग्र विकास को बढ़ावा देना है।

महात्मा गांधी के शताब्दी समारोह का भव्य आयोजन

संवाददाता

धनबाद। धनबाद जिला कांग्रेस ने महात्मा गांधी के कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के 100 साल पूरे होने पर महात्मा गांधी की याद में एक भव्य शताब्दी समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम सिटी सेंटर धनबाद स्थित महात्मा गांधी की आदमकद प्रतिमा स्थल पर आयोजित किया गया, जहां महात्मा गांधी के जीवन और उनके आंदोलनों पर आधारित एक चित्र प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। कार्यक्रम की शुरूआत रघुपति राघव राजा राम भजन से हुई, जो गांधी जी के आदर्शों को याद करने का एक सुंदर माध्यम था। इसके बाद समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

इस समारोह की विधिवत शुरूआत गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद और कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके की। इस मौके पर धनबाद कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष श्री राशिद रजा अंसारी ने कार्यक्रम का संचालन किया। गांधी जी के संघर्षों और उनके योगदान को याद करते हुए श्री राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि महात्मा गांधी ने चंपारण आंदोलन, खेडा आंदोलन, असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह, रॉलेट एक्ट का विरोध और भारत छोड़ो आंदोलन जैसी ऐतिहासिक घटनाओं के माध्यम से भारतीय समाज को जागरूक किया। उन्होंने यह भी कहा कि गांधी जी के विचारों को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता, भले ही गोडसे विचारधारा के लोग उनका विरोध करें। कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने अपने संबोधन में महात्मा गांधी के योगदान को सलाम करते हुए कहा कि उन्हें गर्व है कि वे उस कांग्रेस के सिपाही हैं, जिसका नेतृत्व महात्मा गांधी ने किया। उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि वे महात्मा गांधी के हत्यारे को अपना आदर्श मानते हैं, जबकि गांधी जी के विचारों का पालन करना ही सच्ची भारतीयता है। श्री सिंह ने यह भी कहा कि गांधी जी के नेतृत्व में कांग्रेस ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया और आज उसी कांग्रेस को समाप्त करने की बात की जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस पार्टी कमजोर नहीं होगी, बल्कि गांधी जी के विचारों के साथ देश को मजबूत बनाएगी।।समारोह में धनबाद कांग्रेस के प्रमुख नेताओं और कार्यकताओं ने भाग लिया, जिनमें झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव मदन महतो, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता शमशेर आलम, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्रीमती सीताराणा और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल थे। इसके साथ ही सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता इस समारोह में उपस्थित थे, जिन्होंने महात्मा गांधी के योगदान को याद किया और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस शताब्दी समारोह के माध्यम से कांग्रेस ने महात्मा गांधी के आदर्शों को फिर से जीवन्त किया और पार्टी के इतिहास और उनके संघर्षों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि गांधी जी के विचारों को अपनाकर ही देश को सशक्त और एकजुट बनाया जा सकता है।

सिंदरी गुरुद्वारा के पास पीसीसी सड़क बन रही है जानलेवा, हादसे का खतरा बढ़ा

संवाददाता

सिंदरी। सिंदरी गुरुद्वारा के पास बनी पीसीसी सड़क अब जानलेवा बन गई है, जिससे बड़े हादसों का खतरा बढ़ गया है। यह सड़क सिंदरी अंचल के वार्ड 55 में स्थित है, जो रांगामाटी और आसपास के गांवों के बीच एक प्रमुख मार्ग के रूप में उपयोग होती है। इस सड़क का एक हिस्सा तालाब के किनारे से गुजरता है, जबकि दूसरी ओर गहरे गड्ढे हैं। सड़क के हालात बहुत ही खराब हो गए हैं और इसका एक बड़ा हिस्सा दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है। सड़क के ऊपर से देखने पर यह सामान्य और दुरुस्त दिखाई देती है, लेकिन जब नजदीक से देखा जाता है तो सड़क के किनारे से मिट्टी कट चुकी है और यह तालाब में गिर रही है। इस कारण सड़क पूरी तरह से खोखली हो गई है, और यदि भारी वाहन या लोग गुजरते हैं, तो पीसीसी बलाई के टूटने का खतरा है, जो सीधे तालाब में गिर सकता है। सड़क के इस हिस्से से रोजाना सैकड़ों लोग पैदल और दोपहिया वाहनों से आना-जाना करते हैं, लेकिन यह सड़क कभी भी एक बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इस मामले को लेकर पहले कई समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित की गई थी और स्थानीय नगर आयुक्त को ज्ञापन दिया गया था। इसके बाद नगर आयुक्त ने संज्ञान लिया और पहले इस सड़क के मरम्मत के लिए टेंडर जारी किया था। हालांकि, यह टेंडर एक ही ठेकेदार ने भरा था, जिसे कैंसिल कर दिया गया है। सहायक अभियंता चमक लाल मंडल ने पुष्टि की कि जल्दी ही नया टेंडर जारी किया जाएगा और सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू किया जाएगा। पूर्व महापौर चंद्र शेखर अग्रवाल और पार्षद राम हेम्ब्रम ने भी इस सड़क की स्थिति को लेकर प्रशासन से जल्द से जल्द मरम्मत की मांग की थी, लेकिन अभी तक इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सड़क की वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि यदि जल्द ही इसका मरम्मत कार्य नहीं किया गया, तो यह सड़क किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

एसजेएएस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

संवाददाता

धनबाद। एसजेएएस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ने 25 दिसंबर से 10 जनवरी तक गोल्फ ग्राउंड और बिरसा मुंडा पार्क में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया है। इस शिविर का उद्देश्य आम जनता को स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक करना और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल उपलब्ध कराना है।।शिविर में आने वाले लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। इसमें ईसीजी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, एसपीओ 2, आरबीएस, हाइट और वेट की जांच की जाएगी। शिविर में अस्पताल की ओर से 4 नर्स और 4 अन्य कर्मचारी लोगों की मदद के लिए उपस्थित रहेंगे। शिविर के दौरान एसजेएएस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के प्रतिनिधि उपस्थित लोगों को अस्पताल की सुविधाओं और सेवाओं की जानकारी देंगे। प्रतिनिधि इस बात पर प्रकाश डालेंगे कि अस्पताल झारखंड के सबसे आधुनिक और प्रगतिशील चिकित्सा केंद्रों में से एक है, जहां हर वर्ग के लोग अत्यंत सुलभ और किफायती चिकित्सा सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। अस्पताल में 24 7 आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध हैं। 40 अनुभवी डॉक्टर और उच्च प्रशिक्षित चिकित्सा टीम हर समय मरीजों की सेवा में तत्पर रहते हैं। इसके अतिरिक्त, अस्पताल ने हाल ही में कैशलेस और बीमा सुविधाओं की शुरूआत की है, जिससे मरीजों को वित्तीय सहूलियत भी मिल सके। एस.जे.ए.एस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का यह प्रयास उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है, जो अपनी स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर जांच नहीं कर पाते। यह शिविर झारखंड के नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति अस्पताल की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।
अधिक जानकारी या शिविर से संबंधित सवालों के लिए 8405000610 पर संपर्क किया जा सकता है।

मेला दीक्षा महिला मंडल के आनंद मेला का भव्य समापन

क्रिसमस उत्सव और लकी ड्रॉ बने मुख्य आकर्षण

संवाददाता

धनबाद। बीसीसीएल की दीक्षा महिला मंडल द्वारा कोयला नगर स्थित नेहरू कॉम्प्लेक्स में आयोजित दो दिवसीय आनंद मेला का समापन बुधवार को धूमधाम से हुआ। क्रिसमस उत्सव और लकी ड्रॉ इस आयोजन के मुख्य आकर्षण रहे। समापन के अवसर पर 6 दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर प्रदान की गई। इस दौरान महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान के लिए महिला मंडल के प्रयासों की सराहना की गई।।मेले में 80 से अधिक स्टॉल लगाए गए, जिनमें हस्तशिल्प, खान-पान, जूलरी, पेंटिंग, ऑटोमोबाइल आदि के स्टॉल शामिल थे। इसके अलावा, विभिन्न खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से लोगों का भरपूर मनोरंजन किया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष मिली दत्ता ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि एक महिला के सशक्त होने से न केवल उसका परिवार, बल्कि पूरी पीढ़ी लाभान्वित होती है।

समापन समारोह में क्रिसमस के मौके पर केक काटा गया और लकी ड्रॉ के विजेताओं को शानदार पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रथम पुरस्कार के रूप में मोटरसाइकिल, द्वितीय में रेफ्रिजरेटर और तृतीय व चतुर्थ में 5-जी मोबाइल दिए गए। इसके अलावा प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में स्मार्ट वॉच, डिनर सेट और मिक्सर ग्राइंडर भी वितरित किए गए।
कार्यक्रम में बीसीसीएल मुख्यालय और सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष और अधिकारी अपने परिवारों के साथ शामिल हुए। साथ ही, पूर्व सांसद पशुपति नाथ सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा, निरसा विधायक अरूप चटर्जी, और पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) कपिल चौधरी जैसे गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। दीक्षा महिला मंडल की ओर से छह दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर प्रदान की गई। इसके साथ ही, तीन महिला मीडियाकर्मियों और तीन महिला भारी वाहन चालकों को प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। दीक्षा महिला मंडल बीसीसीएल का केंद्रीय महिला संगठन है, जो 14 महिला समितियों के माध्यम से धनबाद और आसपास के क्षेत्रों में सामाजिक और जनसेवा के कार्य कर रहा है। इस आयोजन के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी गई और सामाजिक सेवा को नई दिशा प्रदान की गई। आनंद मेला न केवल मनोरंजन और उत्सव का केंद्र बना, बल्कि सामाजिक जागरूकता और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी सिद्ध हुआ।

विधायक टुंडी व बाघमारा ने किया कंबलों का वितरण

संवाददाता

धनबाद। क्रिसमस के अवसर पर माननीय विधायक टुंडी सह झारखंड विधानसभा के मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो ने बाघमारा प्रखंड के राजगंज पंचायत में कंबल वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन कर कंबलों का वितरण किया।।इस अवसर पर बाघमारा के प्रखंड विकास पदाधिकारी लक्ष्मण यादव और स्थानीय मुखिया वंदना उपस्थित रही। वहीं एक अन्य कार्यक्रम में माननीय विधायक बाघमारा शत्रुघ्न महतो ने प्रखंड सभागार बाघमारा में कंबलों का वितरण किया।

सुभाषितम्

अनुभव-प्राप्ति के लिए काफी मूल्य चुकाना पड़ सकता है पर उससे जो शिक्षा मिलती है वह और कहीं नहीं मिलती। - अज्ञात

गठबंधन में अकेली होती कांग्रेस

वर्तमान समेत में भारत की राजनीति निश्चित ही अनिश्चितता का एक ऐसा खेल है, जिसका सीधा सा आशय नहीं निकाल सकता। यानि जो दिखता है, वैसा होता नहीं है और जो हो जाता है, वह दिखता नहीं है। इसी कारण से कभी कभी राजनीति से अविश्वास भी होने लगता है। यह अविश्वास केवल जनता के मन में उपजता है, ऐसा नहीं है, राजनीति के ज्ञाता भी इसकी परिधि में गाहे बगाहे आ जाते हैं। आज के दौर में कांग्रेस के प्रति भी अविश्वास का भाव लगातार बढ़ता जा रहा है। वर्तमान केंद्र सरकार पर निरंतर हमालवर रहने वाले इंडी गठबंधन के राजनीतिक दल आज स्वयं के लिए अलग मार्ग तलाश करते हुए दिखाई दे रहे हैं। कोई दल कांग्रेस को भाव देने को तैयार नहीं है, लेकिन समस्या यह है कि कांग्रेस आज भी इस सच को आईने में देखने को तैयार नहीं है। आज कांग्रेस की सत्यता यही है कि उसे अपनी विरासत पर ही भरोसा है, इसके अलावा अन्य राजनेता भले ही बड़े पद पर पहुँच जाए, लेकिन उसको जितना महत्व मिलना चाहिए उतना मिलता नहीं है। वर्तमान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कमोवेश ऐसी ही स्थिति का सामना कर रहे हैं। वे सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा के समक्ष लगभग नतमस्तक से ही दिखाई देते हैं।

पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को जो अ सफलता मिली, उसे कांग्रेस भले ही सफल बताने का प्रयास करे, लेकिन वह सफलता इसलिए नहीं मानी जा सकती, क्योंकि यह कांग्रेस की अपनी स्वयं की राजनीतिक ताकत नहीं थी, इसमें इंडी गठबंधन के दलों का योगदान था। उत्तरप्रदेश के लोकसभा चुनावों में विपक्षी दलों को निश्चित ही अपेक्षित सफलता मिली, लेकिन इसे कांग्रेस की सफलता नहीं माना जा सकता। अगर कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी नहीं होती तो कांग्रेस की इतनी सीटें नहीं आती। सत्य यही है कि आज कांग्रेस बिना गठबंधन के आगे बढ़ नहीं सकती, लेकिन कांग्रेस के नेताओं का व्यवहार ऐसा है कि वही सबका नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता में ऐसा नहीं है। इसी कारण इंडी गठबंधन में दरार पैदा करने वाले स्वर भी सुनाई देने लगे हैं। राजनीतिक आकलन किया जाए तो इन स्वरों के यही निहितार्थ निकल सकते हैं कि कांग्रेस के पास इंडी गठबंधन को नेतृत्व देने का सामर्थ्य नहीं है। पश्चिम बंगाल में अपने राजनीतिक कौशल का लगातार परिचय देने वाली तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी इंडी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए व्याकुल दिखाई दे रही हैं। ममता बनर्जी की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि वे किसी और के नेतृत्व में काम करने के लिए सहज नहीं है। इसलिए उन्होंने यह स्वयं ही कहा है कि अगर कांग्रेस चाहे तो तृणमूल कांग्रेस गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। इसका आशय पूरी तरह से स्पष्ट है कि कांग्रेस में अब नेतृत्व करने की शक्ति नहीं बची है। हर जगह से कांग्रेस को आइना दिखाने का क्रम प्रारम्भ हो चुका है, लेकिन कांग्रेस में तो केवल और केवल इसी बात की राजनीति की जा रही है कि राहुल और प्रियंका को कैसे स्थापित किया जाए। इसी के चलते कांग्रेस अन्य दलों की लगभग अनदेखी सी करने का प्रयास कर रही है।

कांग्रेस अनेक बार उत्थान और पतन की राजनीति से गुजरी है। लगातार तीन लोकसभा चुनावों में पराजय का दंश झेलने वाली कांग्रेस की विसंगति यही है कि वह केवल विरोध करने की राजनीति ही कर रही है। कांग्रेस के नेताओं का हर बयान मोदी या भाजपा तक ही सीमित रहता है। यह अब कांग्रेस का स्थायी भाव सा बन गया है। इसका मतलब यह भी निकल सकता है कि उनके पास स्वयं की ऐसी कोई उपलब्धि नहीं है, जिसके आधार पर राजनीति की जा सके। अभी हाल ही में प्रियंका वाड्रा ने संसद में कांग्रेस का रटारटाया बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि मोदी सरकार संविधान बदलना चाहती है। इसमें कितनी सच्चाई है, यह तो राजनीति करने वाले जानते ही हैं, लेकिन ऐसे बयान इसलिए भी उचित नहीं कहे जा सकते, क्योंकि यह बयान अनुमान पर ही आधारित हैं। यह बयान ठोस नहीं हैं। ऐसे बयानों का मतलब सबको समझ में भी आने लगा है। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस की राजनीति आधारहीन होती जा रही है। वास्तव में कांग्रेस को अब समय के हिसाब से प्रासंगिक होना चाहिए। प्रासंगिकता के अभाव में कांग्रेस को अब वैसा भाव नहीं मिल रहा, जैसा कांग्रेस को चाहिए।

अभी हाल ही महाराष्ट्र और झारखण्ड में विधानसभा के चुनाव हुए। जिसमें कांग्रेस को जैसे प्रदर्शन की उम्मीद थी, वैसा परिणाम नहीं रहा। झारखण्ड में गठबंधन को सफलता जरूर मिली, लेकिन इसे कांग्रेस की सफलता नहीं माना जा सकता। महाराष्ट्र में कांग्रेस को बेमेल गठबंधन ले डूबा। यहां भी फजीहत कांग्रेस की हुई। कांग्रेस के समक्ष हालात यह होते जा रहे हैं कि उसे अब तिनके की तलाश करनी पड़ रही है। देश के कई राज्यों में कांग्रेस अपने बूते चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है। जहाँ अकेले चलने का प्रयास किया, वहां धड़ाम से नीचे गिर गई। लगातार झटके खाने की आदी होती जा रही कांग्रेस को एक झटका दिल्ली में मिला है। आम आदमी पार्टी के नेता अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस से दूरी बनाकर यह संकेत दे दिया है कि कांग्रेस का वजूद क्या है। इसके बाद कांग्रेस को स्वयं का आकलन करना चाहिए। लेकिन कांग्रेस ऐसा करने को तैयार नहीं दिखती।

कांग्रेस की वर्तमान राजनीतिक स्थिति को देखकर यही कहा जा सकता है कि वह अब इंडी गठबंधन में अलग थलग होती जा रही। कांग्रेस को उसके सहयोगी राजनीतिक दल ही किसी प्रकार का भाव देने की स्थिति में नहीं है। इसलिए कांग्रेस को चाहिए कि वह अपने आपको पिछलग्गू बनने की बजाय ठोस धरातल बनाने की राजनीति करे, नहीं तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है कि कांग्रेस को राजनीतिक दल ही नहीं, जनता भी नहीं पूछेगी।

क्या कांग्रेस का 'वामपंथीकरण' ही राहुल की नई राजनीति होगी

कमलेश पांडेय

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि यदि उनकी सरकार आई तो सिर्फ जाति जनगणना ही नहीं बल्कि आर्थिक सर्वेक्षण भी होगा। दरअसल, इसके जरिए वह पता लगाएंगे कि किसके पास कितनी संपत्ति है। फिर नई राजनीति शुरू होगी। इससे साफ है कि जेएनयू के युवा वामपंथी नेताओं व कार्यकर्ताओं से भरी कांग्रेस अब उस वामपंथ की राह पर अग्रसर है, जो पूरी दुनिया में राजनीतिक तौर पर अप्रासंगिक हो चुका है।

बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर जाति सर्वेक्षण और आर्थिक समीक्षा की वकालत करते हुए कहा कि इसका मकसद है यह पता लगाना कि किसके पास कितनी संपत्ति है। उन्होंने कहा कि अगर वह सत्ता में आए तो यह भारत का पहला काम होगा। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 'न्याय मंच-अब इंडिया बोलेगा' में छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय सत्ता में आने के बाद उनका पहला कदम आर्थिक सर्वेक्षण के साथ-साथ जाति जनगणना करवाना होगा। उन्होंने कहा कि देश की 90 प्रतिशत आबादी वाले लोगों को अपनी ताकत का अंदाजा नहीं है और वे इस बात से भी अनजान हैं कि उनके पास भारत की कुल सम्पत्ति में से कितनी संपत्ति है। वे कहते हैं कि उनकी आबादी लगभग 50 प्रतिशत है लेकिन वे यह नहीं जानते कि उनके पास कितनी संपत्ति है। इसलिए हम एक जाति जनगणना करेंगे जिससे ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को पता चल जाएगा कि विभिन्न क्षेत्रों में उनकी कितनी भागीदारी है। इससे सच्चाई सामने आ जाएगी।' उन्होंने संकेत दिया कि इससे दलितों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, गरीब सवर्णों को भी उनकी वास्तविक स्थिति का पता चल जाएगा।

वहीं, एक युवा के सवाल का जवाब देते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'आज क्या हो रहा है कि ओबीसी को मूर्ख बनाया जा रहा है और उन्हें बहुत कुछ बताया जा रहा है, लेकिन मुख्य मुद्दा यह नहीं है कि किसके पास कितनी संपत्ति है। जाति जनगणना के साथ साथ होने वाले आर्थिक सर्वेक्षण से पूरे देश को यह पता लग जाएगा कि हिंदुस्तान का धन कहां है, किसके हाथ में है, पिछड़ों के हाथ में कितना, दलितों के हाथ में कितना, अल्पसंख्यकों के हाथ में कितना, गरीब सामान्य वर्ग और महिलाओं के हाथ में कितना धन है। सबके सामने पूरा साफ हो जाएगा। उसके बाद न्यू पॉलिटिक्स शुरू होगी। उसके बाद ये लोग कहेंगे कि मेरे पचास परसेंट लोग हैं, जबकि मेरे पास 2 परसेंट धन है। इसलिए मुझे 50 परसेंट धन चाहिए। सीधी-सी बात होगी। ये हमारी सोच है, जाति जनगणना पहला कदम है। ये सिर्फ जाति जनगणना नहीं होगी बल्कि ये आर्थिक सर्वे भी होगा।

हालांकि, राहुल गांधी की टिप्पणी पर भाजपा के सोशल मीडिया प्रमुख अमित मालवीय ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राहुल गांधी अपने बेहद खतरनाक और भ्रामक विचारों से देश को कहां ले जाना चाहते हैं? वहीं, राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि अब साफ है कि मुस्लिम परस्त राजनीति करने वाले राहुल गांधी अपनी राजनीतिक जागीरदारी पुनः पाने के लिए जिस तरह से ओबीसी, दलित, आदिवासी, गरीब सवर्ण और महिलाओं को उनके हिस्से की संपत्ति मौजूदा अमीरों से लेकर देना चाहते हैं, उससे विदेशी निवेश प्रभावित होगा। धनी लोग अपनी संपत्ति विदेशों में शिफ्ट करने लगेंगे। इससे हर ओर असंतोष फैलेगा और देश में अरब देशों की तरह गृह युद्ध होगा, क्योंकि इतनी आसानी से लोग अपनी सम्पत्ति छोड़ने वाले नहीं हैं।

राहुल गांधी को यह पता होना चाहिए कि देश में अब ग्राम भूमि सवर्णों से ओबीसी-दलितों-अल्पसंख्यकों-आदिवासियों की ओर हस्तांतरित होती जा रही है। यह कांग्रेस की सरकारों की नीतियों और उनको हटाकर विकसित हुई समाजवादी राजनीति करने वाले दलों की नीतियों की करामात है। वहीं, शहरों की ओर शिफ्ट हो रहे सवर्णों के पास शहरी सम्पत्ति बढ़ी है, लेकिन ओबीसी-दलितों-आदिवासियों-अल्पसंख्यकों आदि ने भी ऐसी नई सम्पत्ति खूब बनाई है। इससे संपत्ति के समान बंटवारे का उनका विचार पिछले लोकसभा चुनाव 2024 की तरह ही उन पर भारी पड़ जाएगा। क्योंकि तब वह केंद्रीय सत्ता में आते आते यदि चूक गए तो उसके पीछे उनकी इन्हीं बयानबाजियों का हाथ है।

देखा जाए तो मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में सरकारी नौकरियों में जातीय आरक्षण जैसे निकृष्ट विचार के बाद जनसंख्या आधारित संपत्ति के बंटवारे का विचार कांग्रेस का ऐसा जाहिल विचार है जो भारत के विकास को पुनः अवरुद्ध कर देगा। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस रणनीतिकार चीनी-रूसी सांठगांठ से प्रभावित और सीआईए-आईएसआई के बैक डोर पॉलिसी आधारित षड्यंत्रों से अनुप्राणित हैं, जिनका मकसद है कि अमेरिका, रूस, चीन के समकक्ष स्तर तक उठ चुके मोदी युगीन भारत को उलजुलूल सियासी विवादों में फंसाकर पीछे धकेल दिया जाए। यदि इसे समझने में राहुल गांधी नादानी दिखा रहे हैं तो यह एक खतरनाक राजनीतिक ट्रेंड है, जिस ओर भाजपा भी इशारा कर चुकी है।

वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि जातीय जनगणना और आर्थिक सर्वेक्षण की मांग पर अड़े रहने से राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव 2029 में बहुमत भी मिल सकता है, क्योंकि मुफ्तखोर राजनीति एक बार फिर से परवान चढ़ती जा रही है। जब हजार-दो हजार की गारंटी देने वाले दलों पर मतदाता फिदा हो सकते हैं तो यहां पर तो राहुल गांधी संपत्ति ही देने-दिलाने के कोरे आश्वासन दे रहे हैं। वैसे भी फ्री उपहार की राजनीति आप, कांग्रेस होते हुए यह भाजपा व अन्य दलों तक पहुंच चुकी है।

हालांकि, अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि कभी संविधान, कभी जातीय जनगणना और कभी आर्थिक सर्वेक्षण के राग अलाप कर राहुल गांधी सियासी भूल-पर-भूल करते जा रहे हैं। दरअसल, भाजपा और मोदी को कमजोर करने की जल्दबाजी में वह जिस तरह से क्षेत्रीय दलों के मुद्दों पर सियासी बॉलिंग करने की भूल कर रहे हैं, इससे क्षेत्रीय दल पुनः मजबूत होंगे, जो उनकी राष्ट्रीय राजनीति और अंतरराष्ट्रीय छवि को मटियामेट कर देंगे। क्योंकि उन्हें यह पता होना चाहिए कि ओबीसी-दलित नेताओं को कमजोर कांग्रेस पसंद है, मजबूत नहीं। इंडिया गठबंधन को गत लोकसभा चुनाव 2024 में मिली आंशिक सफलता के बाद नेतृत्व के सवाल पर मचा घमासान उनकी आंख खोलने को काफी है।

इसके अलावा, राहुल गांधी को संपत्ति के बारे में अपने विचार भी स्पष्ट कर देने चाहिए क्योंकि संपत्ति दो तरह की होती है- चल सम्पत्ति और अचल संपत्ति। देशी संपत्ति और विदेशी सम्पत्ति। व्यक्तिगत संपत्ति और संस्थागत सम्पत्ति। राष्ट्रीय संपत्ति और निजी संपत्ति। नामी सम्पत्ति और बेनामी सम्पत्ति। भूमि संपत्ति और मौद्रिक संपत्ति। मकान, दुकान, कोठी, फैक्ट्री, स्वणाभूर्षण आदि। विभिन्न प्रकार के वाहन, मशीन, गैजेट्स आदि। आजकल राजनीतिक दल, कम्पनी, एनजीओ, ट्रस्ट, फर्म, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, रेस्टोरेंट, होटल आदि भी बहुत बड़ी संपत्ति बन चुकी हैं। चर्चा है कि ये सम्पत्ति पहले कांग्रेसी नेताओं व उसके समर्थकों के पास ज्यादा थी, जिसे बचाने के लिए लोग भाजपाई या समाजवादी बन चुके हैं। कुछ लोग तो दलितवादी या आदिवासी दलों से भी जुड़ चुके हैं। इसलिए राहुल को बताना चाहिए कि वो किस-किस चीज की गणना करेंगे। सबसे बड़ी बात शिक्षा और हुनर जो मानव संसाधन है, उससे ही उपर्युक्त सम्पत्ति खड़ी होती है, उसका बंटवारा कैसे करेंगे।

दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी, जो अक्सर अपने बयान के चलते सुर्खियों में रहते हैं, उनका एक बयान ही अब उन पर भारी पड़ रहा है। क्योंकि यूपी के बरेली जिले की एक अदालत ने उन्हें आर्थिक सर्वेक्षण संबंधी बयान को लेकर नोटिस जारी किया है। जिसके मुताल्लिक राहुल गांधी को सात जनवरी 2025 को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा है। अधिवक्ता वीरेन्द्र पाल गुप्ता ने बताया कि बरेली जिला एवं सत्र न्यायालय ने बयान को लेकर गत शनिवार को गांधी को नोटिस जारी किया और सुनवाई के लिए सात जनवरी 2025 की तारीख तय की है।

बता दें कि बरेली के सुभाषनगर के निवासी और अखिल भारतीय हिंदू महासंघ के मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक ने अधिवक्ताओं गुप्ता और अनिल द्विवेदी के जरिए राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए सांसद-विधायक अदालत (एमपीएमएलए कोर्ट) में याचिका दायर की थी, जिसे अदालत ने 27 अगस्त को निरस्त कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए सत्र अदालत में पुनर्विचार याचिका दायर की गई। क्योंकि राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार आई तो हम आर्थिक सर्वेक्षण कराएंगे। इस सर्वे के आधार पर संपत्ति का बंटवारा होगा। जिसकी भागीदारी अधिक होगी अगर उसकी संपत्ति कम है को कम आबादी जिसकी संपत्ति ज्यादा है, उससे लेकर कम संपत्ति वालों को दी जाएगी। इसलिए राहुल के इस बयान का काफी विरोध हो रहा था। इसलिए कांग्रेस को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए, अन्यथा वह वामपंथियों की तरह कांग्रेस मुक्त भारत के सपने को पूरा करने में खुद ही अपना बड़ा योगदान देगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सहज ऋण प्रवाह ने बदली ग्रामीण जीवन शैली

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

वित्तदायी संस्थाओं तक आम आदमी की सहज पहुंच और संस्थागत व गैर संस्थागत वित्तदायी संस्थाओं द्वारा आसानी से ऋण सुविधा उपलब्ध कराने का परिणाम है कि आज देश के सुदूर गांवों में भी रहन-सहन में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। शहरों में उपलब्ध सुविधाएं अब गांवों में सहजता से उपलब्ध हो रही हैं। ऐसे में ग्रामीणों की रहन-सहन और उनकी सोच में बदलाव आया है। आज कोई भी व्यक्ति साधन-सुविधाओं की ओर देखता है और उन सुविधाओं को पाने के लिए कर्ज भी लेना पड़े तो व्यक्ति दो बार सोचता नहीं। यही समय और सोच का बदलाव है।

सांख्यिकी मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट इस बात की गहराई से पुष्टि करती है। भारत सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय की व्यापक वार्षिक माड्यूलर रिपोर्ट के अनुसार शहरों की तुलना में अब गांवों में ऋण लेने वाले अधिक होते जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार गांवों में प्रति एक लाख पर 18714 लोगों ने किसी ना किसी तरह का कर्ज लिया है, वहीं शहरी क्षेत्र का यह आंकड़ा ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में कुछ कम 17442 है। अच्छी बात यह है कि अब संस्थागत ऋणों की उपलब्धता सहज हो गई है पर गैर संस्थागत ऋण प्रदाताओं ने भी तेजी से पांव पसारे हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि इन गैर संस्थागत ऋण प्रदाताओं में कहीं ना कहीं पुराने साहूकारों की झलक दिखाई देती है। दूसरी चिंता का कारण संस्थागत ऋण में भी इस तरह के ऋणों की ब्याज दर कहीं अधिक है और संस्थागत हो या गैर संस्थागत ऋण, प्रदाता ऋण की एक किश्त भी समय पर जमा नहीं होती है तो दण्डनीय ब्याज, वसूली के नाम पर संपर्क और पत्राचार आदि का खर्चा और इसी तरह के अन्य छुपे चार्जेज ऋण लेने वाले की कमर तोड़ने के लिए काफी हैं।

इसमें दो राय नहीं कि शहरी नागरिकों की तरह ग्रामीण नागरिकों के जीवन स्तर और रहन-सहन में सुधार होना चाहिए। शहरों से किसी भी क्षेत्र में ग्रामीण पीछे नहीं रहने चाहिए। सबसे अच्छी बात यह है कि ग्रामीणों और शहरियों में जीवन स्तर को लेकर जो स्तरीय भेद सामने आता है वह दिन प्रतिदिन कम रहा है। आज फ्रीज, एयर कण्डीशनर, महंगे एन्ड्रायड मोबाइल या लक्जरी वाहन आसानी से गांवों में देखने को मिल जाते हैं। देखा जाए तो आज पहले वाले गांव नहीं रहे। यह विकास की तस्वीर है। यहां तक कि गांवों में निजी स्कूलों की पहुंच भी हो गई है। आज ग्रामीण भी शहरी नागरिकों की तरह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं और अच्छे खानपान पर ध्यान देने लगे हैं।

सहज ऋण उपलब्धता के साइड इफेक्ट भी हैं जिन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है। सबसे पहला तो यह कि कुछ इस तरह के ऋण होते हैं जिन्हें होड़ में ले लिया जाता है और उसका सीधा असर कर्ज के मकड़जाल में फंसने की तरह हो जाता है। सांख्यिकी मंत्रालय के आंकड़े यह भी बताते हैं कि ग्रामीण क्षेत्र में ऋण लेने में महिलाएं भी पीछे नहीं हैं और ऋण लेने वाली महिलाओं की संख्या भी बढ़ती जा रही है। दरअसल, ग्रामीण क्षेत्र हो या शहरी क्षेत्र अधिकतर ऋण घरेलू जरूरतों को पूरा करने, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, खानपान और शानोशौकत से रहने के लिए पहनावे आदि के लिए लिया जाता है। गांव और शहरों में एक अंतर यह है कि शहरों में स्वास्थ्य सेवाएं सरकारी स्तर पर आसानी से उपलब्ध है, वहीं गांवों में स्वास्थ्य और शिक्षा पर अधिक खर्च करना पड़ता है। यही कारण है कि शिक्षा और स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए भी ग्रामीणों को ऋण लेना पड़ता है। यह सब कृषि कार्यों के लिए लिए जाने वाले ऋण से अलग हट कर है। वैसे भी अधिकांश स्थानों पर संस्थागत कृषि ऋण लगभग जीरो ब्याजदर पर या नाममात्र के ब्याज पर उपलब्ध होता है पर नकारात्मक पक्ष यह है कि बिना ब्याज के ऋण को समय पर नहीं चुका कर कर्ज माफी के राजनीतिक जुमले के चलते जीरो ब्याज सुविधा से भी वंचित हो जाते हैं। खैर यह विषय से भटकाव होगा। शहरों की तरह गांव भी आधुनिकतम सुख-सुविधाओं से संपन्न हो इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती। विकास की गंगा भी सभी तरफ समान रूप से बहनी चाहिए, इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता बल्कि यह सबका सपना है। ग्रामीण क्षेत्र में भी बढ़ते कर्ज के पीछे जो चिंतनीय बात है वह यह है कि कहीं ग्रामीण कर्ज के मकड़जाल में फंस कर कुछ पाने की जगह खो अधिक देंगे, इसकी आशंका अधिक है। इसका बड़ा कारण यह है कि संस्थागत ऋण यानी बैंकों द्वारा दिए जाने वाले ऋण हों या फिर गैर संस्थागत ऋण, परेशानी इनकी वसूली व्यवस्था को लेकर होती है। जितने ऋण देते समय सहृदय होते हैं, ऋण की किश्त की वसूली के समय उतने ही बेदर्द होने में कोई कमी नहीं रहती। शहरों में आए दिन रिकवरी एजेंटों के व्यवहार से दो-चार होते देखने में आ जाते हैं। गांवों में तो वसूली करने वालों के टार्चर के हालात बदतर ही होंगे। ऐसे में समय रहते इस विषय में सोचना होगा। सरकार और इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैर सरकारी संगठनों के सामने बड़ी जिम्मेदारी अवेयरनेस प्रोग्राम चलाने की है।

दरअसल, जब ऋण प्रदाता संस्था से ऋण लिया जाता है तो उस समय जो डाक्यूमेंट होता है वह इतना बड़ा और जटिल होता है कि उसे पूरा देखा ही नहीं जाता है और ऋण दिलाने वाला व्यक्ति निर्धारित स्थानों पर हस्ताक्षर करने पर जोर देता है। पढ़ा-लिखा और समझदार व्यक्ति भी पूरे डाक्यूमेंट से गो थ्रू नहीं होता और परिणाम यह होता है कि बाद में दस्तावेज के प्रावधानों के कारण दो-चार होना पड़ता है। हस्ताक्षर करने से हाथ बंध जाते हैं। सवाल यह कि अभियान चलाकर यह बताया जाना जरूरी है कि ऋण की एक भी किश्त चूक गए तो कितना नुकसान भुगतना पड़ जाएगा और यदि दुर्भाग्यवश दो-तीन किश्त नहीं चुका पाये तो हालात बदतर हो जाएंगे और जिस तरह से किसी जमाने में साहूकार के चंगुल में फंस जाते थे वो ही हालात होने में देर नहीं लगती।

दूसरा यह कि ऋण लेते समय प्राथमिकता भी साफ होनी चाहिए। केवल देखा-देखी ऋण लेने की होड़ भी नुकसानदायक है। गांवों में खेती की जमीन बेच कर अनावश्यक व दिखावे में राशि खर्च करने के दुष्परिणाम सामने हैं। ऐसे में बैंकों और एनजीओ को सामाजिक दायित्व समझते हुए अवेयरनेस प्रोग्राम चला कर लोगों को जागृत करना होगा, नहीं तो कर्ज का यह मर्ज गंभीर रूप लेने में देरी नहीं लगायेगा। जीवन स्तर सुधारने वाली यह सहज वित्त सुविधा साहूकार के कर्ज जाल में फंसने की तरह होकर बहुत कुछ खोने का कारण बन सकती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पाकिस्तान का अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक करना बंद अंधेरी सुरंग में घुसने जैसा

संजीव

पाकिस्तानी वायु सेना के लड़ाकू विमानों की 24 दिसंबर की रात अफगानिस्तान के पूर्वी पाकटीका प्रांत में एयर स्ट्राइक के बाद दोनों देशों के बीच रिश्तों की कड़वाहट लगातार बढ़ रही है। पाकिस्तान ने लड़ाकू विमानों से अफगानिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 4 आतंकी ठिकानों पर बम बरसाने का दावा किया है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी कमांडर शेर जमान, कमांडर अबू हमजा, कमांडर अख्तर मुहम्मद और टीटीपी का मीडिया संगठन उमर मीडिया इन ठिकानों का इस्तेमाल कर रहा था। इस एयर स्ट्राइक से भड़की अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के इस हमले में महिलाओं और बच्चे समेत 15 निर्दोष नागरिकों की जान जाने का दावा किया है। इतना ही नहीं, तालिबान संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे और अफगान रक्षामंत्री मुल्ला याकूब ने इस हमले का करारा जवाब देने की पाकिस्तान को चेतावनी भी दे डाली है, जिससे पाकिस्तान-अफगान बॉर्डर पर भारी तनातनी है।

दुनिया को याद है कि इमरान खान की अगुवाई में पाकिस्तानी सरकार ने 15 अगस्त, 2021 को अफगानिस्तान में तालिबानी शासन की वापसी पर जिस तरह उसका खैर मकदम किया था, उससे उम्मीद की जा रही थी कि आने वाले दिनों में दोनों देशों का गठजोड़ आतंक का नया मोर्चा साबित होगा। खासतौर पर भारत इसे लेकर सतर्क था। पाकिस्तान इस उम्मीद के साथ अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के साथ खड़ा था कि नया निजाम तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को नियंत्रित कर लेगा, लेकिन हुआ इसके उलट। अफगानिस्तान ने टीटीपी और पाकिस्तान के मसले से साफ हाथ झाड़ लिया। हालांकि, पाकिस्तान का आरोप रहा है कि अफगानिस्तान सरकार की पनाह और समर्थन से टीटीपी पाकिस्तान के भीतर लगातार आतंकी हमलों को अंजाम दे रहा है। अफगानिस्तान में तालिबान के काबिज होने के बाद पाकिस्तान में टीटीपी की एक्टिविटी बढ़ गई है। बीते दो साल में खैबर पख्तूनख्वाह और बलूचिस्तान में आतंकी घटनाएं ज्यादा बढ़ी हैं। इसकी वजह ये है कि ये अफगानिस्तान बॉर्डर के ज्यादा पास हैं। हालत यह है कि इस साल नवंबर तक टीटीपी पाकिस्तान के दो बड़े प्रांत खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में 785 हमलों को अंजाम दे चुका है। इन हमलों में पाकिस्तानी सेना के 951 फौजियों की मौत हो गई, जबकि 966 लोग जख्मी हुए।

टीटीपी के इन तमाम हमलों से पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार और सेना की खासी फजीहत हुई, क्योंकि पाकिस्तान की सेना पहले ही सीपैक, बलूचिस्तान में बगावत और इमरान खान के समर्थकों से निबटने में बुरी तरह विफल रही है, लेकिन टीटीपी ने हाल ही में जब वजीरिस्तान के मकीन में पाकिस्तान के 30 फौजियों को मार गिराया, तो उसने पाकिस्तानी सेना को टीटीपी के खिलाफ कदम उठाने के लिए मजबूर कर दिया। अगर पाकिस्तान ने 24 दिसंबर को एयर स्ट्राइक न की होती तो आर्मी चीफ आसिम मुनीर के लिए अपनी सेना का मनोबल बनाए रख पाना मुश्किल था। हालांकि, आर्मी चीफ को अंदाजा रहा होगा कि अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक उसके लिए बंद अंधेरी सुरंग में घुसने जैसा है, जिससे गुजरकर दुनिया की दो सुपर पावर रूस और अमेरिका की फौजें शिकस्त खा चुकी हैं। पाकिस्तान की फौजी ताकत और संसाधन, रूस व अमेरिका के मुकाबले क्या हैं, यह सभी को पता है।

अफगान तालिबान से अलग टीटीपी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी को पाकिस्तानी तालिबान भी कहते हैं। इसका मकसद पाकिस्तान में इस्लामी शासन लाना है। अगस्त, 2008 में पाकिस्तानी सरकार ने टीटीपी को बैन कर दिया था, लेकिन इसकी गतिविधियों को रोक पाने में विफल रहा। हमलों की फेहरिस्त देखें तो साल 2008 में इस्लामाबाद के मैरियट होटल और साल 2009 में सेना मुख्यालय पर टीटीपी की तरफ से हमला किया गया था। 2012 में मलाला युसुफजई को निशाना बनाने पर पूरी दुनिया का ध्यान इस संगठन की ओर गया। इसी आतंकी संगठन ने टीटी 2014 में सबसे बर्बर और वीभत्स हमले को अंजाम दिया, जिसमें पेशावर के सैनिक स्कूल में 150 लोगों मार दिया, जिसमें ज्यादातर स्कूली बच्चे थे।

नवंबर, 2021 में पाकिस्तान की सरकार और टीटीपी के बीच सीजफायर समझौता भी हुआ, जिसमें टीटीपी ने उसके समर्थकों को जेल से रिहा करने की मांग की थी। साथ ही कबायली इलाकों से पाकिस्तानी सुरक्षाबलों को हटाने की मांग की गई, लेकिन यह समझौता महीने भर बाद ही टूट गया। इसके बाद एक साल तक सरकार और टीटीपी के बीच बातचीत होती रही और कोई समझौता न होने पर टीटीपी ने फरमान जारी कर दिया कि पाकिस्तान में जहां भी संभव हो, उसके लड़ाके हमला करें।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

आज का राशिफल

मेष : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी।

वृष : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

मिथुन : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा।

कर्क : शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी।

सिंह : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं।

कन्या : संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है। अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें।

तुला : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा।

वृश्चिक : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें।

धनु : संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

मकर : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ : कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है।

मीन : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 27 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

नक्सली दिवाकर गंझू के खिलाफ पुलिस ने डुगडुगी बजाकर इश्तिहार चिपकाया

बड़कागांव। बड़कागांव पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नक्सली अभियुक्त दिवाकर गंझू के घर पर डुगडुगी बजाकर इश्तिहार चिपकाए। यह कार्रवाई बड़कागांव थाना कांड संख्या 33/23 और 249/22 के तहत की गई, जिसमें दिवाकर गंझू पर बड़कागांव बुढ़वा महादेव मार्ग पर सड़क निर्माण के दौरान अवैध लेवी की मांग करने और पुलिस के साथ मुठभेड़ का आरोप है। पुलिस ने यह इश्तिहार स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति में चिपकाए और मामले में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में यह कदम उठाया। एसआई अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस का एक सशस्त्र दल इस अभियान में शामिल था।

एनटीपीसी द्वारा जरूरतमंदों को 200 कंबल का वितरण, सर्दियों में राहत

बड़कागांव। एनटीपीसी पकरी बरवाडीह ने बड़कागांव के 200 जरूरतमंदों को सर्दी से बचाव के लिए 200 कंबल वितरित किए। यह वितरण बड़कागांव मध्य पंचायत भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम में वृद्ध महिला और पुरुषों के अलावा अन्य जरूरतमंदों को भी कंबल प्रदान किए गए। पंचायत के मुखिया तकरीमुल्लाह खान और पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर की निगरानी में सभी 10 वार्डों में कंबल वितरित किए गए। एनटीपीसी के सीएसआर विभाग के प्रमुख प्रशांत सिंह ने आगे भी इस तरह की मदद जारी रखने की अपील की और स्थानीय अधिकारियों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

धीरूभाई अंबानी के जन्मदिन पर हजारीबाग में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

हजारीबाग। धीरूभाई अंबानी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रिलायंस कंपनी ने हजारीबाग में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह शिविर कलु चौक स्थित जिओ रिलायंस सेंटर में आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन, जिओ सेंटर के मैनेजर मनोज कुमार और अन्य स्थानीय अधिकारियों ने शिविर का उद्घाटन किया। रक्तदान के दौरान कई लोगों ने अपने रक्त से जरूरतमंदों की मदद की। आयोजकों ने इस शिविर को सफल बनाने के लिए वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन, रिलायंस जिओ और स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के सहयोग को सराहा। यह शिविर रिलायंस की ओर से हर साल धीरूभाई अंबानी के जन्मदिन और पुण्यतिथि पर आयोजित किया जाता है, ताकि समाज में रक्तदान को बढ़ावा मिल सके और जरूरतमंदों की मदद की जा सके।

बड़कागांव पुलिस ने चलाया मोटर साइकिल जांच अभियान

बड़कागांव। आए दिन क्षेत्र में बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं और आपराधिक मामलों पर विराम लगाने के लिए एसडीपीओ पवन कुमार के निर्देशन में बड़कागांव पुलिस ने मोटर साइकिल जांच अभियान चलाया। इस दौरान दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट और वाहन के कागजात की जांच पड़ताल की गई। जिसमें दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगा कर वैध ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ड्राइविंग करने की भी हिदायत दी गई है। इस दौरान 15 मोटरसाइकिल जो बिना हेलमेट, बिना कागजात, बिना ड्राइविंग लाइसेंस के पकड़े गए उसको अग्रतर कार्रवाई के लिए यातायात पुलिस हजारीबाग के पास रिपोर्ट भेजी गई। जांच अभियान में मुख्य रूप से एएसआई बसंत भगत सहित पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

भाजपा ने सांसद कार्यालय में मनाया वीर बाल दिवस

गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों को किया याद

संवाददाता

हजारीबाग। शहर के झंडा चौक स्थित सांसद मनीष जायसवाल के कार्यालय सभागार में गुरुवार की शाम को भाजपा की ओर से वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने की। वीर बाल दिवस के अवसर पर, श्री गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों, बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत को याद किया गया और उनके धर्म तथा देश की रक्षा के लिए किए गए महान बलिदान पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में सरदार रोशन सिंह ने वीर बाल दिवस पर विस्तार से प्रकाश डाला और उनकी शहादत को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। सांसद मनीष जायसवाल ने अपने संबोधन में साहिबजादों की शहादत की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 जनवरी 2022 को श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर यह घोषणा की थी कि 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने इस घोषणा के बाद 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने के लिए एक राजपत्र अधिसूचना जारी की थी, जिसके बाद अब प्रत्येक वर्ष इस दिन को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाता है। सांसद ने आगे कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों ने अत्यंत कम उम्र में धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। यह शहादत आज की युवा पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा है, कि किसी भी स्थिति में अपने धर्म और देश के लिए अपनी जान की कुबार्नी दी जा सकती है। इस शहादत की गाथा हमें हमेशा याद रखनी चाहिए और उसे आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना चाहिए। कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार साहू ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे वीरों की शहादत को पाठ्य पुस्तकों में शामिल कर भावी पीढ़ी को जागरूक करना चाहिए ताकि वे इस महान बलिदान से प्रेरित होकर देश और धर्म के प्रति अपने कर्तव्यों को समझें। पवन कुमार साहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने 300 साल पुराने इतिहास को जीवंत कर दिया और इस शहादत की गाथाओं के माध्यम से देश और समाज में जागरूकता लाने का कार्य किया। इस कार्यक्रम में सिख समाज के डॉ० ए पी सिंह, भाजपा के अन्य नेताओं हरीश श्रीवास्तव, अशोक यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। मंच संचालन भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुदेश चंद्रवंशी ने किया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू, प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरीश श्रीवास्तव, अनिल मिश्रा, सुदेश चंद्रवंशी, अशोक यादव, जिला पदाधिकारी रेणुका साहू, जयनारायण प्रसाद, भाजयुमो अध्यक्ष राजकरण पाण्डेय, दीपक मेहता, मनमीत अकेला, खोखा सिंह, इंद्र नारायण कुशवाहा, अजीत चंद्रवंशी, महेंद्र बिहारी, रतन सिंह, डॉ. ए. पी. सिंह, बलजीत सिंह, रोशन सिंह, मनजीत सिंह, कुलवंत सिंह बग्गा, दीपक मनजीत सिंह, महेंद्र ठाकुर, ऋषि शर्मा, कर्मचारी साव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के 100 वर्ष हुए पूरे

संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निदेर्शानुसार जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में चुने जाने का 100 वर्ष पूरा होने पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला उपाध्यक्ष कृष्णदेव प्रसाद सिंह ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को आज के हीं दिन 26 दिसम्बर 1924 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया था। यह सत्र कर्नाटक के बेलगाम में हुआ था। यह पहली और एकमात्र बार था जब वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने। इस सत्र ने अंहिसा और असहयोग के उद्धव को अंग्रेजों से राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के साधन के रूप में देखा। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा, प्रदेश सचिव बिनोद सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष विजय यादव, वरिष्ठ कांग्रेसी शशिकांत ओझा, महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान, संजय तिवारी, साजिद हुसैन, अजय गुप्ता, राजू चौरसिया, सुनिल सिंह राठौर, नरेश गुप्ता, अर्जुन सिंह, परवेज अहमद, गुड्डु सिंह, जावेद इकबाल, अनिल भुईंया, ओमप्रकाश गोप, राशिद खान, अजित सिंह, सैयद अशरफ अली, अमर सिंह यादव, मुस्ताक अंसारी, राजीव कुमार मेहता, सदरूल होदा के अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

संगम ने 'वीर बाल दिवस' पर आयोजित की संकल्प सभा

संवाददाता

हजारीबाग। सागर भक्ति संगम के द्वारा 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर स्वर्ण जयंती पार्क में एक संकल्प सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु गोविंद सिंह पर आधारित एक गीत से हुआ, जिसमें गुरु की वीरता और बलिदान को याद किया गया। इस सभा में संगम के सदस्यों ने गुरु गोविंद सिंह के चार पुत्रों की शहादत को बच्चों के पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री को एक पत्र भेजा। उनका कहना था कि सिख धर्म के दसवें गुरु के पुत्रों की वीरता की कहानी को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में स्थान मिलना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी को उनकी वीरता और बलिदान से प्रेरणा मिल सके। संगम के संयोजक विजय केसरी ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, जुझार सिंह, फतेह सिंह और जोरावर सिंह ने हिंदू सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी, जो हमेशा स्मरणीय रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि आजकल की बदलती राजनीतिक और सामाजिक स्थिति में, जहां विदेशी शक्तियां देश की एकता और अखंडता को कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं, प्रत्येक परिवार को अपने बच्चों को साहस और नैतिकता की शिक्षा देनी चाहिए। विजय केसरी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' घोषित करना एक सराहनीय कदम है, जो बच्चों में वीरता और साहस की भावना को जागृत करेगा। समाजसेवी और व्यवसायी सतीश होर्रा ने अपने संबोधन में गुरु तेग बहादुर और उनके परिवार के बलिदान की बात की। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर की तीन पीढ़ियों ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया था, और यह देशवासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने 1705 में हुए चमकौर की लड़ाई का उल्लेख किया, जिसमें गुरु गोविंद सिंह ने औरंगजेब की सेना को खदेड़ने में सफलता प्राप्त की थी, भले ही उनकी सेना बहुत छोटी थी। यह उदाहरण आज के समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकता है। इस अवसर पर कार्यक्रम में संगम के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे, जिनमें संजय खत्री, पप्पू गुप्ता, मनोज गुप्ता, अजीत गुप्ता, मनीष होर्रा, कृष्ण मुरारी गुप्ता, राणा राहुल, अशोक राणा, महावीर ठाकुर, अखिलेश सिंह, सुरेश मिस्त्री आदि शामिल हुए। बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि आने वाली पीढ़ी में नैतिकता, साहस और देशभक्ति की भावना को बनाए रखा जाय।

पुलिस ने कुंदरू में अवैध पत्थर लदे एक ट्रैक्टर को किया जब्त

बड़कागांव। बड़कागांव पुलिस द्वारा बुधवार की रात्रि 8.30 बजे गुप्त सूचना के आधार पर अवैध पत्थर लदा हरा रंग का जोनडियर एक ट्रैक्टर जब्त करके बड़कागांव थाना परिसर लाया गया तथा आगे की करतमरवाई के लिए बड़कागांव अंचलाधिकारी को अग्रसारित किया गया है। वहीं पुलिस ने बताया कि कई ट्रैक्टरों से अवैध पत्थर ढुलाई की जानकारी पिछले कई दिनों से मिल रही थी। बीती रात जब ट्रैक्टर पकड़ी गई तो अन्य ट्रैक्टरों को भी जानकारी प्राप्त हो जाने के कारण अंधेरे रात का लाभ उठाकर गाड़ी को जंगल में छिपा कर भाग निकले। बताया गया कि अवैध पत्थर ढुलाई व खनन के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। वहीं अवैध पत्थर लदा ट्रैक्टर पकड़े जाने से पत्थर माफिया में हड़कंप मची हुई है। कार्रवाई में मुख्य रूप से एसआई अभिषेक कुमार के अलावे पुलिस जवान के सशक्त दल शामिल थे।

जीएम ग्रुप ऑफ कॉलेज ने खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन किया

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के जी.एम. ग्रुप ऑफ कॉलेज में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता सह पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन कॉलेज के प्राचार्य शंभू कुमार के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित हुआ। समापन समारोह का शुभारंभ कॉलेज के निदेशक विनय कुमार और प्राचार्य शंभू कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के खेल निदेशक रखो हरि, वरिष्ठ हिंदी व्याख्याता सुबोध सिंह शिवगीत, एनसीसी के सूबेदार जगदीश सिंह और पूर्व जियाडा निदेशक उदयभान सिंह ने तीन दिवसीय प्रतियोगिता के विजेताओं को मेडल, शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस आयोजन में क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, कैरमबोर्ड, कबड्डी, रिले रेस, रंगोली, रस्साकशी, मटका दौड़, शतरंज, मेहंदी, कविता, फोटोग्राफी, प्रश्नोत्तरी, लोकगीत और लोक नृत्य जैसी अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुबोध सिंह शिवगीत ने कहा कि यह संस्था शिक्षा और खेल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का सुधार ही समाज का सुधार है। खेल निदेशक रखो हरि ने जी.एम. कॉलेज द्वारा खेल और शिक्षा के क्षेत्र में बनाए गए नए आयामों की प्रशंसा की। सूबेदार जगदीश सिंह ने कहा कि खेल से न केवल स्वास्थ्य लाभ होता है, बल्कि जीवन में अनुशासन भी आता है। कॉलेज के निदेशक विनय कुमार ने विद्यार्थियों को खेल में हार और जीत को जीवन का हिस्सा मानते हुए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। प्राचार्य शंभू कुमार ने छात्रों को मोबाइल से दूर रहने और अपने शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेलकूद में भाग लेने की सलाह दी। तीन दिवसीय इस आयोजन में विद्यार्थियों और अभिभावकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर आयोजन का भरपूर आनंद उठाया।

पुलिस लाइन में आइसक्रीम फैक्ट्री का अवैध निर्माण, कार्रवाई की मांग

संवाददाता

हजारीबाग। पुलिस लाइन के आवासीय परिसर के निकट आइसक्रीम फैक्ट्री का अवैध निर्माण किया जा रहा है। यह निर्माण खाता संख्या 20, प्लॉट 837, रकबा 6 डिसमिल, थाना संख्या 136, महाल नूरा में हो रहा है। बताया जा रहा है कि यहां नियमों की अनदेखी करते हुए 6 डिसमिल जमीन पर 8 डिसमिल का निर्माण किया गया है। यह निर्माण आवासीय क्षेत्र के नियमों का उल्लंघन है, क्योंकि इस प्रकार के व्यावसायिक प्रतिष्ठान का निर्माण आवासीय परिसर में उचित नहीं है। कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के स्टेट कोऑर्डिनेटर सुरजीत नागवाला ने बताया कि इस संबंध में 9 सितंबर 2024 को उपायुक्त को पत्र लिखकर शिकायत की गई थी। हालांकि, अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध निर्माण कार्य निरंतर जारी है, जिससे स्थानीय निवासियों में गहरा आक्रोश है। सुरजीत नागवाला ने उपायुक्त से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और अवैध निर्माण कार्य को तत्काल रुकवाने की मांग की है। स्थानीय निवासियों ने भी प्रशासन से इस अवैध निर्माण को रोकने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कला हजारीबाग की शान, कलाकारों की पहचान

अपनी गायकी से अभिमन्यु सिन्हा उर्फ बबलू की बनी है पहचान

प्रदीप पाठक

हजारीबाग। रांची- पटना रोड मुफस्सिल थाना के निकट पुराना चेकपोस्ट के पास के रहने वाले अभिमन्यु कुमार सिंह उर्फ बबलू ने गायकी से अपना पहचान बनाई है। 1980 में हजारीबाग का पहला आर्केस्ट्रा ब्लैक मास्क से महज 10 वर्ष की आयु में लता दीदी के गाए हुए गानों से अपनी गायकी की शुरूआत की। बचपन में इनकी आवाज बहुत पतली एवं सुरीली थी, जिससे इन्होंने महिला गायिकाओं की खूब नकल की और ख्याति अर्जित की। उस दौर में इन्हें लोग बहुत पसंद किया करते थे। मोहम्मद रफी, किशोर दा, कुमार सानू, उदित नारायण, विनोद राठौर, भोजपुरी, नागपुरी लोकगीत गाने में इन्हें महारत हासिल है। 1985 में हिंदी साहित्य परिषद संत कोलंबस कॉलेज में गायकी में प्रथम स्थान मिला। 1996 में हजारीबाग युवा कला केंद्र द्वारा इन्हें बेस्ट गायक के रूप में सम्मानित किया गया था। 1997 में स्टार प्लस की मेरी आवाज सुनो ऑडिशन में भाग लिया। 1997, 1998, 2001 में सम्राट संस्था हजारीबाग की ओर से इन्हें गायकी के लिए सम्मानित भी किया गया। 5 फरवरी 1998 में मृदुला प्रसाद से विवाह के बंधन में बंधे। इन्हें परिवार से भी संगीत में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती रही। सन 2000 में हजारीबाग गैलेक्सी आर्केस्ट्रा का निर्माण किया, जिससे आज भी यह सुपरहिट कार्यक्रम करते रहते हैं। बिहार झारखंड मे बड़े-बड़े स्टेज शो करते आ रहे हैं। हजारीबाग आर्ट एंड कल्चरल ट्रस्ट के उपाध्यक्ष रहे। ट्रस्ट के हर कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपनी गायकी पेश की। नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक हैं। हजारीबाग के उपायुक्त नैंसी सहाय द्वारा आयोजित हजारीबाग झील एवं गांधी मैदान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आज भी बड़े-बड़े कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। झारखंड, बंगाल व बिहार के बहुत सारे कलाकार इनकी टीम से जुड़े हुए हैं।

अपनी कला के बदौलत हीं इनकी ख्याति अन्य राज्यों तक फैली है। वजह कार्यक्रमों में लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज कराना है। अपने कामों से अपना नाम एवं हजारीबाग का नाम रौशन कर रहे हैं।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में वीर बलिदानी दिवस पूरे ओज एवं उत्साह के साथ संपन्न

संवाददाता

हजारीबाग। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हार टोली ,हजारीबाग में वीर बलिदानी दिवस पूरे ओज एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह एवं उनके बेटे वीर बलिदानी जोरावर सिंह और फतेह सिंह की शहादत को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में वीर बलिदानी गुरु गोविंद सिंह ,जोरावर सिंह और फतेह सिंह के चित्र पर पुष्पार्चन आचार्य अनिल कुमार, आचार्य तारकेश्वर राय एवं नरेंद्र कुमार सिन्हा ने किया। मौके पर आचार्य तारकेश्वर राय ने गुरु गोविंद सिंह के दोनों पुत्रों जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह की वीरता की गाथा बताते हुए उन्हें सच्चे राष्ट्रभक्त एवं वीर योद्धा बताया।

उन्होंने मुगलों को अपनी वीरता का लोहा मनवाया। धर्म एवं देश की रक्षा के लिए दोनों ने अपने आप को बलिदान कर दिया। आप सभी भैया- बहन उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लें।कार्यक्रम में आचार्य नरेंद्र कुमार सिंहा ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह के दोनों पुत्रों ने देश की रक्षा के लिए एवं धर्म की रक्षा के लिए अपने आप को देश के लिए बलिदान कर दिया। गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह भारतीय संस्कृति के रक्षक के साथ-साथ एक सच्चे देशभक्त थे। आप सभी भैया- बहन उनके पद चिन्हों पर चलकर देश भक्ति का संकल्प लें। वहीं प्रभारी अनिल कुमार ने बाल दिवस पर प्रकाश डालते हुए बाल दिवस के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले जोरावर सिंह और फतेह सिंह को देश हमेशा याद रखेगा। मौके पर आचार्य राजीव रंजन राहुल पासवान, रामेश्वर गोस्वामी, कार्यालय प्रमुख कुमार प्रवीण, आचार्य बंधु- भगिनी एवं भैया - बहन उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 27 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

दीवार गिरने से बच्चे की मौत

कोलकाता। रघुनाथगंज के प्रसादपुर गांव में दर्दनाक हादसा हो गया। अपने दोस्तों के साथ खेलते समय एक चार साल के बच्चे की एक पुराने दिवार के टूटने और कुचलने से मौत हो गई। मृतक का नाम जय दास है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जय दास नाम का बच्चा रोज की तरह इस दिन सुबह भी अपने चार-पांच दोस्तों के साथ घर के बगल में खेल रहा था। तभी अचानक उस इलाके की एक पुरानी ईंट की दीवार बच्चे के ऊपर गिर गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत ईंटों का ढेर हटाया और जय को लहूलुहान हालत में बचाया और नजदीकी अस्पताल ले गए। लेकिन ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने जय को मृत घोषित कर दिया। स्थानीय निवासियों ने बताया कि दिवार काफी देर से झुका हुआ था। इस दिन जब बच्चे उस दीवार के पास खेल रहे था तो वह अचानक ढह गई। तभी चार साल का बच्चा ईंट के नीचे दबकर मर गया। मृतक के मशाई ने कहा, 'बच्चे हर दिन उस इलाके में खेलते थे। जय इस दिन वहाँ खेलने गया था। लेकिन किसी को इस बात का एहसास नहीं था कि दीवार अचानक गिर जाएगी। हालांकि दिवार झुकी हुई थी और उसकी चिनाई भी ढीली थी।'

इंस्पेक्टर से डीएसपी बने 101 पुलिस अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

पटना। बिहार में इंस्पेक्टर से पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) बने 101 अधिकारियों को नई जिम्मेदारी दी गई है। गृह विभाग की आरक्षी शाखा ने इसे लेकर गुरुवार को अधिसूचना जारी की है। राज्य सरकार ने सभी 101 प्रभारी डीएसपी को पदस्थापित किया है। ज्यादातर डीएसपी की पोस्टिंग अपराध अनुसंधान विभाग में की गई है। साथ ही कई डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस की पोस्टिंग निगरानी विभाग में किया गया है। जिलों में विशेष जांच डीएसपी के रूप में इनकी तैनाती की गयी है। कई डीएसपी की एसटीएफ में ताबदला किया गया है। डीएसपी के पोस्टिंग विभिन्न आईजी और डीआईजी के कार्यालयों में भी किया गया है। कई डीएसपी की पोस्टिंग निगरानी विभाग में की गई है। डीएसपी के पोस्टिंग आईजी और डीआईजी के दफ्तर में भी की गई है।

वीर बाल दिवस को लेकर कार्यक्रम आयोजित

भागलपुर। जिले के मध्य विद्यालय जगदीशपुर में गुरुवार को वीर बाल दिवस पर चित्रांकन, निबंध तथा स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित किया गया। इस पहले चेतना सत्र में मिथिलेश कुमार तथा पियूष कुमार साहिबजादा जोरावर सिंह तथा साहिबजादा फतेह सिंह प्रति रुप में उपस्थित हुए। इस अवसर बच्चों को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक आशुतोष चन्द्र मिश्र ने कहा कि धर्म और मानवता की रक्षा के लिए सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों - साहिबजादा जोरावर सिंह तथा फतेह सिंह ने प्राण न्यौछावर किए। उन्हीं बलिदान को समर्पित है वीर बाल दिवस। इस कार्यक्रम में शिक्षक अंजुम रागीब अहसन, नीरज कुमार, मुरली कुमार मंडल, कौशिल्या कुमारी, प्रतिमा मिश्रा, भारती कुमारी, बाल संसद के ज्योति, राखी, शबनम, अंशिका सहित सभी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

अभिषेक बनर्जी के नाम पर पांच लाख की मांग, तीन गिरफ्तार

कोलकाता । अभिषेक बनर्जी का नाम लेकर कालना नगरपालिका के चेयरमैन को धमकी देने और पांच लाख रुपये की मांग करने के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी हुगली से हुई है। चेयरमैन की शिकायत पर शेक्सपियर सरणी थाने की पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रैक कर तीनों को पकड़ा। कालना नगरपालिका के चेयरमैन को बुधवार की शाम एक अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को अभिषेक बनर्जी के कार्यालय का सदस्य बताया और दावा किया कि चेयरमैन के खिलाफ वित्तीय गड़बड़ी के कई आरोप लगे हैं। धमकी दी गई कि यदि पांच लाख रुपये नहीं दिए गए तो उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई होगी। चेयरमैन को इस कॉल पर शक हुआ और उन्होंने कोलकाता पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर फोन नंबर की लोकेशन ट्रैक की। लोकेशन हुगली का पाया गया। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्तियों में जुनैदुल हक चौधरी, शुभदीप मल्लिक और शेख तसलीम शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपित जुनैदुल हक चौधरी पहले भी इसी तरह की धोखाधड़ी के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। जमानत पर रिहा होने के बाद उसने इस बार कालना नगरपालिका के चेयरमैन को निशाना बनाया। लेकिन उससे पहले ही साजिश का पदार्फाश हो गया। कोलकाता पुलिस ने तीनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया है और मामले की आगे जांच की जा रही है।

प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ तीन गिरफ्तार

कोलकाता। भक्तिनगर थाना की पुलिस ने प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के नाम मोहम्मद नजरुल इस्लाम, कृष्णो दास और बाप्पी पाल है। सूत्रों के अनुसार, भक्तिनगर थाना की पुलिस ने बुधवार देर रात गुप्त सूचना के आधार पर ईस्टर्न बाईपास इलाके में अभियान चलाकर एक पिकअप वैन को रोक कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान पिकअप वैन से एक लाल रंग के बैग से 60 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस ने वाहन चालक सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। भक्तिनगर थाना की पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी में रीगा चीनी मिल का किया उद्घाटन

एजेंसी

पटना। प्रगति यात्रा के पहले चरण के तीसरे दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सीतामढ़ी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यहां वर्षों से बंद पड़ी रीगा चीनी मिल का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान सीतामढ़ी का एक महत्वपूर्ण दौरा किया है। इस दौरान उन्होंने करोड़ों रुपये की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया और नौका विहार का उद्घाटन किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने बंद पड़े रीगा चीनी मिल का भी उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने समाहरणालय में एक समीक्षा बैठक भी की, जिसमें विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। चीनी मिल के उद्घाटन से क्षेत्र के गन्ना किसानों में खुशी की लहर है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले रीगा चीनी मिल के उद्घाटन को जिले के लिए बड़ी सौगात माना जा रहा है। इससे पहले सीतामढ़ी के सांसद और विधायकों ने मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया। नीतीश कुमार विकास कार्यों को गति देने और स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया है। इस दौरान कई मंत्री और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

आईईएम के पूर्व छात्र मैनाक मंडल के इनोवेटिव उपकरण को मिला पेटेंट

संवाददाता

कोलकाता। एक अभूतपूर्व उपलब्धि में, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (आईईएम) के पूर्व छात्र मैनाक मंडल ने अपने अभिनव महिला सुरक्षा उपकरण के लिए पेटेंट हासिल किया। इंटरनेट-एडेड इमरजेंसी अलर्ट और महिलाओं के लिए रेडी-टू-शॉक सेफ्टी ग्लव्स शीर्षक वाला यह उपकरण महिलाओं को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यावहारिक समाधान प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। शहर के एक नवप्रवर्तक मैनाक ने आईईएम में अपने कॉलेज के वर्षों के दौरान इस उपकरण को विकसित किया। उन्हें संस्थान के संकाय सदस्यों से अपार समर्थन मिला, जिन्होंने परियोजना विकास प्रक्रिया के दौरान उनका मार्गदर्शन किया। मैनाक ने कहा, मैं प्रबीर कुमार दास, अविजीत बोस और अरुण कुमार बर सहित अपने गुरुओं का उनके अमूल्य मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए आभारी हूं। मैं हमारे निदेशक प्रोफेसर डॉ. सत्यजीत चक्रवर्ती को उनके नेतृत्व और दूरदर्शिता के लिए भी धन्यवाद देता हूं, जिससे मुझे यह पेटेंट हासिल करने में मदद मिली। मैनाक का पेटेंटेड सुरक्षा दस्ताना एक महत्वपूर्ण नवाचार है, खासकर कोलकाता में महिला सुरक्षा चिंताओं के संदर्भ में। इस डिवाइस को एक संभावित गेम-चेंजर के रूप में देखा जाता है, जो वास्तविक दुनिया के मुद्दे का व्यावहारिक समाधान पेश करता है।

तमाम चुनौतियों के बावजूद विकास की राह पर बढ़ती रही पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था

एजेंसी

कोलकाता। वर्ष 2024 में पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था तमाम चुनौतियों के बीच विकास की राह पर अग्रसर रही। एक तरफ राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 10.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ राष्ट्रीय औसत 7.32 प्रतिशत से आगे रहा, वहीं दूसरी तरफ उद्योगों के पलायन और वित्तीय समस्याओं ने चिंताएं बढ़ाईं। राज्य की वित्त मंत्री चन्द्रिमा भट्टाचार्य के मुताबिक मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र ने 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो देश के औसत से अधिक रही। न्यू टाउन में 426 करोड़ रुपये की लागत से इंफोसिस ने अपने नए केंद्र का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे राज्य के लिए नया साल का तोहफा बताया और आईटी क्षेत्र में और निवेश की उम्मीद जताई। श्याम स्टील और धुनसेरी पॉलिफिल्म्स ने 2,100 करोड़ रुपये के निवेश से अपने प्रोजेक्ट शुरू किए, जिनसे पांच हजार से अधिक रोजगार सृजित होंगे। राज्य सरकार ने न्यू टाउन में 200 एकड़ का सिलिकॉन वैली प्रोजेक्ट भी शुरू किया है, जिससे 27 हजार करोड़ रुपये का निवेश और 75 हजार नौकरियां मिलने की उम्मीद है।

सूक्ष्म उद्योग और नौकरियां सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग क्षेत्र ने भी मजबूत प्रदर्शन किया है। 2024-25 में 1.53 लाख करोड़ रुपये का ऋण लक्ष्य रखा गया है, जो पिछले वर्ष के 1.42 लाख करोड़ रुपये से 7.7 प्रतिशत अधिक है।हालांकि, राज्य में कंपनियों के पलायन की समस्या गहरी हो रही है। वर्ष 2019 से 2024 के बीच दो हजार 227 कंपनियां, जिनमें 39 सूचीबद्ध कंपनियां भी शामिल हैं, अपने कार्यालय बंगाल से अन्य राज्यों में स्थानांतरित कर चुकी हैं। राज्य की जीडीपी में वर्ष 1960-61 में 10.5 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी, जो 2023-24 में घटकर 5.6 प्रतिशत रह गई। वित्तीय प्रबंधन में भी सुधार की जरूरत है। वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में राजस्व व्यय में 13.5 प्रतिशत वृद्धि हुई, लेकिन पूंजी व्यय केवल 7.7 प्रतिशत बढ़ पाया।आगे की योजना राज्य सरकार फरवरी 2025 में बंगाल वैश्विक व्यापार सम्मेलन आयोजित करेगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे राज्य में निवेश आकर्षित करने का बड़ा अवसर बताया है। विशेषज्ञों का कहना है कि राज्य को प्रशासनिक सुधार और व्यापार के अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में तेजी से काम करना होगा, ताकि निवेशकों का विश्वास बढ़ाया जा सके और औद्योगिक पलायन रोका जा सके। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम बंगाल को संतुलित और सतत विकास के लिए नीतिगत सुधार और दीर्घकालिक रणनीति पर काम करना जरूरी है।

नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर पार्टी में चल रही तरह-तरह की कवायद

संवाददाता

कोलकाता। इस विवाद पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने अपना मुंह खोला। नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर पार्टी में तरह-तरह की कवायद चल रही है। कई नाम सामने आ रहे हैं। तथागत रॉय की ओर से फिर अर्जुन सिंघा ने विपक्षी नेता सुवेंदु अधिकारी से प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर सवाल उठाया है। ऐसे में बंगाल बीजेपी के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने बुधवार को कहा, "पार्टी के प्रति सभी की जिम्मेदारी होनी चाहिए। सुकांत मजूमदार की बीजेपी के प्रति जिम्मेदारी है। सांसद हों या न हों, सुकांत भाजपा के हैं। अगर बीजेपी का एक भी सांसद नहीं होगा तो भी ऐसा नहीं होगा। अभी भी शब्दों की बात करें तो सुकान्त अब भी भाजपाई ही रहेंगे।
पद्मा खेमे ने सुकांत की टिप्पणियों को पार्टी के प्रति उनकी जिम्मेदारी की याद दिलाने के लक्ष्य के रूप में भाजपा की पहचान पर प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। दूसरी ओर, प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन पर पार्टी कार्यक्रम से दावा किया, "भाजपा सुशासन ला सकती है। 2026 में बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी। हम पश्चिम बंगाल में सुशासन आने का इंतजार कर रहे हैं। पत्रकारों के सवालों के जवाब में तृणमूल के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने सुकांत के सुशासन संबंधी बयान का मुंह खोला। कुणाल ने सुकांत को याद दिलाया, सबसे अच्छी राज्य सरकार ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार है। सुकान्त को याद होगा कि जब भी वह अटल बिहारी वाजपेई का नाम लेते हैं, तब वाजपेई ने गुजरात जाकर तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को राजधर्म का पालन करने का आदेश दिया था, जो मोदी ने राजधर्म का पालन नहीं किया, उन्हें वाजपेई को राजधर्म सिखाना पड़ा।"
कुणाल ने दावा किया, "अब पश्चिम बंगाल में विकास अन्य राज्यों की तुलना में अधिक है। विकास के मामले में पश्चिम बंगाल विभिन्न मापदंडों में आगे है। सुकांत मजूमदार, राहुल सिन्हा बुधवार सुबह भाजपा के साल्ट लेक पार्टी कार्यालय में अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के अवसर पर एक समारोह में उपस्थित थे। इस दिन बीजेपी ने पूरे प्रदेश में विभिन्न सेवा कार्यक्रमों के जरिए सुशासन दिवस मनाया।

लाखों की ठगी में शामिल 10 साइबर अपराधी गिरफ्तार

नवादा। साइबर क्राइम का हब बन चुका नवादा में पुलिस ने शिकंजा कसते हुए विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर गुरुवार को 10 शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। नवादा के जालसाजों के द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों से धनी फायनांस, बजाज फायनांस, मोबाइल टावर और विभिन्न बैंक से सस्ते दर पर लोन आदि के नाम पर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे।साइबर फ्रॉड का हॉट स्पॉट बना नवादा साइबर थाना की पुलिस ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के केंदुआ, कादिरगंज थाना क्षेत्र के अतौआ गांव, काशीचक थाना क्षेत्र के नयाडीह गांव में छापेमारी कर साइबर अपराध में शामिल 10 साइबर ठग को धर-दबोचा है। बताया जाता है कि ये साइबर ठग पिछले कई वर्षों से साइबर ठगी के धंधे में लिप्त थे। साइबर डीएसपी प्रिया ज्योति के मुताबिक गिरफ्तार साइबर ठग एक सप्ताह में 5 से 10 लाख रुपये कमाते हैं और उस ठगी किए गए रुपये को आपस में बांटते हैं। पुलिस इनके गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

प्राथमिक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में चार्ज गठन शुरू

संवाददाता

कोलकाता। प्राथमिक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में आखिरकार चार्ज गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई। पार्थ चटर्जी, अर्पिता मुखर्जी समेत कुल 54 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मामले से जुड़े सभी लोग गुरुवार को कोर्ट में मौजूद थे। नतीजा यह हुआ कि आरोप गठन की प्रक्रिया में कोई बाधा नहीं आयी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने ईडी की विशेष अदालत के समक्ष भर्ती भ्रष्टाचार मामले के दस्तावेज जमा किये।

आरोप तय करने की प्रक्रिया ईडी के विशेष लोक अभियोजक से पूछताछ के साथ शुरू होती है। नियमानुसार उन्होंने कोर्ट को मामले की जानकारी दी। केस से छूट के लिए पहले ही कोर्ट में आवेदन कर दिया है। शुक्रवार को अर्पिता मुखोपाध्याय, कुंतल घोष, माणिक भट्टाचार्य, उनकी पत्नी शतरूपा और बेटा सौविक केस से राहत के लिए अर्जी दाखिल कर सकते हैं। जिन लोगों ने कोर्ट केस से छूट मांगी है उन पर शुक्रवार को सुनवाई होगी। तभी चार्ज गठन पूरा होगा। इस मामले में पिछले सोमवार को आरोप तय होने थे। लेकिन उस दिन 9 आरोपियों ने केस से छूट के लिए आवेदन किया। इससे चार्ज गठन रुक जाता है। गौरतलब हो कि पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में 16 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिल गयी थी। इसके बाद इस मामले में आरोप तय करने की प्रक्रिया शुरू हुई। कोर्ट का आदेश था कि अगले 24 घंटे के अंदर दस्तावेज ईडी को सौंपे जाएं। इसी तरह चार्ज गठन को लेकर भी ईडी भी सक्रिय हैं।

छठी अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी 'फोटोफुनिया' आईसीसीआर की बंगाल गैलरी, कोलकाता में शुरू

संवाददाता

कोलकाता। छठी अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी 'फोटोफुनिया' आईसीसीआर की बंगाल गैलरी, कोलकाता में शुरू हो गई है। प्रदर्शनी का उद्घाटन 25 दिसंबर की क्रिसमस शाम को पश्चिम बंगाल सरकार के वित्त मंत्रालय के तहत राजस्व विभाग के संयुक्त आयुक्तों में से एक और 'लाइट रीडिंग फोटोग्राफी' के संस्थापक और प्रसिद्ध फोटोग्राफर और प्रदर्शनी के न्यायाधीश अनुपम हालदार द्वारा किया गया। संतु अधिकारी और अभिनेता रिद्धि सेन प्रदर्शनी की बिचारक थे। फोटोफुनिया की दो शीर्ष हस्तियां सुब्रत रॉयचौधरी और जयंती सरकार ने बताया कि प्रकृति, वन्य जीवन, पक्षी, दैनिक जीवन, यात्रा आदि आठ श्रेणियों में देश-विदेश के 108 फोटोग्राफरों की 305 तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। फोटोग्राफर अनुपम हालदार ने कहा,फोटोग्राफी के प्यार को एक मंच पर लाने के लिए अलग-अलग जगहों से कुछ लोग एक साथ आए हैं। यह खुशी की बात है। अभिनेता रिद्धि सेन ने कहा, एक अच्छा कैमरा या मोबाइल एक अच्छी तस्वीर लेने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके लिए एक विशेष परिप्रेक्ष्य की आवश्यकता होती है। वह विशेष परिप्रेक्ष्य फोटोग्राफी प्रदर्शनी में परिलक्षित होता है।फोटोग्राफर और फोटोग्राफी सलाहकार और जज संतु अधिकारी ने कहा, सोशल मीडिया समूहों की इतनी बड़ी प्रदर्शनी वास्तव में सराहनीय है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मोबाइल फोटोग्राफी का भी प्रदर्शन किया गया है, जिसका अर्थ है कि पेशेवर और शौकिया दोनों फोटोग्राफरों ने प्रदर्शनी में भाग लिया है। दो दिवसीय प्रदर्शनी 26 दिसंबर तक चली। दर्शक दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे तक प्रदर्शनी का अवलोकन किये।

केंद्र की मोदी सरकार के गठन के बाद बिहार के विकास को लगे पंख

एजेंसी

पटना। वर्ष 2024 को अलविदा होने में चंद दिन शेष रह गए हैं। वैसे तो बिहार के लिए यह साल कई मायनों में खास रहा है लेकिन केंद्र में बीते 10 जून को भारतीय जनता पार्टी नीत राजग सरकार के गठन के बाद से बिहार के विकास को जैसे पंख लग गए हैं। कुल मिलाकर कहें तो यह साल बिहार के लिए उपलब्धियों से भरा रहा है। बिहार के लिए विशेष पैकेज वर्ष 2024 के आम बजट में बिहार को केंद्र सरकार से विशेष पैकेज मिला। बिहार के लिए 60,000 करोड़ रुपये का पैकेज घोषित किया गया, जिसमें 26,000 करोड़ रुपये एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए और 11,500 करोड़ रुपये बाढ़ प्रबंधन के लिए आवंटित किए गए। दरभंगा में एम्स का शिलान्यास और बिहार में 5 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा जैसे कदम आने वाले दिनों में बिहार के विकास में महत्वपूर्ण साबित होंगे। 01 लाख 50 हजार करोड़ की लागत से बनेगा एक्सप्रेस-वे बिहार की समृद्धि और विकास के लिए दो बड़े ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण होगा। इसमें पहले एक्सप्रेस-वे पर करीबन 15 हजार करोड़ रुपये की लागत आयेगी। इससे 367 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे बनेगा। इसके अन्तर्गत उत्तर बिहार के पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय और दक्षिण बिहार के दो जिले लखीसराय, जमुई शामिल हैं। दूसरा एक्सप्रेस-वे 20 हजार करोड़ को होगा। बिहार में कुल 11 आरओबी बनेंगे। इसमें जहानाबाद, विक्रमगंज, नवादा, मधुबनी, कटिहार, मुंगेर, चंपारण शामिल हैं। आरा-बक्सर एक्सप्रेस-वे पर 8000 हजार करोड़ रुपये खर्चे जायेंगे, जो 168 किलोमीटर लम्बा होगा। यह प्रोजेक्ट पूरा करने का लक्ष्य सितम्बर, 2025 तक है। इसके अलावा पटना-बेतिया ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे 7000 करोड़ की लागत से 171 किलोमीटर का है, जिसका पूरा करने का लक्ष्य, 2026 तक है। मुंगेर से विध्यांचल कॉरिडोर की लागत 7000 करोड़ रुपये है। पूरा करने का लक्ष्य दिसम्बर, 2024 तक है। इसके साथ गंगा नदी पर 9.50 किलोमीटर लंबा छह लेन पुल का निर्माण भी शामिल है। उत्तर बिहार को पटना से जोड़ने के लिए 30 हजार करोड़ की लागत से सड़क का निर्माण होगा, जिसको पूरा करने का लक्ष्य 2027 तक का है। बुद्ध सर्किट से जुड़ी बिहार की परियोजनाएं आने वाले कुछ महीने के अंदर पूरी हो जाएंगी। रामजानकी मार्ग के तहत 240 किलोमीटर लंबी परियोजना के तहत 90 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण अगले वर्ष फरवरी में पूरा हो करने का लक्ष्य निर्धारित है। शेष 160 किमी लंबी सड़क के लिए मार्च 2025 तक डीपीआर बना लिया जाएगा।
इसके अलावा 21,000 करोड़ रुपये की राशि से पीरपैती में 2,400 मेगावाट का पावर प्रोजेक्ट और गया में औद्योगिक पार्क की योजना भी बनाई गई। इस उद्योग पार्क में 800 करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी, जो लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करेगा। लटकी परियोजनाओं को हरी झंडी वर्ष 2024 में बिहार की कई लंबित परियोजनाओं को गति मिली। पूर्णिया और बिहटा एयरपोर्ट, दरभंगा एम्स और सड़क परियोजनाओं का रास्ता साफ हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जहां दरभंगा में एम्स के निर्माण का शिलान्यास किया, वहीं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बिहार में 5 लाख करोड़ रुपये रोड सेक्टर में खर्च करने की घोषणा की।
बिहार में बड़े प्रोजेक्ट्स की शुरूआत इस वर्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कई नई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें पटना मरीन ड्राइव (दीघा से पटना सिटी तक), सिमरिया रिवर फ्रंट, राजगीर में बिहार का पहला खेल विश्वविद्यालय और अंतरराष्ट्रीय खेल स्टेडियम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त बिहार में ग्रामीण सड़कों के सुधार के लिए 25,000 करोड़ रुपये खर्च करने का भी निर्णय लिया गया। वर्ष 2024 बिहार के लिए विकास और समृद्धि का वर्ष साबित होगा। केंद्र की मोदी सरकार और बिहार की नीतीश सरकार ने फैसले लिए हैं, उनका प्रभाव स्पष्ट रूप से आने वाले वर्षों में दिखेगा।

तृणमूल कर्मी पर हत्या का आरोप

संवाददाता

कोलकाता। नंदीग्राम में तृणमूल कर्मी की हत्या से सनसनी। गुरुवार की सुबह तृणमूल कर्मी महादेव बिषयी का रक्तरंजित शव उनकी दुकान से बरामद किया गया। उनको हत्या किया गया ये आरोप उठा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर आई। पुलिस को देख स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। पता चला है कि मृतक तृणमूल कर्मी की उम्र 52 साल है। वह नंदीग्राम 1 ब्लॉक के गोकुलनगर पंचायत क्षेत्र के वृन्दावन चौक के निवासी थे। महादेव तृणमूल बूथ कर्मी थे। वह पार्टी के लगभग सभी कार्यक्रमों में नियमित तौर पर नजर आते थे। उनकी वृन्दावन चौक के बाजार क्षेत्र में चाय-खाने की दुकान है। आरोप है कि बुधवार की रात दुकान बंद कर वापस लौटते समय कुछ बदमाशों ने उसे उठा लिया। रात को वह घर नहीं लौटा। गुरुवार सुबह उसका रक्तरंजित शव दुकान के सामने मिला। दोनों पैर टूट गये। उसके हाथों पर भी घाव थे। पता चला है कि 25 दिसंबर को भाजपा कार्यकर्ता वृन्दावन चौक पर पिकनिक मना रहे थे। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि महादेव बिषयी को उनकी तृणमूल सदस्यता के कारण ईर्ष्यावश उठाकर ले जाया गया और पीट-पीटकर मार डाला गया। हालांकि, बीजेपी ने आरोपों से इनकार किया है। इस बीच जब पुलिस मौके पर पहुंची तो स्थानीय पंचायत समिति सदस्य साहिब दास, भोलानाथ कामिला, अनुप मैती की गिरफ्तारी की मांग को लेकर तृणमूल ने विरोध प्रदर्शन किया। कथित तौर पर स्थानीय बीजेपी नेतृत्व ने पहले भी इस महादेव को जान से मारने की धमकी दी थी।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 27 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

अंतरराज्यीय लुटेरों के गैंग के नौ सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता

पलामू। पलामू प्रमंडल अंतर्गत गढ़वा पुलिस को सड़क लुटेरों के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। लुटेरों के गैंग के नौ सदस्य पुलिस के गिरफ्त में आए हैं। गिरफ्तार अपराधियों में गढ़वा के टंडवा का तैकीर आलम, शिरीया टोंगर का निशार अंसारी उर्फ छोटू, इम्माम अंसारी, परसवान का फिरदौश अंसारी, कदवन का सदरे आलम, पतिहारी का अलताफ अंसारी, बिहार के गया का बुटू यादव, पंकज कुमार यादव और पलामू के चैनपुर का शत्रुधन चौरसिया शामिल है।

गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में एसपी दीपक पांडेय ने बताया कि 20 दिसंबर की रात अपराधियों ने एक 18 चक्का ट्रॉली गढ़वा थाना क्षेत्र के रंका रोड में ओबरा के पास से लूट कर फरार हो गए थे। अपराधी ट्रेलर लूटने अशोका लीलैड चेचिस इंजन और बलेनो कार से पहुंचे थे।

ओवर टेक कर ट्रेलर को लूट था। इस मामले में गढ़वा थाना में एफआईआर दर्ज हुई थी।

एसपी ने बताया कि लुटेरों की गिरफ्तारी के लिए गढ़वा एसडीपीओ नीरज कुमार के नेतृत्व मे एक पुलिस टीम का गठन किया गया था। अपराधियों की जानकारी जुटाने में टीम लगी हुई थी। इसी क्रम में पुलिस टीम की त्वरित कारवाई से घटना में लूटे गए ट्रॉली और इंजन को रंका के जेपीएस लाईन होटल और लरकोरिया में इम्तियाज होटल के पास से बरामद किया गया ।

छापेमारी टीम ने घटना में शामिल अंतरराज्यीय लुटेरों गैंग के सभी नौ अपराधियो को अलग अलग जगहो से गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर लूट में प्रयोग किया गया बलेनो कार और अशोका लीलैंड के चेचिस इंजन को भी बरामद कर लिया है।

एसपी ने बताया कि गिरफ्तार लुटेरों ने 26 अगस्त की रात रेहला-गढ़वा रोड बेलचम्पा के पास से एक ट्रॉली को लूट लिया था। लूटे गए ट्रॉली को बरामद करने के लिए एक टीम को राज्य से बाहर भेजा गया है। लूटे गए ट्रॉली का पहचान छिपाने के लिए चांडील के पास एक गैरेज में पेन्ट करा दिया गया है।

इस कांड में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार को भी बरामद किया गया है। 18 चक्का ट्रॉली को लूटकर 17 लाख की ट्रॉली पांच लाख में दूसरे राज्य में बेच देते थे। दोनों ही लूट में प्रयोग किया गया अशोक लीलैंड का चेचिस शेरघाटी के रहने वाले बुटू यादव का है।

संक्षिप्त खबरें

एसपी के निर्देश पर ड्रिंक एंड ड्राइव वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया

मेदिनीनगर। पलामू एसपी रिष्मा रमेशन के निर्देश पर ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद के नेतृत्व में शहर के छह मुहान चौक के पास बुधवार की रात ड्रिंक एंड ड्राइव वाहन जांच अभियान चलाया गया। वाहन चेकिंग के दौरान ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद के द्वारा वाहन चलाने वाले लोगों को रोक कर उनके मुंह में ब्रेथ एनालाइजर मशीन लगाकर शराब की जांच की गई।इस क्रम में शराब स्पीकर वाहन चलाने वाले दो युवको के बाइक को जब्त करते हुए शहर थाना परिसर में फाइन के लिए रखा गया है।वही मौके पर उपस्थित ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद ने वाहन चालकों को समझते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति शराब का सेवन कर वाहन न चलाए।यदि शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़े जाते हैं तो कानूनी कार्रवाई करते हुए वाहन को जप्त कर फाइन किया जाएगा।उन्होंने कहा कि अभी हाल में अधिकतर दुर्घटनाएं बिना हेलमेट पहनकर वाहन चलाने और शराब के नशे में हो रही है। उन्होंने लोगों को हेलमेट पहनकर वाहन चलाने के साथ साथ शराब के नशे में वाहन नहीं चलाने का सलाह दिया है।

ड्रिंक एंड ड्राइव के तहत चलाया गया वाहन चेकिंग अभियान

मेदिनीनगर। पलामू एसपी के निर्देश पर शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार और एसआई स्वाति गुप्ता के नेतृत्व में बुधवार की रात शहर थाना के समीप ड्रिंक एंड ड्राइव के तहत सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहन चेकिंग अभियान के दौरान सभी चार पहिया और दो पहिया वाहन को रोककर उनकी गहनता पूर्वक जांच की गई और वाहन चलाने वाले व्यक्ति के मुंह में ब्रेथ एनालाइजर मशीन लगाकर शराब की जांच की गई।वही मौके पर उपस्थित शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने लोगों से आग्रह किया है कि लोग वाहन चलाते समय शराब का सेवन ना करें।यदि शराब का सेवन कर वाहन चलाते पकड़े जाते हैं तो कानूनी कार्रवाई के तहत फाइन किया जाएगा।उन्होंने कहा की बाइक चलाने वाले हेलमेट का इस्तेमाल जरूर करें. अगर आप कार चला रहे हैं, तो सीट बेल्ट जरूर बांध लें. चालकों से यह भी अपील की है कि अपने साथ गाड़ी के सभी कागजात जरूर रखें।उन्होंने वाहन चालकों के साथ-साथ राहगीरों को भी यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी। वाहन चेकिंग अभियान के दौरान मौके पर शहर थाना के एएसआई राजेश कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे।

इलाज के दौरान पुलिस जवान की मौत, परिजनों का रो-रोकर हुआ बुरा हाल

लातेहार। बरवाडीह प्रखंड क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी महेंद्र सिंह पिता वृजमोहन सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। महेंद्र सिंह के पत्नी रामरती देवी ने बताया की उनके पति दुमका में झारखंड पुलिस में तैनात थे। बुधवार की रात ड्यूटी से लौटने के बाद खाना खाते समय अचानक उनको घबराहट होने लगा। जिसके बाद पुलिस जवानो के सहयोग से उन्हें इलाज के लिए दुमका हास्पीटल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। महेंद्र सिंह अपने पिछे चार लड़की दो लड़का सहित भरा पूरा परिवार छोड गए है। लड़का का नाम अरविंद सिंह दिलिप सिंह है चार लड़की में तीन का शादी हो गया है और एक लड़का एक लड़की की शादी इसी वर्ष होने वाला था। महेंद्र सिंह के मौत के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। महेंद्र सिंह के मौत के बाद कल्याणपुर गांव में मातम छाया हुआ है। ग्रामीणों ने कहा की हमलोग के बीच झारखंड पुलिस के जवान महेंद्र सिंह नहीं रहे बहुत नेक इंसान थे। हम सभी ग्रामीणों के बीच हर सुख दुख में साथ रहते थे।

'सर्वेश्वरी समूह' परमपूज्य अघोरेश्वर भगवान राम की हैं योग लीला : रागिनी

संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्रामपुर पलामू श्री सर्वेश्वरी समूह एक ऐसी संस्था है जिसके पीछे एक प्रेरणा व शक्ति कार्य कर रही है। परमपूज्य अघोरेश्वर भगवान राम के द्वारा काशी में 21 सितम्बर 1961 में'श्री सर्वेश्वरी समूह' की स्थापना करके एक नवीन युगीन धरातल व गौरव प्रदान किया। 'श्री सर्वेश्वरी समूह' परमपूज्य अघोरेश्वर भगवान राम की योग लीला है। यह एक ऐसा संगठन है जो सम्पूर्ण विश्व के कल्याणार्थ मार्गदर्शक का कार्य करता है। यह समाज-सेवा करने वाली संस्था है। उक्त बातें सर्वेश्वरी समूह की मेदिनीनगर शाखा की उपाध्यक्ष रागिनी राय ने कहा? गुरुवार को विश्रामपुर में 29 दिसंबर को आयोजित होने वाली निःशुल्क चिकित्सा शिविर को लेकर विश्रामपुर राज परिवार के गढ़ में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे?। उन्होंने कहा कि किसी जाति, धर्म, सम्प्रदाय, देश व राजनैतिक दल से इसका सम्बन्ध नहीं है।

जो काम, क्रोध, मद, लोभ-मोह व मात्सर्य से दूर है वही इस समूह से लाभान्वित हो सकता है। प्रदूषित समाज को पवित्रता व महानता से भर देना इसका लक्ष्य है। जब लोगों को सांसारिकता से परेशानी और व्याकुलता हो जाती है तो ह्यश्री सर्वेश्वरी समूह' की शरण में आकर सुखानुभूति करते हैं। 'श्री सर्वेश्वरी समूह' के लोग बकवास नहीं करते। अभद्रता की इसमें कतई गुंजाइश नहीं है। यह एक ऐसी संस्था है जिसके लक्ष्यों में संकीर्णता के लिये बिलकुल जगह नहीं है।

कहां कि यह मानव-जाति को पूर्ण विकसित मानसिकता प्रदान करती है। विचारों और भावों की संकीर्णता मृत्यु के समान है और दोनों का विस्तार जीवन है। इस संस्था के माध्यम से लोगों को पूर्ण मानवता का सजग प्रहरी बनने में पूरी मदद मिलती है।

वे सभी लोग इसके अपने हैं जिनके चित्त पवित्र हैं। लोगों को परोपकार की तरफ ले जाना ही इस संस्था का पावन उद्देश्य है। कहां कि श्री सर्वेश्वरी समूह के प्रयागराज, वाराणसी व पलामू प्रमंडलीय शाखा द्वारा आगामी 29 दिसंबर को विश्रामपुर जनता उच्च विद्यालय के मैदान में निःशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में 25 विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी टीम के साथ रोगियों का जांचोपरांत इलाज करेंगें।

विश्रामपुर सर्वेश्वरी समूह के महामंत्री नागेंद्र पांडेय, रंजीत सिंह राय, राहुल सिंह, चिंसू सिंह, राजन पांडेय आदि समूह के सदस्यों ने कहा कि शिविर में एलोपैथी, होमियोपैथी व नैचुरोपैथी पद्धति से सभी रोगों का इलाज होगा। शिविर में आने वाले रोगियों की जांच को लेकर पैथलोजी केंद्र की भी व्यवस्था की गई है। जहां जांचोपरांत व चिकित्सकों के परामर्श के अनुसार इलाज किया जाएगा। अनुभवी चिकित्सकों के द्वारा मरीजों को उचित परामर्श के साथ मुफ्त दवा भी दिया जाएगा। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले वैसे मरीज जो शिविर तक पहुंचने में असमर्थ हैं। उन्हें समूह द्वारा वाहन की भी सुविधा उपलब्ध कराया जाएगा।

जिला स्तरीय रबी कर्मशाला का आयोजन

मेदिनीनगर। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र चियांकि के सभागार में गुरुवार को जिला स्तरीय रबी कर्मशाला 2024 का आयोजन किया गया।जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा देवी,उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद व जिला कृषि पदाधिकारी दीपक वर्मा ने दीप प्रज्वलन कर कर्मशाला का शुभारंभ किया।इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष ने सभी किसानों से इस कर्मशाला में अधिकाधिक लाभ लेने की अपील की।उन्होंने कृषि से जुड़े पदाधिकारियों से लग्न के साथ कार्य करने की बात कही ताकि किसानों की आय दुगुनी किया जा सके।वहीं उप विकास आयुक्त श्री अहमद ने कहा कि कृषि को बढ़ावा देने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से प्रगतिशील किसान को कृषि के क्षेत्र में बहुत लाभ होता है।रबी फसल का उत्पादन कैसे बेहतर हो उसी को लेकर यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जहां किसानों को रबी फसल के बारे में विस्तृत जानकारी दी जायेगी।उन्होंने सामूहिक कृषि पर जोर देते हुए किसानों के उत्पादक समूह को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करने की बात कही।वहीं कृषि पदाधिकारी दीपक वर्मा ने रवि मौसम में बीज की बुवाई से लेकर कटाई तक की तकनीकी जानकारी किसानों से साझा की।

महात्मा गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष बने 100 वर्ष पूरा होने पर हुआ कार्यक्रम

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को कांग्रेस अध्यक्ष बने 100 वर्ष पूरा होने पर आयोजित शताब्दी समारोह के अवसर पर टाउन हॉल स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के प्रतिमा के समक्ष राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवनी पर चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। सर्वप्रथम जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक सोमेश्वर प्रसाद दीनानाथ तिवारी श्याम नारायण सिंह विमला कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर-के कार्यक्रम का उद्घाटन किया कार्यक्रम का संचालन अजय साहू ने किया मौके पर जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि देश की आजादी के इतिहास में 26 दिसंबर 1924 को ऐसे दिन के रूप में याद किया जाएगा, जहां से कांग्रेस ने ब्रिटिश सरकार को उखाड़ फेंकने, लोगों को समानता का अधिकार दिलाने के लिए महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम का एक नया चरण शुरू किया था।जब ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा देश की सारी संपत्ति चंद हाथों में सौंप दी गई थी, तब महात्मा गांधी जी ने बेलगाव की धरती से सत्याग्रह की शुरूआत की थी। 100 साल बाद एक बार फिर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता विपक्ष श्री राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी एक नए सत्याग्रह के लिए एकजुट होगी।

आज देश में देश का प्रधानमंत्री हो या गृह मंत्री हो नफरत की राजनीति कर रही है देश में संविधान के निमार्ता बाबा डॉ भीमराव अंबेडकर को अपमान किया जा रहा है देश के सरकार के द्वारा देश की जनता सब कुछ देख रही और समझ रही है देश नफरत से नहीं मोहब्बत से चलती है तभी तो इस नफरत की बाजार में जन-जन के नेता हम सभी के नेता आदरणीय राहुल गांधी जी मोहब्बत की दुकान खोल रहे हैं कार्यक्रम का संचालन जिला कोषाध्यक्ष अजय साहू ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन राजेश चौरसिया ने किया मौके पर प्रमुख रूप वरिष्ठ कांग्रेसी सेसोमेश्वर प्रसाद दीनानाथ तिवारी, पवन पाठक सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित है।

केन्द्रीय मंत्री डॉ एल मुरुगन ने दूरदर्शन केंद्र का किया दौरा

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण (राज्य) मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री, भारत सरकार डॉ एल. मुरुगन ने अपने तीन दिवसीय झारखंड यात्रा के आखिरी दिन आज दिनांक 25 दिसंबर 2024 को जिले में स्थित मोहम्मदगंज में नवनिर्मित रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं की जानकारी ली। उनसे मिलने बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे, जिनको उन्होंने सुना और आवश्यक कार्रवाई करने के लिए वहाँ मौजूद अधिकारी गण को निर्देशित किया।पास ही में स्थित भीम चूल्हा पर्यटन स्थल के पास बन रहे रेलवे टनल का भी मंत्री महोदय ने दौरा किया और बारीकी से निरीक्षण किया और मौजूद रेल अधिकारियों से प्रोजेक्ट के पूरा होने की समय सीमा और अन्य पहलुओं की जानकारी ली।

आज सुबह माननीय मंत्री ने पलामू में उनसे मिलने आए गणमान्य नागरिको, समाज सेवी जनों से भी मुलाकात किया और उनकी समस्याएं सुनी। तदोपरांत उन्होंने अपने दौरे के आखिरी दिन जिले के आकाशवाणी और दूरदर्शन केंद्र का दौरा किया और मौजूद अधिकारियों और कर्मियों से भी मिले। मंत्री महोदय के कर कमलों से दूरदर्शन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी संपन्न हुआ, साथ ही उन्होंने डाल्टनगंज आकाशवाणी स्टेशन का दौरा किया और मौजूद संसाधनों और हो रही दिक्कतों का जायजा लिया।

कम्युनिस्ट पार्टी का रहा है स्वर्णिम इतिहास : रूचिर

संवाददाता

पलामू। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के शताब्दी वर्षगांठ बाईपास रोड बारालोटा में कामरेड सूर्यपत सिंह के अध्यक्षता में मनाया गया। इससे पहले रेड़मा स्थित पार्टी कार्यालय में जुलूस निकालकर इन्कलाब जिंदाबाद, सम्राज्यवाद हो बर्बाद, भ्रष्ट पदाधिकारी होश में आओ जैसे नारा लगाया।शसारोह में सर्वप्रथम जिला सचिव रूचिर कुमार तिवारी ने पार्टी का झंडा फहराया।इपटा के साथी ने क्रांतिकारी गीत गाया। मौके पर जिला सचिव रूचिर कुमार तिवारी ने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी का यह शताब्दी वर्षगांठ कम्युनिस्ट नेताओं के खुन से सींचा हुआ एवं सहादत से परिणाम है आज के समय में कम्युनिस्ट पार्टी की प्रासंगिकता बढ़ गई है।

कम्युनिस्ट पार्टी आजादी के लड़ाई से लेकर किसान मजदूर दल आईटी शोषित पीड़ित वंचितों के हक एवं अधिकार के लिए हमेशा संघर्ष करते आई है और आगे भी संघर्ष करेंगी। नौजवानों में नहीं चेतन पैदा कर उनके हक एवं अधिकार की लड़ाई को मजबूती के साथ लड़ेगी। इससे पहले जिला सचिव श्री तिवारी ने संघर्ष के वरिष्ठ साथियों एवं युवा उभरता गायक आर्यन पांडे को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। मौके पर कम्युनिस्ट पार्टी के स्वर्णिम इतिहास पर चर्चा करते हुए वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता सूर्यपत सिंह ने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी के स्थापना के बाद सैकड़ो कम्युनिस्ट पार्टी के लोगों ने कुर्बानियां दी राष्ट्रीय आंदोलन देश के अंदर में राष्ट्रीय आंदोलन के संघर्ष में कम्युनिस्ट पार्टी ने अगुवाई की भूमिका निभाई। पलामू जिला में भी दर्जनों लोग ने सामंती एवं उग्रवादियों के विरुद्ध संघर्ष में कुर्बानी दिया।

कम्युनिस्ट पार्टी का इतिहास कुर्बानी का इतिहास रहा है। इसलिए आज जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए और आम जनता के शोषण मुक्त समाज की स्थापना के लिए हमको संघर्ष को तेज करना होगा और पार्टी को मजबूत करना होगा। शताब्दी समारोह में कृष्ण मुरारी दुबे, मनाजरूल हक, कृष्ण मुरारी दुबे, रामराज तिवारी, राजेंद्र बैठा, पुरानचंद साहू भोला सिंह, अभय कुमार, उमेश सिंह , नसीम राइन, सोनू अहमद, जनेश्वर राम ,लखन राम, प्रभु साव, रामजन्म राम फेंकन उरांव करीमन पासवान, दर्जनों लोगों ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया जिसे जिला सचिव ने पार्टी का सिंबल देकर स्वागत किया। एवं छात्र नौजवानों को स्वच्छ राजनीति करने के लिए कम्युनिस्ट पार्टी में आने का न्योता दिया।

मेदिनीनगर गुजरात से पीड़िता का पार्थिव शरीर पहुंचा पांकी

अंत्येष्टि संस्कार में शामिल हुए मंत्री व उपायुक्त

संवाददाता

मेदिनीनगर। गुजरात से पीड़िता के पार्थिक शरीर को एम्बुलेंस से आज शाम पांकी के दुब गांव लाया गया।यहां पीड़िता के पार्थिक शरीर पर राज्य के वित्तीय, वाणिज्य-कर,योजना एवं विकास विभाग तथा संसदीय कार्य विभाग के मंत्री राधा कृष्ण किशोर,उपायुक्त शशि रंजन,पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम व स्थानीय विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने श्रद्धासुमन अर्पित करने के पश्चात अंत्येष्टि संस्कार कार्यक्रम में शामिल हुए।इस दौरान जिला प्रशासन के तरफ से पीड़िता के परिवारजनों को अंत्येष्टि कार्यक्रम हेतु माननीय मंत्री ने एक लाख रुपये सौंपा।

दुख की इस कठिन घड़ी में सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है : मंत्री

इस अवसर पर माननीय मंत्री ने परिवारजनों को ढांढस देते हुए कहा कि दुख की इस कठिन घड़ी में सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। उन्होंने पलामू डीसी को नियमानुसार सभी योजनाओं से परिवार के लोगों को लाभान्वित करने व संभव हो तो परिवार में से किसी एक को स्थायी या अस्थाई नौकरी देने की बात कही।उन्होंने कहा कि घटना के आरोपी को फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से सजा दिलाने को लेकर सरकार गुजरात प्रशासन से लगातार संपर्क में है।

उन्होंने कहा कि परिवार की हर जरूरत व मदद के लिये सरकार प्रतिबद्ध है।

इस तरह की घटना सभ्य समाज के लिए अस्वीकार्य,आवास सहित अन्य योजनाओं से परिवार को जोड़ा जायेगा : उपायुक्त

जिले के उपायुक्त श्री रंजन ने कहा कि पीड़िता के परिवारजनों संग पूरा जिला प्रशासन है।

उन्होंने कहा कि परिवार को अबुआ आवास सहित सभी योजनाओं से जोड़ा जाएगा।उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना सभ्य समाज के लिए अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि प्रखंड प्रशासन को परिवार से सीधा संपर्क में रहने को कहा गया है।

उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को पुनर्वास की व्यवस्था की जा रही है।मौके पर उपरोक्त के अलावे उप निर्वाचन पदाधिकारी, बीडीओ-सीओ, स्थानीय जन प्रतिनिधि समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

डॉ. लालमोहन बने विधायक प्रतिनिधि

संवाददाता

मेराल। गढ़वा विधानसभा के भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने मेराल प्रखंड के नेनुआ मोड़ निवासी डॉ. लालमोहन को प्रखंड स्तरीय सभी विभागों के लिए विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस संबंध में विधायक द्वारा एक पत्र जिले के उपायुक्त को प्रेषित किया गया है।

उक्त पत्र में कहा गया है कि डॉ. लालमोहन, पिता मथुरा महतो, विधायक की अनुपस्थिति में मेराल प्रखंड के सभी विभागीय आवश्यक बैठकों में भाग लेंगे। इस नियुक्ति की सूचना उपायुक्त के अलावा एसपी गढ़वा, एसडीओ गढ़वा, और मेराल प्रखंड के बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारी, चिकित्सा पदाधिकारी, बीएओ, बीईईओ, तथा सीडीपीओ को दी गई है।

डॉ. लालमोहन की नियुक्ति पर भाजपा किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष उदय कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष मनोज जायसवाल, रुपू महतो, रामाकांत गुप्ता, रोहित कुमार, सोबरन महतो और अन्य कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस नियुक्ति से लोगों को सरकारी कार्यों में काफी सहूलियत होगी और प्रखंड स्तरीय समस्याओं का समाधान तेजी से होगा।विधायक प्रतिनिधि बनाए जाने पर डॉ. लालमोहन ने विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, ₹यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरूं। मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करूंगा।डॉ. लालमोहन की नियुक्ति से मेराल प्रखंड के लोगों को सरकारी कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग मिलने की उम्मीद है।

संक्षिप्त खबरें

सैम कोंस्टास ने कोहली के साथ हुई झड़प पर तोड़ी चुप्पी, कहा-क्रिकेट में ऐसा होता है

मेलबर्न। भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण करने वाले युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास ने गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अपनी 60 रनों की धमाकेदार पारी से सुर्खियां बटोरीं। मैदान पर रहने के दौरान कोंस्टास ने कुछ धमाकेदार शॉट लगाए, खास तौर पर उन्होंने जसप्रीत बुमराह की गेंदों पर जमकर बल्ला घुमाया। हालांकि, 19 वर्षीय सलामी बल्लेबाज की मैदान पर विराट कोहली के साथ तीखी बहस भी हुई। आउट होने के बाद कोंस्टास ने बताया कि मैदान पर कोहली के साथ क्या हुआ था, उन्होंने कहा कि भावनाएं उन दोनों पर हावी हो गईं थी। टेस्ट क्रिकेट में अपने पहले मैच में अर्धशतक बनाने के बाद कोंस्टास मैदान के बाहर मुस्कुरा रहे थे। कोहली से जुड़ी घटना पर इस युवा खिलाड़ी को कोई शिकायत नहीं है। कोंस्टास ने ब्रॉडकास्टर 7क्रिकेट से कहा, मुझे लगता है कि हम दोनों की भावनाएं प्रभावित हो गई थीं। मुझे इसका अहसास नहीं हुआ क्योंकि मैं अपने दस्ताने पहन रहा था। लेकिन, क्रिकेट में ऐसा होता है। कोंस्टास से बुमराह के खिलाफ उनकी योजनाओं के बारे में भी पूछा गया, जिसपर उन्होंने कहा, कोई योजना नहीं थी, मैं अच्छे क्रिकेट शॉट खेलने जा रहा था, लेकिन बुमराह निश्चित रूप से विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं और हां, उन पर दबाव बनाने की कोशिश करना और उनकी रणनीति में बदलाव करना ही मुख्य बात थी।

आईसीसी ने बतौर मैच रेफरी 100 पुरुष टेस्ट मैच पूरे करने पर पाइक्रॉफ्ट को दी बधाई

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एंडी पाइक्रॉफ्ट को मैच रेफरी के रूप में 100 पुरुष टेस्ट मैच पूरे करने पर बधाई दी है। मैच रेफरी के एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के सदस्य पाइक्रॉफ्ट ने गुरुवार को मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच चौथे टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। 68 वर्षीय पूर्व जिम्बाब्वे कप्तान ने 2009 से अब तक 238 पुरुष वनडे, 174 पुरुष टी20 और 21 महिला टी20 मैचों में भी अंपायरिंग की है। आईसीसी के वरिष्ठ प्रबंधक-अंपायर और रेफरी सीन ईजी ने कहा, मैं एंडी को बधाई देना चाहता हूं क्योंकि उन्होंने आईसीसी मैच रेफरी के रूप में टेस्ट मैचों का शतक पूरा कर लिया है। हमारे एलीट पैनल के एक अनुभवी सदस्य के रूप में, वे खेल की रक्षा और सुधार के लिए क्रिकेट की अपनी समझ का लगातार लाभ उठाते हैं। एंडी का खिलाड़ियों और साथियों द्वारा समान रूप से सम्मान किया जाता है, और हम भाग्यशाली हैं कि वह हमारी टीम में है। एंडी पाइक्रॉफ्ट ने कहा, इतने सालों से अमीरात आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी में शामिल होना और दुनिया भर में अलग-अलग संस्कृतियों को अपनाते हुए रेफरी करने का अवसर मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान और खुशी की बात है।

वेस्ट ब्रोम छोड़ने के बाद कार्लोस कोरबेरन ने संभाली वालेंसिया की कमान

मैड्रिड। ला लीगा के संयुक्त निचले क्लब वालेंसिया ने बुधवार को कार्लोस कोरबेरन को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। इंग्लिश चैम्पियनशिप टीम वेस्ट ब्रोमविच एल्बियन को छोड़कर आए 41 वर्षीय कोरबेरन रुबेन बाराजा की जगह लेंगे। पूर्व कोच रुबेन बाराजा को सोमवार को बर्खास्त कर दिया गया था। इससे पहले वालेंसिया ने अपने घरेलू मैदान पर अलावेस के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था। इस मैच से पहले टीम ने अपने पहले 17 मैचों में केवल 12 अंक ही अर्जित किए थे। माना जा रहा है कि वालेंसिया ने कोरबेरन के रिलीज क्लॉज के लिए करीब तीन मिलियन यूरो का भुगतान किया है। वेस्ट ब्रोम ने एक बयान में पुष्टि की, एल्बियन ने कार्लोस कोरबेरन के क्लब छोड़ने और ला लीगा की टीम वालेंसिया के साथ एक नया अवसर तलाशने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमति जताई है।

आस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले चौथे सबसे युवा खिलाड़ी बने कोंस्टास

मेलबर्न। युवा बल्लेबाजी सनसनी सैम कोंस्टास ने गुरुवार को इतिहास की किताबों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। उन्होंने प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर भारत के खिलाफ चल रहे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। इसी के साथ वह आस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले चौथे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 19 वर्ष और 85 दिन की उम्र में पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान मार्क टेलर से बैगी ग्रीन कैप प्राप्त की। इयान क्रेग इस सूची में शीर्ष पर हैं, जिन्होंने 1953 में 17 वर्ष 239 दिन की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए अपना पहला मैच खेला था।

रोहन बोपन्ना और सुमित नागल के लिए खास रहा वर्ष 2024

बोपन्ना पुरुष युगल में पहली बार दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी बने, नागल ने शीर्ष 100 में किया पदार्पण

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ष 2024 भारतीय टेनिस के लिए उतार-चढ़ाव वाला रहा, लेकिन कुछ ऐसे क्षण भी थे जो उल्लेखनीय रहे और एक उज्जवल भविष्य की उम्मीदों को जीवित रखा, विशेषकर रोहन बोपन्ना का ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब जीतने के सिलसिले ने उन्हें पुरुष युगल में पहली बार विश्व नंबर 1 बनने वाला सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बना दिया और सुमित नागल ने एटीपी टॉप 100 में प्रवेश किया।

चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री पुरस्कार के लिए भी चुना गया

बोपन्ना की ऑस्ट्रेलियन ओपन की जीत

19 अलग-अलग जोड़ीदारों और 61 प्रयासों के बाद, बोपन्ना ने आखिरकार पुरुष युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया, जिसकी तलाश वह तब से कर रहे थे, जब उन्होंने 22 साल पहले चेन्नई में युगल में एटीपी टूर की शुरूआत की थी। बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावस्सोरी को 7-6(0), 7-5 से हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। इस उपलब्धि ने बोपन्ना को पहली बार पुरुष युगल में विश्व नंबर 1 खिलाड़ी बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी और ओपन युग में मेजर खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बना दिया। उन्हें चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री पुरस्कार के लिए भी चुना गया।

सुमित नागल ने शीर्ष 100 में जगह बनाई

चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर की शुरूआत में 121वें स्थान पर रहे नागल ने एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया। नागल 2019 में प्रजनेश गुणेश्वरन के बाद शीर्ष 100 की बाधा को पार करने वाले पहले भारतीय बने, क्योंकि उन्होंने फाइनल में इटली के लुका नारदी को 6-1, 6-4 से हराकर एटीपी चैलेंजर टूर पर अपना पांचवां खिताब जीता। नागल ने सभी चार मेजर के साथ-साथ पेरिस ओलंपिक में भी मुख्य ड्रॉ खेला।

मेलबर्न टेस्टः ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट पर बनाए 311 रन

चार बल्लेबाजों ने लगाया अर्धशतक

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के पहले दिन 6 विकेट पर 311 रन बना लिए हैं। का खेल खत्म होने पर स्टीव स्मिथ 68 और कप्तान पैट कमिंस 8 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से चार बल्लेबाजों स्टीव स्मिथ (नाबाद 68) उस्मान ख्वाजा (57), मार्नस लाबुशेन (72) और सैम कोंस्टास (60) ने अर्धशतक लगाए।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम कोंस्टास और उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरूआत दिलाई। विशेषकर कोंस्टास ने टी-20 प्रारुप की तरह बल्लेबाजी करनी शुरू की। उन्होंने खासकर बुमराह पर निशाना साधा और उनकी जमकर खबर ली। देखते ही देखते उन्होने अपना अर्धशतक भी पूरा कर लिया। ख्वाजा और कोंस्टास ने 19.1 ओवर में 89 रन जोड़ लिये। रवींद्र जडेजा ने इसी स्कोर पर कोंस्टास को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के की बदौलत 60 रन बनाए।

इसके बाद उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन ने दूसरे विकेट के लिए 65 रनों की साझेदारी की। 154 के कुल स्कोर पर बुमराह ने ख्वाजा को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। ख्वाजा ने 57 रनों शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। यहां से लाबुशेन और स्मिथ ने एक बार फिर से पारी संभाली और तीसरे विकेट के लिए 83 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को वाशिंगटन सुंदर ने तोड़ा। सुंदर ने 237 के कुल स्कोर पर लाबुशेन को पवेलियन भेज भारत को तीसरी सफलता दिलाई। लाबुशेन के आउट होने के बाद बुमराह ने ट्रैविस हेड (00) को बोल्ड कर भारत को बड़ी राहत दिलाई।

हमें एचआईएल ने नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया : हरमनप्रीत सिंह

एजेंसी

राउरकेला। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और स्टार ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने आगामी हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) सीजन में सूरमा हॉकी क्लब का नेतृत्व करने की तैयारी के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त की है, जो 28 दिसंबर, 2024 से शुरू होने वाला है। हाल ही में नीलामी के दौरान सूरमा हॉकी क्लब द्वारा 78 लाख में खरीदे जाने के बाद हरमनप्रीत सिंह एचआईएल इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए और वह अपने अनुभव और ड्रैग फ्लिकिंग कौशल को फ्रैंचाइजी में लाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं सूरमा हॉकी क्लब के खिलाड़ी के रूप में भारतीय हॉकी के इस नए अध्याय की शुरूआत करने और हीरो हॉकी इंडिया लीग में प्रतिस्पर्धा करने के लिए रोमांचित हूं। लीग खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक शानदार मंच प्रदान करती है और मैं इस सीजन में टीम की सफलता में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।

हीरो हॉकी इंडिया लीग सात साल के अंतराल के बाद फिर से शुरू हो रही है, लेकिन लीग की वापसी के साथ ही महिला लीग की शुरूआत भी हो रही है, जो भारत में अपनी तरह की पहली लीग होगी। हरमनप्रीत ने कहा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम में आज भी एचआईएल का प्रभाव देखा जा सकता है। ओलंपिक में टीम की सफलता का श्रेय लीग को जाता है, जिसने हमें कम उम्र में ही काफी कुछ सिखाया। जिन खिलाड़ियों को आप आदर्श मानते हैं, उनके साथ खेलना और उनके खिलाफ रोजाना प्रतिस्पर्धा करना, हमें जितना हम सोच सकते थे, उससे कहीं बेहतर बनाता है। इस बार महिला एचआईएल भी शुरू हो रही है, मुझे यकीन है कि यह भारतीय महिला हॉकी टीम को भविष्य में और भी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। सूरमा हॉकी क्लब के कोच जेरोन बार्ट हैं, जबकि भारतीय हॉकी के दिग्गज सरदार सिंह उनके मेंटर हैं। हरमनप्रीत के शानदार ट्रैक रिकॉर्ड में राष्ट्रीय सीनियर टीम के लिए 234 मैचों में 205 गोल करना शामिल है।और वह विवेक सागर प्रसाद, गुरजंत सिंह, विक्टर वेगनेज और जेरेमी हेवर्ड जैसे विश्व स्तरीय साथियों के साथ एचआईएल में भी यही दोहराना चाहेंगे। हरमनप्रीत ने कहा, एचआईएल हम सभी के लिए एक शानदार अनुभव होने जा रहा है। यह एक रोमांचक प्रतियोगिता होने जा रही है जो हमें हमारे अंतरराष्ट्रीय साथियों के खिलाफ खड़ा करेगी और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की चुनौती देगी।

भारत के लिए खेलना एक सपना सच होने जैसाः अनिका

एजेंसी

नई दिल्ली। महज 14 साल की उम्र में, अनिका दुबे, जिन्हें प्यार से पुणे की गोल्डन गर्ल के नाम से जाना जाता है, ने फरवरी 2025 में हांगकांग में होने वाली आगामी एशियाई टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाकर एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि उन्हें इस तरह के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महाराष्ट्र की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनाती है।

उन्होंने इस दौरान अपनी अब तक की यात्रा पर विस्तार से बताया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने को लेकर अनिका ने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना न केवल एक शानदार अवसर है, बल्कि एक रोमांचक अनुभव भी है। यह एक सपने के सच होने जैसा है। स्क्वैश को अब ओलंपिक 2028 में शामिल कर लिया गया है, इसलिए खिलाड़ियों के लिए तैयारी शुरू करने और एक मजबूत टीम बनाने का यह एक रोमांचक समय है।

संजय मांजरेकर ने की भारतीय टीम के चयन की आलोचना, कहा-गिल को बाहर करना कठोर कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बॉक्सिंग डे टेस्ट में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम के चयन की आलोचना की और कहा कि बल्लेबाज शुभमन गिल को प्लेइंग इलेवन से बाहर करना एक गलत और कठोर फैसला था। टॉस के समय भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पुष्टि की कि शुभमन गिल बॉक्सिंग डे टेस्ट से बाहर रहेंगे और वाशिंगटन सुंदर ने प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बनाई है। कप्तान ने यह भी कहा कि वह शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करेंगे। गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर मांजरेकर ने कहा कि एमसीजी में टीम इंडिया के लिए प्लेइंग इलेवन का चयन अजीब था। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि गिल को बाहर करने और वाशिंगटन सुंदर को शामिल करने के फैसले से न तो गेंदबाजी मजबूत हुई और न ही बल्लेबाजी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग इलेवनः उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड।

भारत प्लेइंग इलेवनः यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), रवींद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

व्यापार

आईडेंटिकल ब्रेन्स की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, निवेशकों को हुआ जोरदार मुनाफा

लिस्टिंग होते ही पहले लोअर सर्किट पर और फिर अपर सर्किट पर पहुंचा शेयर

संवाददाता

नई दिल्ली। फिल्म, वेब सीरीज, टीवी सीरियल और कॉमर्शियल्स को वीएफएक्स सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियोज के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर में गिरावट आ गई और ये लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने दोबारा जोर लगाया, जिससे इस शेयर में तेजी का रुख बन गया।

आईपीओ के तहत कंपनी ने 54 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ये शेयर 75.93 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 95 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए।

लिस्टिंग के तुरंत बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर टूट कर 90.25 के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। राहत की बात यही रही कि थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने जोर लगाया, जिसकी वजह से ये शेयर लोअर सर्किट के फंदे से निकल कर 99.75 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले ही दिन इस शेयर से 84.72 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियोज का 19.95 करोड़ रुपये का आईपीओ 18 से 20 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। प्राइमरी मार्केट में इस आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 544.28 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 187.36 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के ज्यादातर सरार्फा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,600 रुपये से लेकर 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,150 रुपये से लेकर 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

सीतारमण ने व्यापार उद्योग विशेषज्ञों के साथ की सुझाव एकत्र करने पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को राजधानी में निर्यात, व्यापार और उद्योग क्षेत्रों के प्रमुख हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक की। इस बैठक में आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 के लिए अंतर्दृष्टि और सुझाव एकत्र करने पर चर्चा हुई।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी, 2025 को संसद में अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करेंगी।

निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आगामी बजट में व्यापार एवं सेवा क्षेत्रों को मजबूत बनाने के लिए प्रमुख चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की गई। इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव तुहिन कांता पांडे, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ और मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंथा वी नागेश्वरन भी शामिल हुए।

इससे पहले 24 दिसंबर को केंद्रीय वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ जाने-माने अर्थशास्त्रियों और क्षेत्र के विशेषज्ञों से बैठक की थी। इस बैठक में केंद्रीय बजट 2025-26 के लिए उनके विचार और सुझाव मांगे गए। सीतारमण के अलावा नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम, मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंथा नागेश्वरन और सुरजीत भल्ला, डीके जोशी समेत जाने-माने अर्थशास्त्री भी बैठक में शामिल थे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 27 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

आईआरसीटीसी की वेबसाइट और ऐप डेढ़ घंटे की रुकावट के बाद बहाल, टिकट बुकिंग शुरू

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट और मोबाइल ऐप गुरुवार को डाउन हो गई। हालांकि लगभग डेढ़ घंटे ठप रहने के बाद अब दोनों सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। सभी सेवाएं पूरी तरह से बहाल हो गई हैं। आईआरसीटीसी की वेबसाइट के माध्यम से टिकट बुक करने में समस्या आने पर कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत दर्ज की। उन्होंने लिखा कि वह टिकट बुक नहीं कर पा रहे हैं। ऑनलाइन आउटेज को ट्रैक करने वाले प्लेटफॉर्म डाउन डिटेक्टर ने आउटेज रिपोर्ट में उछाल दिखाया। इसमें 2,500 से ज्यादा उपयोगकर्ता प्रभावित हुए। ज्यादातर शिकायतें वेबसाइट को लेकर थीं, जबकि 28 प्रतिशत रिपोर्ट मोबाइल ऐप से संबंधित थीं। ऐप का इस्तेमाल करने वालों को टिकट बुक करने के समय एक त्रुटि संदेश मिला। इसमें लिखा था कि रखरखाव गतिविधि के कारण कार्रवाई करने में असमर्थ है। आईआरसीटीसी की ओर से अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी से तीन एनएच सहित 157 सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में पिछले दिनों हुई भारी बर्फबारी से ठंड का असर बना हुआ है और आम जनजीवन प्रभावित है। हालांकि गुरूवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में धूप खिलने से लोगों को राहत मिली है। धूप से न केवल दिन के तापमान में मामूली वृद्धि हुई है, बल्कि बर्फबारी से अवरुद्ध सड़कों को खोलने का कार्य भी तेजी से जारी है। वहीं राज्य के मैदानी इलाकों में कहीं-कहीं कोहरे का भी असर दिखाई दे रहा है। बिलासपुर और मंडी जिलों में सुबह के वक्त घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता घटने से यातायात प्रभावित हुआ है। हालांकि दिन में धूप निकलने से स्थिति बेहतर हो रही है और ठंड में भी कुछ राहत मिल रही है। मौसम विभाग ने अगले 24 घण्टों बाद पश्चिम विक्षोभ के सक्रिय होने से फिर से बर्फबारी का अनुमान जताया है। 27 से 29 दिसम्बर तक पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और मैदानों में वर्षा के आसार हैं। इससे ठंड का प्रकोप और बढ़ेगा। खास बात यह है कि नए साल की शुरूआत भी बर्फबारी से होने की संभावना बनी हुई है।

सीधी में बिजली टावर गिरने से तीन की मौत, छह की हालत गंभीर

सीधी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में बिजली टावर गिरने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यहां टावर शिफ्टिंग के दौरान अचानक से टावर टूट कर गिर गया। जिसकी चपेट में आने की वजह से दो मजदूरों की घटनास्थल पर मौत हो गई, वही एक की अस्पताल ले जाने के दौरान जान चली गई। 6 मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं, जिनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, हादसे की जानकारों जैसे ही पुलिस और प्रशासन को लगी तो वो मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू की। जानकारी अनुसार हादसा गुरुवार की दोपहर 12:30 बजे हुआ। रामपुर नैकिन जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पटेहरा में करीब 70 फीट ऊंचाई पर 132 केवी हाईटेंशन टावर खड़ा करते समय अचानक बीच से टूट गया। टावर टूटने से वहां काम कर रहे 9 मजदूर अचानक ऊंचाई से गिर गए। अचानक हुए इस हादसे में 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अस्पताल ले जाने के दौरान एक मजदूर ने दम तोड़ दिया। वहीं 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पाकिस्तान के कटास राज मंदिर में दर्शन-पूजन कर स्वदेश लौटे भारतीय तीर्थयात्री

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित कटास राज मंदिर में पूजन-अर्चन करने के बाद 70 भारतीय हिंदू तीर्थयात्रियों का दल बुधवार को स्वदेश लौट आया है। वाघा सीमा पर पाकिस्तानी अधिकारियों ने विशेष उपहार और गुलदस्ते भेंट कर तीर्थ यात्रियों को विदा किया। पाकिस्तान में अपनी सात दिवसीय यात्रा के दौरान हिंदू तीर्थयात्रियों ने कटास राज मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान पूरा करने के साथ लाहौर में रावी रोड पर कृष्ण मंदिर और अनारकली में वाल्मीकि मंदिर के भी दर्शन किये। दर्शन पूजन के अलावा भारतीय नागरिकों ने लाहौर किले के साथ अनारकली बाजार का भी दौरा किया। दर्शन के पश्चात स्वदेश वापसी के वक्त इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के अतिरिक्त सचिव (तीर्थस्थान) सैफुल्लाह खोखर ने वाघा सीमा पर तीर्थयात्रियों को विदा करते हुए गुलदस्ते और उपहार भेंट किए। उन्होंने कहा कि आपके इस भ्रमण कार्यक्रम से दोनों देशों के बीच स्थिति बेहतर होगी।

प्रधानमंत्री ने एमटी वासुदेवन नायर के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मलयालम सिनेमा और साहित्य की सम्मानित हस्तियों में से एक एम.टी. वासुदेवन नायर के निधन पर शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एम.टी. वासुदेवन नायर के कार्यों ने मानवीय भावनाओं के गहन अध्ययन के साथ कई पीढ़ियों को आकार दिया है और भविष्य में भी लोगों को प्रेरित करते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, 'मलयालम सिनेमा और साहित्य की सबसे सम्मानित हस्तियों में से एक श्री एमटी वासुदेवन नायर जी के निधन से दुःखी हूं। मानवीय भावनाओं के गहन अध्ययन के साथ उनके कार्य ने कई पीढ़ियों को आकार दिया है और भविष्य में भी लोगों को प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने मूक और वंचित वर्ग के लोगों को आवाज भी दी। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ॐ शांति।' उल्लेखनीय है कि एमटी वासुदेवन नायर का बुधवार रात 10 बजे कोझिकोड के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया।

महाकुम्भ में देश व प्रदेश की कला एवं संस्कृतियों का होगा संगम

एजेंसी

लखनऊ। महाकुम्भ आस्था एवं अध्यात्म को एक सूत्र में पिरोने के साथ ही विभिन्न संस्कृतियों के संगम का केन्द्र भी होगा। जिसमें पूरे देश के प्रसिद्ध कलाकार एवं सिनेमा की मशहूर हस्तियां इसमें अपने कला का प्रदर्शन करेंगी। मेला क्षेत्र में 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाले गंगा पंडाल में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, संस्कृति विभाग उप्र एवं स्वायत्तशासी संस्थान, विभिन्न जोनल कल्चरल सेंटर एवं केन्द्रीय संगीता नाटक अकादमी के सौजन्य से पद्मश्री, पद्मभूषण, पद्मविभूषण एवं ख्याति प्राप्त कलाकार अपनी कला का रंग बिखेरेंगें। संस्कृति विभाग की ओर से इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जोर-शोर से तैयारियां की जा रही हैं। यह जानकारी उप्र के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में लगभग 50 एकड़ क्षेत्र में उप्र स्टेट पवेलियन की स्थापना कराई जा रही है, जिसमें हस्तशिल्प, विभिन्न पर्यटन स्थानों की झलक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इसके अलावा महाकुम्भ में मेला क्षेत्र में 15 हजार स्क्वायर फिट के मानचित्र पर 3डी

● विश्वविख्यात गायक शंकर महादेवन, साधना सरगम, सुरेश वाडकर मुख्य आकर्षण के केन्द्र होंगे

तकनीक के माध्यम से अयोध्या, काशी, मथुरा, कुशीनगर, सारनाथ, नैमिषारण्य सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों को दर्शाया जायेगा। इसके साथ ही विभिन्न प्रान्तों के व्यंजन भी उपलब्ध कराये जायेगे। जयवीर सिंह ने बताया कि मेला क्षेत्र में नागवासुकी, अरैल एवं झूसी क्षेत्र में निर्मित 1 से 2 हजार की दर्शक क्षमता के पंडालों में निर्मित मंच पर शास्त्रीय, उपशास्त्रीय गायन, वादन, नृत्य, लोकगायन, लोकनृत्य, नृत्यनाटिकाओं, रामलीला, कृष्णलीला, कवि सम्मेलन आदि कार्यक्रमों को आयोजन होगा। विभिन्न पंडालों में देश एवं प्रदेश की कला एवं संस्कृतियों का प्रदर्शन किया जायेगा, जिसमें गंगा पंडाल, त्रिवेणी पंडाल, सरस्वती पंडाल, यमुना पंडाल आदि शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं संस्कृति विभाग उप्र द्वारा ख्याति प्राप्त कलाकारों की तिथिवार प्रस्तुतियों के कैलेण्डर जारी कर दिये गये हैं। प्रसिद्ध पार्श्वगायक शंकर महादेवन 26 जनवरी को अपने सुरों की महफिल सजायेंगे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर साधना सरगम अपनी कला का प्रदर्शन करेंगी। इसके अलावा 02 फरवरी को उषा उथुप, 08 फरवरी को कविता कृष्णमूर्ति तथा फिल्मी दुनिया के जाने माने गायक सुरेश वाडकर, 09 फरवरी को सोनल मान सिंह, उसी दिन तथा हरिहरन 10 फरवरी को अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

सिख गुरुओं की प्रेरणा से बढ़ेंगे तो काबुल-बांग्लादेश होने से बच पाएंगे : सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख परंपरा काफी समृद्ध है। इन्होंने विपरीत परिस्थितियों में लड़ते हुए न केवल अपनी परंपरा को सुरक्षित-संरक्षित रखा, बल्कि देश व धर्म के लिए भी बलिदान देकर नई प्रेरणा प्रदान की। एक तरफ इनका गौरवशाली इतिहास है तो दूसरी तरफ सुनते हैं कि काबुल में सिखों के दो, चार-दस परिवार ही बचे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब बांग्लादेश की घटना व पाकिस्तान के अंदर अत्याचार के बारे में सुनते हैं, तब सिख गुरुओं के त्याग-बलिदान का स्मरण होता है। सिख गुरुओं के आदर्श हमें आगे बढ़ने की ऊर्जा देंगे। उनका आशीर्वाद हमारी प्रेरणा है। उस प्रेरणा से आगे बढ़ेंगे, तब काबुल-बांग्लादेश होने से बच पाएंगे, तब किसी ननकाना साहिब के लिए आंदोलन-संघर्ष की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि वह हमें स्वतस्फूर्त भाव से प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री आवास पर गुरुवार को

वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) का मुख्य आयोजन किया गया। इस दौरान ऐतिहासिक समागम व 11,000 सहज पाठ का भी शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री ने गुरु तेग बहादुर के श्लोकों पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के इस जुझारू व समृद्ध कौम ने सामर्थ्य, पुरुषार्थ व परिश्रम से मिसाल प्रस्तुत की है। कभी बड़ी संख्या में फौज में जाकर सिखों ने भारत की सुरक्षा के लिए खुद को समर्पित किया, लेकिन वे कौन दुश्मन हैं, जो उनके परिश्रम व पुरुषार्थ को कुंद करने की साजिश कर रहे हैं। युवा पीढ़ी को ड्रग की चपेट में लाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। इन्हें पहचानने और उनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। सिख-हिंदू एक दूसरे के पूरक हैं, जो इन्हें लड़ाते हैं, उनसे बचना होगा। गुरु महाराज हमें मित्र-शत्रु पहचानने की ताकत दें।

कोई महसूस नहीं कर सकता इनका दर्द

योगी ने कहा कि 2019 में गुरुनानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री आवास पर शबद-कीर्तन कार्यक्रम हुआ था। उसके उपरांत 2020 से अनवरत वीर बाल दिवस का आयोजन मुख्यमंत्री आवास पर हो रहा है। अब यह पूरे देश का आयोजन हो गया है। आज की तिथि पर गुरु गोबिंद सिंह के दो साहिबजादे (बाबा जोरावर सिंह-फतेह सिंह) वजीर खां के हाथों दीवार में चुने गए थे। चमकौर के युद्ध में दो बड़े साहिबजादे (बाबा अजीत सिंह-जुझार सिंह) शहादत को प्राप्त हुए। मां गुजरी इसे बहुत अधिक समय तक बर्दाश्त नहीं कर पाईं। इन लोगों पर उस समय क्या बीता होगा, यह दर्द कोई महसूस नहीं कर सकता, फिर भी एक ही लक्ष्य था कि देश व धर्म पर आंच नहीं आने देंगे। इसके लिए गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों ने शहादत देकर देश व धर्म की रक्षा की पक्की नींव खड़ी की। जिस पर न केवल आज भी सिख पंथ, बल्कि पूरा देश गौरव की अनुभूति करता है।

सिख पंथ की शुरूआत ही धर्म के लिए हुई थी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख पंथ की शुरूआत ही देश व धर्म के लिए हुए थी। गुरु नानक देव ने सबसे पहले बाबर के अत्याचार का विरोध किया था। लाहौर में गुरु अर्जुन देव का बलिदान जहांगीर के अत्याचार से बचाने के लिए था। गुरु तेग बहादुर ने अपना शीश दे दिया, लेकिन भारत का शीश नहीं झुकने दिया, इसलिए आज कश्मीर भारत का हिस्सा और शीश बना हुआ है। गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज ने अपनी आंखों के सामने अपने पुत्रों और पिता को बलिदान होते देखा। योगी ने कहा कि गुरु नानक देव से लेकर गुरु गोविंद सिंह महाराज, चार साहिबजादों से लेकर पंच प्यारों तक, सिख गुरुओं का इतिहास देश व धर्म के लिए शहादत का इतिहास है। यह केवल कौम का नहीं, देश का इतिहास है। यह भारतवासियों के लिए प्रेरणा है। जाति-पाति का भेदभाव समाप्त हो, इसके लिए गुरुनानक ने शबद-कीर्तन की प्रेरणा दी। मिल-बांटकर खाने के लिए जिस लंगर की शुरूआत की, उसका अनुसरण आज भी हर गुरुद्वारा कर रहा है।

भ्रामक दावे करने वाले तीन कोचिंग इंस्टीट्यूट पर गिरी गाज, जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2022 और 2023 के परिणामों के संबंध में भ्रामक दावों का विज्ञापन करने के लिए वाजीराव एंड रेड्डी इंस्टीट्यूट और स्टडीआईक्यू आईएएस पर 7-7 लाख रुपये और एज आईएएस पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन के लिए यह जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही सीसीपीए ने तत्काल प्रभाव से वाजीराव एंड रेड्डी इंस्टीट्यूट, स्टडीआईक्यू आईएएस स्टडी और एज आईएएस को भ्रामक विज्ञापन बंद करने का आदेश दिया है। प्राधिकरण ने उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और उन्हें बढ़ावा देने के लिए यह कार्रवाई की है।

अनंतनाग के अयान सज्जाद को सूफी गायन के लिए मिला प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

एजेंसी

अनंतनाग। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित होकर गुरुवार को अनंतनाग के एक युवा प्रतिभाशाली अयान सज्जाद ने जम्मू-कश्मीर का नाम रोशन किया है। अयान सज्जाद को उनके सनसनीखेज सूफी गायन के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। भारत में बच्चों के लिए सर्वोच्च माना जाने वाला यह सम्मान नवाचार, सामाजिक सेवा, शैक्षणिक उपलब्धियों, खेल, बहादुरी और कला में असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देता है। कला और संस्कृति के क्षेत्र में अयान की यात्रा प्रेरणादायक से कम नहीं है।

अयान ने अपनी इस असाधारण प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते हुए खुद को रचनात्मकता और समर्पण के प्रतीक के रूप में स्थापित किया है। उनका काम न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा को दर्शाता है, बल्कि जम्मू और कश्मीर की जीवंत सांस्कृतिक विरासत को भी दर्शाता है। राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक समारोह में आज 17 बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति ने कहा कि पुरस्कार विजेता बच्चों में देशभक्ति के उदाहरण हमारे देश के उज्ज्वल भविष्य में हमारे विश्वास को मजबूत करते हैं।

नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार समारोह अयान, उनके परिवार और जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए गर्व का क्षण था। प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों और साथी पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में अयान ने भारत के राष्ट्रपति से सम्मान प्राप्त किया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने अयान सज्जाद को बधाई दी। फारूक और उमर ने एक संयुक्त संदेश में अयान की उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे जम्मू-कश्मीर के लिए बहुत गर्व का स्रोत बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनका समर्पण और प्रतिभा पूरे क्षेत्र और उससे आगे के युवा दिमागों को प्रेरित करती रहेगी।

बसपा गरीब कार्यकर्ताओं की कमाई पर निर्भर : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी ही एक ऐसी है जो आर्थिक मामले में गरीब कार्यकर्ताओं के खून-पसीने की कमाई पर निर्भर है, जबकि अन्य दल बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों के धनबल के सहारे राजनीतिक गतिविधियां चलाते हैं। यह वर्ष 2023-24 में विभिन्न दलों को मिले अकूत चंदे के आंकड़ों से भी साबित है। मायावती ने एक्स पोस्ट में कहा कि वर्ष 2023-24 में चंदा के मामले में भाजपा पहले, बीआरएस दूसरे और कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही। इन दलों को करोड़ों रुपयों का चंदा मिला, जबकि बसपा ही एक ऐसी पार्टी है जो अपने गरीब कार्यकर्ताओं के खून-पसीने की कमाई पर निर्भर रहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दोहरे चाल, चरित्र व चेहरे का भी पर्दाफाश होता है कि वह पूंजीपतियों का विरोध करके संसद अवरोध करती है, किन्तु उन्हीं धन्नासेठों से धन लेकर पार्टी चलाती है और सरकार बनने पर उन्हें लाभ पहुंचाने का कार्य करती है।

बेलगावी बैठक में भारतीय मानचित्र के साथ छेड़छाड़ का आरोप

कांग्रेस नई मुस्लिम लीग : भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक के बेलगावी में गुरुवार से कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की दो दिवसीय बैठक शुरू हो रही है। बैठक परिसर में लगा पोस्टर विवादों में घिर गया है। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि इस बैठक को लेकर लगाए पोस्टर में भारत के मानचित्र को गलत दिखाया गया है। इस मानचित्र में कश्मीर को पाकिस्तान के हिस्से में दिखाया गया है। भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसकी नीयत हमेशा से भारत को तोड़ने की रही है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में आरोप लगाया कि कांग्रेस कहती है कि भारत जोड़ो लेकिन आज बेलगावी अधिवेशन में उन्होंने देश का जो मैप लगाया है, उसके साथ छेड़छाड़ की गई है। इस मैप में भारत के जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान में और अक्साई चीन को चीन में दिखाया गया है। इस मैप को अपने अधिवेशन के दौरान इस्तेमाल करना ये साफ करता है कि कांग्रेस की

मानसिकता हमेशा भारत के टुकड़े करने की रही है।

पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर पाकिस्तान राग अलापना शुरू कर दिया है। अपने बेलगावी कार्यक्रम में एक विकृत मानचित्र प्रदर्शित करके, कश्मीर को पाकिस्तान के हिस्से के रूप में चित्रित करके भारत की एकता और संप्रभुता के प्रति अनादर दशार्ता है। वे भारत जोड़ो या संविधान में नहीं बल्कि भारत तोड़ो में विश्वास करते हैं। भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट में कहा कि कश्मीरी आजादी की वकालत करने वाले जॉर्ज सोरोस द्वारा वित्त पोषित फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक (एफडीएल-एपी) फाउंडेशन की सह-अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी का चुना जाना कोई संयोग नहीं, बल्कि कांग्रेस का दृढ़ विश्वास है। उन्होंने कहा कि अपने बेलगावी कार्यक्रम में कांग्रेस ने अपने सभी होर्डिंग्स पर भारत का एक विकृत नक्शा लगाया है, साथ ही सोनिया, राहुल और प्रियंका वाड्रा सहित अन्य लोगों की तस्वीरें लगाई हैं, जिसमें कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया है। यह कोई गलती नहीं हो सकती। यह एक बयान है। यह उनकी तुष्टीकरण की राजनीति का हिस्सा है, जो मानता है कि भारतीय मुसलमान भारत की तुलना में पाकिस्तान के प्रति अधिक वफादार है। कांग्रेस नई मुस्लिम लीग है।

पर्वतारोहण रेवाड़ी के लाल ने हरियाणा का नाम किया रोशन

अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी पर लहराया तिरंगा

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले के गांव नेहरूगढ़ के पर्वतारोही नरेंद्र सिंह यादव ने हरियाणा का नाम रोशन किया है। नरेंद्र यादव ने अंटार्कटिका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी विन्सन मैसिफ को फतह कर तिरंगा लहराया है। नरेंद्र की इस उपलब्धि पर परिजन ही नहीं समूचा रेवाड़ी गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

नरेंद्र ने 25 दिसंबर को अंटार्कटिका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी विन्सन मैसिफ पर पहुंचकर तिरंगा लहराया, इस समय पर्वत का तापमान लगभग -52डिग्री था। यह अभियान 6 दिन में पूरा हुआ। इस अभियान में पूरे विश्व से पर्वतारोही शामिल हुए थे। इस अभियान में नरेंद्र भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने अंटार्कटिका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी विन्सन मैसिफ को फतह कर विश्व पटल पर भारत का नाम अंकित किया है।

नरेंद्र का सपना सभी सात महाद्वीपों को फतह कर विश्व रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराना था, जो इस चोटी को फतेह करके पूरा हुआ। नरेंद्र ने सातों महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर फतह कर कई विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। उन्होंने 2012 में पर्वतारोहण के बेसिक, 2013 में एडवांस, 2015 में एमओआई, 2022 में सर्च एंड रेस्क्यू के साथ सभी कोर्स पास किए, जिसमें माउंट एवरेस्ट को 2016 व 2022 में 6 दिन में बिना अनुकूलन के फतेह किया। किलिमंजारो को तीन बार, एलब्रुस को ट्रैवल्स में 2 बार, कोजास्को व ऑस्ट्रेलिया की 10 सबसे ऊंची चोटियों को दो बार फतेह किया है।

● -52 डिग्री तापमान को झेलते हुए 6 दिन में पूरा किया अभियान

12 साल की उम्र में ही नरेन्द्र ने की थी पर्वतारोहण की शुरुआत

इसके साथ-साथ दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी एकंकागुआ को फतेह किया है। अपनी स्कूली पढ़ाई के दौरान 12 साल की उम्र में ही नरेन्द्र ने जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों पर चढकर अपने पर्वतारोहण की प्रारंभिक शुरूआत कर दी थी। वर्ष 2008 से इन्होंने नियमित तौर से पर्वतारोहण का अभ्यास शुरू कर दिया था। उसके बाद महज 19 वर्ष की आयु में 6512 मीटर ऊंची भागीरथी.टू व 5612 मीटर ऊंची डीकेडी-टू के साथ कालिंदी पास व वासुकी ताल पास, लेह, गढ़वाल चोटी को फतेह कर-के सबसे कम उम्र का पर्वतारोही साबित हुआ था।

उत्तर भारत शीत लहर के आगोश में

पहाड़ों पर गिर रही बर्फ से कांपे मैदान

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत समूचा उत्तर भारत शीत लहर के आगोश में है। पहाड़ों पर गिर रही बर्फ से मैदानों में ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली समेत कई राज्यों में हल्की बारिश होने और कोहरा छाने की संभावना है। दिल्ली में आज अधिकतम तापमान 23 और न्यूनतम 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने की संभावना है। अगले तीन दिन के लिए घने कोहरे की चेतावनी (येलो अलर्ट) जारी की गई है।

राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में आज सुबह कोहरे की पतली परत छाई रही और न्यूनतम तापमान गिरकर 7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। विभाग के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने कारण 27 और 28 दिसंबर को उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में ओलावृष्टि के साथ हल्की से मध्यम वर्षा या गरज के साथ आंधी-तूफान आने की संभावना है।

साथ ही दिल्ली में अगले कुछ दिनों तक कोहरा गिरने और हल्की बारिश की संभावना है। इससे ठंड में इजाफा होने की उम्मीद है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक सुबह के समय हल्का कोहरा छाए रहने की संभावना है। रविवार को कोहरा घना हो सकता है। दिल्ली में आज दिनभर आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

रूही की नई मैम

रुही नाइंथ क्लास में पढ़ती है और स्टडीज के अलावा वो स्पोर्ट्स में भी बहुत अच्छी है। वो इसी स्कूल में नर्सरी से पढ़ रही है। इसलिए उसे यहां के टीचर्स भी अच्छी तरह जानते हैं। इस साल स्कूल में एक नई टीचर आई हैं 'वैशाली मैम' जो रुही की क्लास टीचर भी हैं। वैशाली मैम ही उसे साइंस भी पढ़ाएंगी। रुही को पता नहीं क्यों कुछ ही दिनों में ऐसा लगने लगा जैसे वैशाली मैम उसे पसंद नहीं करतीं। उसे और भी यकीन हो गया जब क्लास में उसकी 'खास' फ्रेंड्स ने भी उसे यही कहा। इतने में ही स्कूल में एक इंटर स्कूल कॉम्पिटीशन आयोजित हुई। रुही ने सारी ही प्रतियोगिताओं में अपना नाम लिखवा दिया।

इस बार साधना मैम प्रोग्राम की इंचार्ज नहीं थीं जो कि ज्यादातर होती थीं और वे बिना पूछे ही रुही का नाम भी हर कॉम्पिटीशन में लिख देती थीं। इस बार इंचार्ज वैशाली मैम थीं। फिर अचानक कॉम्पिटीशन के कुछ दिन पहले असेंबली में प्रिंसीपल मैम ने बताया कि कोई भी स्टूडेंट ज्यादा से ज्यादा दो प्रतियोगिताओं में भाग ले सकता है और उन्होंने इस आइडिया के लिए वैशाली मैम को थैंक्स कहा। रुही को लगा जरूर वैशाली मैम ने उसके खिलाफ ये चाल चली होगी। रुही को इस बात से और भी बुरा लगा कि क्लास में सबसे पीछे बैठने वाली आंजना और सबसे मस्तीखोर पीयूष को वैशाली मैम ने स्ट्रिक्टली इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कहा था। जबकि वो दोनों तो कभी किसी चीज में पार्टिसिपेट करते ही नहीं। रुही की 'खास' फ्रेंड्स ने इस बार भी उनके साथ मिलकर वैशाली मैम को बहुत बुरा-भला कहा।

अभी कॉम्पिटीशन शुरू होने में चार-पांच दिन बाकी थे कि एक दिन वैशाली मैम ने रुही को लंच ब्रेक में स्टाफ रूम में मिलने को कहा। बेमन से वह स्टाफ रूम में दाखिल हुई। वहां मैम के साथ पीयूष और आंजना भी थे। अब तो रुही का शक पक्का हो गया। उसने बहुत गुस्से में कहा- 'मे आय कम इन मैम।'

'ओह रुही, प्लीज कम इन।' वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं। वह गुस्से में कुछ बोल नहीं पाई तो मैम आगे बोलीं। 'रुही मैं चाहती हूं कि पीयूष और आंजना को तुम गाइड करो। क्योंकि इस मामले में तुम स्कूल में सबसे ज्यादा एक्सपीरियंस्ड और टैलेंटेड हो।' रुही का गुस्सा और भी बढ़ गया। 'मुझे लगता है तुमसे बेहतर गाइडेंस इन्हें किसी का भी नहीं मिल सकता.' 'क्यों नहीं मैम। आप कहें तो मैं बाकी कॉम्पिटीशन्स में से भी अपना नाम हटा लेती हूं। फिर इनको चीटिंग करके प्राइज दिलाने के लिए तो आप हैं ही।' मैम की बात के बीच में ही गुस्से में चिल्लाते हुए रुही ने कहा।

'रुही- ये तुम क्या बोल रही हो बेटा?' चौंकते हुए वैशाली मैम ने कहा। 'रहने दीजिए मैम, मैं सब जानती हूं। पहले दिन से ही आपको मैं पसंद नहीं हूं। आप मेरे टैलेंट से जलती हैं। इसलिए मेरे हर काम में हर्डल्स खड़े कर रही हैं. पहले आपने मेरा नाम कॉम्पिटीशन्स में से हटवाया और अब इस बेवकूफ आंजना और स्टूपिड पीयूष को मेरे अगेंस्ट खड़ा कर रही हैं जबकि रुही और भी आगे बोलती लेकिन मैम ने उसे थोड़ी कड़क आवाज में टोकते हुए कहा- 'रुही.पहले शांत हो जाओ और यहां बैठो।' मैम की आवाज और आंखें देखकर रुही एकदम सकपका गई लेकिन चेयर पर बैठने की बजाय खड़ी रही।

यहां बैठो रुही।'' मैम ने फिर कहा। रुही बैठ गई। 'देखो रुही, तुमने मुझे गलत समझा है बेटा।' मैम की आवाज अब पहले की ही तरह शांत थी। उन्होंने पानी का गिलास रुही की ओर बढ़ाया। रुही अब थोड़ी शांत हो गई थी। 'तुम्हें ऐसा पता नहीं क्यों लगा बेटा कि मैं तुम्हें नापसन्द करती हूं। जबकि इस स्कूल में आने के कुछ दिनों बाद से ही मैं तुम्हारी फैन बन चुकी हूं।' 'पफिर फिर आपने क्लास में हमेशा मुझे इग्नोर क्यों किया मैम?' रुही ने पूछा।

'नहीं बेटा मैंने कभी तुम्हें इग्नोर नहीं किया। हां, मैं इस बात से चिंतित जरूर थी कि तुम्हारे अचीवमेंट्स और 'खास' फ्रेंड्स कहीं तुम्हारे अंदर ओवरकॉन्फिडेंस और घमंड न भर दें। इसलिए मैं क्लास के बीच में तुम्हें इंडायरेक्टली वॉर्न करती थी। ताकि तुम सही और गलत फ्रेंडशिप को समझ सको। दो कॉम्पिटीशन में पार्ट लेने का नियम बनाने की सलाह मैंने इसलिए दी ताकि ज्यादा स्टूडेंट्स को मौका मिल पाए। इसके लिए मुझे तुम जैसे हर बच्चे की मदद लेनी है ताकि हम बाकी बच्चों को भी अच्छी चीजों में इन्वॉल्व कर पाएं। क्या तुम अब भी मुझे गलत समझती हो?' वैशाली मैम ने सवाल किया और इतने में प्यून रमेश भाई ने आकर बताया कि मैम को प्रिंसीपल मैम बुला रही हैं। वैशाली मैम पीयूष और आंजना के साथ रुही को छोड़कर क्लास से बाहर चली गईं।

सोच में डूबी रुही जैसे अचानक गहरी नींद से जागी। उसके दिमाग में चल रहा कन्फ्यूजन अब खत्म हो चला था। उसने घबराई सी खड़ी आंजना और भौचक खड़े पीयूष की ओर देखा और कहा- 'मैम ने सही कहा है। ये हमारे स्कूल की रेप्यूटेशन का सवाल है। और अब मेरी भी। इसलिए आज छुट्टी के बाद तुम दोनों मुझे रिक्रिएशन रूम में मिलोगे। हम जमकर प्रैक्टिस करेंगे, लेकिन उससे पहले मुझे वैशाली मैम को सॉरी बोलना है।' इतना कहकर खुश-खुश सी रुही स्टाफ रूम से बाहर निकल कर तेजी से प्रिंसीपल मैम के रूम की तरफ बढ़ गई।

वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं।

इंडोनेशिया में लाशों के साथ मनाया जाता है त्योहार

दुनिया के अलग-अलग देशों में लोग कई तरह के रीति-रिवाज को मानते हैं और अजीबोगरीब तरीकों से उत्सव मनाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे त्योहार के बारे में बताएंगे, जो लाशों के साथ मनाया जाता है। जी हां, इस त्योहार के बारे में जानकर आपको थोड़ा अजीब जरूर लगेगा, लेकिन यह बात बिल्कुल सही है। इंडोनेशिया की एक खास जनजाति इस त्योहार को मनाती है, जिसे मानेने फेस्टिवल के तौर पर जाना जाता है।

मानेने फेस्टिवल की शुरुआत आज से लगभग 100 साल पहले हुई थी। इसे मनाने के पीछे बरप्पू गांव के लोग एक बहुत ही रोमांचक कहानी सुनाते हैं। लोगों के मुताबिक, सौ साल पहले गांव में टोराजन जनजाति का एक शिकारी जंगल में शिकार के लिए गया था। पोंग रुमासेक नाम के इस शिकारी को बीच जंगल में एक लाश दिखी। सड़ी-गली लाश को देखकर रुमासेक रुक गया। उसने लाश को अपने कपड़े पहनाकर अंतिम संस्कार किया।

इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही टोराजन जनजाति के लोगों में अपने पूर्वजों के लाश को सजाने की प्रथा शुरू हो गई। मान्यता है कि लाश की देखभाल करने पर पूर्वजों की आत्माएं आशिर्वाद देती हैं।

इस त्योहार को मनाने की शुरुआत किसी के मरने के बाद ही हो जाता है। परिजन के मौत हो जाने पर उन्हें एक ही दिन में न दफना कर, बल्कि कई दिनों तक उत्सव मनाया जाता है। यह सब चीजें मृत व्यक्ति के खुशी के लिए की जाती हैं और उसे अगली यात्रा के लिए तैयार किया जाता है। इस यात्रा को पुया कहा जाता है। इस त्योहार के दौरान परिजन बैल और भैंसे जैसे जानवरों को मारते हैं और उनके सींगों से मृतक का घर सजाते हैं।

मान्यता है कि जिसके घर पर जितनी सींगें लगी होंगी, अगली यात्रा में उसे उतना ही सम्मान मिलेगा।

इसके बाद लोग मृतक को जमीन में दफनाने की जगह लकड़ी के ताबूत में बंद करके गुफाओं में रख देते हैं। अगर किसी शिशु या 10 साल से कम उम्र के बच्चे की मौत हो तो उसे पेड़ की दरारों में रख दिया जाता है। मृतक के शरीर को कई दिन तक सुरक्षित रखने के लिए कई अलग-अलग तरह के कपड़ों में लपेटा जाता है। मृतक को कपड़े ही नहीं फैशनेबल चीजें भी पहनाई जाती हैं। सजाने-धजाने के बाद लोग मृतक को लकड़ी के ताबूत में बंदकर पहाड़ी गुफा में रख देते हैं। साथ में लकड़ी का एक पुतला रखा रक्षा करने के लिए रखा जाता है, जिसे ताउ-ताउ कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि ताबूत के अंदर रखा शरीर मरा नहीं है, बल्कि बीमार है और जब तक वो सोया हुआ है, उसे सुरक्षा चाहिए होगी।

इसके बाद हर 3 साल पर लाशों को फिर से बाहर निकाला जाता है और उसे दोबारा नए कपड़े पहनाकर तैयार किया जाता है। इतना ही नहीं लोग लाशों के साथ बैठकर खाना भी खाते हैं। लाशों से उतरे हुए कपड़ों को परिजन पहन भी लेते हैं। कई सालों के बाद जब लाश हड्डियों में बदलने लगती है, तो उसे जमीन में दफनाया जाता है।

अखरोट और पॉपकॉर्न के आर्ट पीस बनाता एक कलाकार

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है।

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है। पेड़ों की पत्तियों, फूलों, लकड़ियों, मिट्टी, सब्जियों, बेकार पड़े वायर के पीस, फलों, छिलकों, और ऐसी न जाने कितनी ही चीजों से कलाकार आर्ट पीस बना डालते हैं। ऐसे ही एक कलाकार हैं विक्टर न्यूनेस, जो पॉपकॉर्न, अखरोट, पत्तागोभी और न जाने कितनी ही चीजों से रच डालते हैं खूबसूरत तस्वीरें।

पत्ते, फल और ब्रेड

विक्टर के आर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वो हमें अपने आस-पास मौजूद छोटी-छोटी चीजों में भी कला का रूप देखने की सीख देते हैं और वो भी बहुत ही सरल तरीके से। विक्टर की पेंटिंग्स या आर्ट पीस में मुख्यतः सामान्य पेन्सिल से बने स्केच होते हैं जिनके साथ वो अपने आस-पास मौजूद चीजों को जोड़कर पूरी कहानी बना डालते हैं। जैसे पॉपकॉर्न से ही सिर, मुंह, बाल और दाढ़ी बनाकर। उनके बनाए स्केचेस जितने दमदार होते हैं उतने ही प्रॉप्स का यूज करने पर वो अनूठे बन जाते हैं। ब्रेड से लेकर बिस्किट, काजू, नूडल्स, कॉफी का फोम, आटे की लोई, चिप्स, वेफर्स आदि खाने की चीजों से लेकर कैंची, पेन के ढक्कन, कागज के खाली ग्लास और प्लेट, पेन्सिल को छीलकर निकली पखुड़ियां, नट-बोल्ट्स, ड्रॉइंग पिन,धागे और पौधों के पत्ते जैसे कई ऑब्जेक्ट्स को विक्टर कमाल के तरीके से यूज कर मन मोह लेते हैं।

आर्ट से है गहरा नाता

यूं 60 साल के विक्टर ब्राजील के एक रिटायर आर्ट डायरेक्टर हैं लेकिन कला के प्रति उनका पैशन हर उम्र के व्यक्ति को प्रेरणा देता है। खास बात ये है कि उन्होंने कुछ ही समय पहले फेसबुक पर अपना अकाउंट बनाया और उस पर अपने इन स्पेशल आर्ट पीसेस को पोस्ट करना शुरू किया। आज वो रोज कई सारे पीसेस ड्रॉ करते हैं और फेसबुक पर पोस्ट करते हैं। और भी मजेदार बात यह है कि विक्टर कॉफी पीते समय या खाना खाते समय भी चीजों के कलात्मक रूप के बारे में सोचते रहते हैं, इससे उन्हें रोज नए प्रयोग करने की प्रेरणा जो मिलती है।

अमेजन की रहस्यमयी नदी

पेरू में मौजूद इस रहस्यमय नदी की खोज भूवैज्ञानिक आंद्रे रूजो ने साल 2011 में की थी। मयानतुयाकु नामक इस नदी की खोज की कहानी बड़ी ही दिलचस्प है, जिसके बारे में आंद्रे रूजो ने बताया है। दरअसल, बचपन से ही रूजो ने ऐसी काल्पनिक नदियों की कहानियां सुन रखी थी, जो उन्हें आश्चर्य से भर देती थी, लेकिन तब उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि ऐसी नदी सच में होती है। आंद्रे रूजो के मुताबिक, जब वो बड़े हुए तो भी उबलती हुई नदी की कहानी हमेशा उनके दिमाग में रही। वो अक्सर ऐसा सोचते कि क्या ऐसा संभव है। यहां तक कि उन्होंने विश्वविद्यालय के अपने सहयोगियों, तेल, गैस और खनन कंपनियों से भी इस बारे में जानना चाहा, लेकिन सबका जवाब ना ही था। इसके अलावा अगर वैज्ञानिक तौर पर भी देखें तो ऐसा संभव ही नहीं है कि नदी का पानी हमेशा उबलता रहे, जब तक कि आसपास कोई सक्रिय ज्वालामुखी न हो।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित।
प्रधान संपादक निमिषा कुमारी, प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741